राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

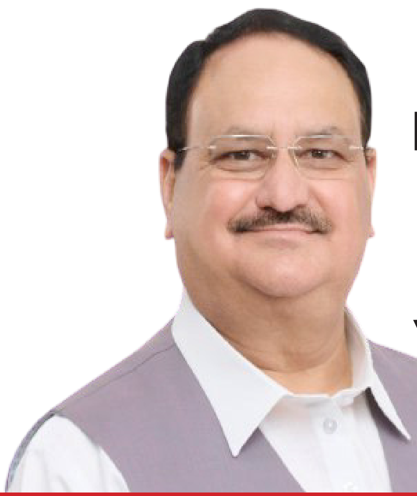

12 नड्डा टटोलेंगे संगठन की नज! 31 मई को आएंगे जयपुर.........

इंग्लैंड का टेस्ट दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण......... 12

वर्ष : 16 | अंक : 24 | नई दिल्ली, गुरूवार, 29 मई, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

राष्ट्रपति से पद्म श्री पाकर भावुक हुई ममता शंकर, बोलीं यह ईश्वर का आशीर्वाद

- कार्तिक महाराज बोले -परोपकार में और ऊर्जा मिलेगी

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता। मशहूर अभिनेत्री और नृत्यांगना ममता शंकर ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में 'पद्मश्री' सम्मान प्राप्त किया। सम्मान को हासिल करने के बाद वह भाव विभोर हैं। हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में उन्होंने कहा कि यह ऐसा अहसास है जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह ईश्वर का आशीर्वाद है। मैं बहुत खुश हूं, लेकिन मन में क्या चल रहा है, उसे व्यक्त नहीं कर सकती। भारत सरकार ने मुझे इस सम्मान के लिए चुना, यह मेरी कल्पना से भी परे था। मैंने कभी इसके बारे में सोचा नहीं था, न कभी उम्मीद की थी। ममता शंकर ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी कोई योजना नहीं बनाई और शायद इसी कारण उन्हें जब इतना बड़ा सम्मान मिला, तो वह अभिभूत हो गईं। ममता शंकर ने अपने करियर में 50 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। जिनमें 'दूरत्व' (1978), 'एक दिन प्रतिदिन' (1979), 'खारिज' (1982), 'गृहयुद्ध' (1982), 'शाखा प्रशाखा' (1991), 'अगंतुक' (1991) और हालिया फिल्म 'प्रजापति' (2023) शामिल हैं। उन्होंने इस सम्मान की घोषणा जनवरी में होने के तुरंत बाद कहा था कि मैं मृणाल दा (मृणाल सेन), माणिक दा (सत्यजीत रे) और बुद्धदेव दासगुप्ता को याद करती हूं, जिन्होंने करियर के शुरूआती दौर में मुझे मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर ममता शंकर के अलावा

पश्चिम बंगाल के अन्य प्रतिष्ठित लोगों को भी पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया। इनमें उद्योगपति सज्जन भजनका, शिक्षाविद नागेंद्र नाथ राय और संत स्वामी प्रदीप्तानंद (कार्तिक महाराज) शामिल हैं। इन लोगों को व्यापार, कला, साहित्य, शिक्षा और आध्यात्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्तिक महाराज ने कहा कि जो लोग भगवा वस्त्र पहनते हैं, वे पुरस्कारों या राज्य सम्मान की लालसा नहीं रखते। हालांकि, इस सम्मान से हमारी संस्था 'भारत सेवाश्रम संघ' को अपने परोपकारी कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। अन्य सम्मानित व्यक्तियों ने भी इस अवसर को गौरवपूर्ण बताया है और कहा कि यह सम्मान उन्हें विनम्र बना देता है। गौरतलब है कि भारत सरकार ने इस वर्ष पद्म पुरस्कारों की घोषणा 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की थी।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना	80,405
चांदी	1,1000
सेंसेक्स	80,220
निफ्टी	24,472

संक्षिप्त खबरें

कृतज्ञ राष्ट्र सावरकर के साहस और संघर्ष को कभी नहीं भूल सकता: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिदुत्व विचारक वीर सावरकर को उनकी जयंती के अवसर पर बुधवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कृतज्ञ राष्ट्र उनके अदम्य साहस और संघर्ष की गाथा को कभी नहीं भूल सकता। उन्हें भारत माता का सच्चा सपूत बताते हुए मोदी ने कहा कि औपनिवेशिक ब्रिटिश सत्ता की सबसे कठोर यातनाएं भी मातृभूमि के प्रति उनके समर्पण को कम नहीं कर सकीं और उनका बलिदान एवं प्रतिबद्धता विकसित भारत के निर्माण के लिए एक प्रकाश स्तंभ के रूप में काम करेगी।

मोदी चार राज्यों के दौरे पर विकास परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार से चार राज्यों की दो दिवसीय यात्रा करेंगे और कई विकास परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे। अपने तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने से पहले प्रधानमंत्री अपने व्यस्त कार्यक्रमों के तहत विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगे और कई विकास परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मोदी 29 और 30 मई को सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। वह बृहस्पतिवार को सिक्किम ऐट 50: जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को बढ़ावा देती है कार्यक्रम से अपने दौरे की शुरूआत करेंगे और सिक्किम में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे तथा उनका उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह जनसभा को संबोधित करेंगे। पश्चिम बंगाल में वह अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में नगर गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे और शाम को बिहार में पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। वह शुक्रवार को बिहार के काराकाट में 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे। बयान में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में वह कानपुर नगर में करीब 20,900 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे तथा सार्वजनिक समारोह को संबोधित करेंगे। मोदी ने राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों का दौरा किया है तथा नौ जून को अपनी सरकार की वर्षगांठ से पहले वह और भी राज्यों का दौरा करेंगे। नौ जून को ही उन्होंने पिछले साल अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। विभिन्न राज्यों के दौरों में अपने भाषणों में उन्होंने विकास संदेश के साथ ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए पाकिस्तान को सख्त संदेश भी दिया। चार राज्यों के उनके दौरे का जिक्र करते हुए बयान में कहा गया है कि सिक्किम सरकार ने सुनाउलो, समृद्ध और समर्थ सिक्किम थीम के तहत एक साल तक गतिविधियों की एक लंबी श्रृंखला की योजना बनाई है, जिसमें सिक्किम की सांस्कृतिक समृद्ध, परंपरा, प्राकृतिक वैभव और इसके इतिहास का जश्न मनाया जाएगा। उनके द्वारा शुरू की जाने वाली परियोजनाओं में नामची में 750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बना 500 बिस्तरों वाला नया जिला अस्पताल, सांगाचोलिंग में यात्री रोपवे और गंगटोक के सांगखोला में अटल अमृत उद्यान में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि अलीपुरद्वार और कूचबिहार में नगर गैस वितरण (सीजीडी) परियोजना भारत में सीजीडी नेटवर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी। कुल 1010 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य 2.5 लाख से अधिक घरों, 100 से अधिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को पाइप से प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराना है। इसके अलावा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) लक्ष्यों के अनुरूप लगभग 19 सीएनजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) स्टेशन स्थापित करके वाहनों के लिए सीएनजी उपलब्ध कराना भी इस परियोजना का उद्देश्य है। बयान में कहा गया है कि इससे सुविधाजनक, विश्वसनीय, पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी ईंधन आपूर्ति होगी और क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। पटना हवाई अड्डे पर नया टर्मिनल करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। नए टर्मिनल पर हर साल करीब एक करोड़ यात्रियों को सुविधा देने की क्षमता है। मोदी 1,410 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले बिहटा हवाई अड्डे के नए सिविल एन्क्लेव की आधारशिला भी रखेंगे। काराकाट में शुरू की जाने वाली परियोजनाओं में औरंगाबाद जिले में नबीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना, द्वितीय चरण (तीन गुणा 800 मेगावाट) शामिल है, जिसकी लागत 29,930 करोड़ रुपये से अधिक है। इसका उद्देश्य बिहार और पूर्वी भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बयान में कहा गया है कि इससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र में सस्ती बिजली उपलब्ध होगी। प्रधानमंत्री बक्सर और भरौली के बीच एक नए गंगा पुल के निर्माण के अलावा राज्य में विभिन्न सड़क परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। उत्तर प्रदेश में वह 2,120 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले, चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन से कानपुर सेंट्रल मेट्रो स्टेशन खंड का उद्घाटन करेंगे।

विकसित भारत सपने के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर विजन को साकार करने में पूर्वोत्तर हम: पीएमओ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र 2047 तक देश के विकसित भारत सपने के अनुरूप 30 ट्रिलियन डॉलर विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएमओ ने कहा, पूर्वोत्तर भारत अब सीमांत क्षेत्र नहीं रहा, बल्कि अग्रणी क्षेत्र बन गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने व्यापार, कनेक्टिविटी के लिए रणनीतिक केंद्र के रूप में इस क्षेत्र के उदय और विकसित भारत के लिए देश के 30 ट्रिलियन डॉलर के विजन पर एक विस्तृत लेख लिखा है। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि इस लेख पर एक नजर डालें। इससे पहले, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, पूर्वोत्तर क्षेत्र 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की कुंजी है। उन्होंने आगे कहा, मेरा आर्टिकल यह बताता है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र किस तरह दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए भारत के रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में बदल रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र व्यापार, कनेक्टिविटी और विकसित भारत के प्रति हमारी 30 ट्रिलियन डॉलर की महत्वाकांक्षा को बढ़ावा दे रहा है। हाल ही में हुए राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025ह्ल में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र वैश्विक साझेदारी और आपसी हितों के केंद्र के रूप में उभरा है।

तीनों सेनाओं के कमांडरों को मिले अनुशासनात्मक अधिकार

- राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित नियम 27 मई से प्रभावी होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। तीनों सेनाओं के कमांडरों को उनके अधीन काम करने वाले सशस्त्र बल कर्मियों पर अब अनुशासनात्मक अधिकार मिल गए हैं। तीनों सेनाओं को संयुक्त रूप से मजबूत बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय का एक विधेयक 2023 में संसद से पारित होने के बाद अब सरकार ने इन नियमों को राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित कर दिया है, जो 27 मई से प्रभावी होंगे। दरअसल, तीनों सेनाओं को संयुक्त रूप से मजबूत करने के लिए आधुनिकीकरण और पुनर्गठन कर थिएटर कमांड बनाने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी के मद्देनजर रक्षा मंत्रालय ने इस कानून के जरिये तीनों सेनाओं के कमांडरों को उनके अधीन काम करने वाले तीनों सशस्त्र बलों के सभी कर्मियों पर अनुशासनात्मक अधिकार दिए हैं। इसे 'इंटर-सर्विसेज ऑर्गनाईजेशन (कमांड, कंट्रोल एंड डिसिप्लिन) बिल, 2023 का नाम दिया गया है। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार एक अधिसूचना के जरिये 'इंटर सर्विसेज ऑर्गनाइजेशन' का गठन कर सकती है। इसमें वह संयुक्त सेवा कमांड शामिल हो सकती है, जिसमें यूनिट या सेवा कर्मी शामिल हैं। तीनों सेनाओं को संयुक्त रूप से मजबूत बनाने के लिए रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने 15 मार्च 2023 को लोकसभा के मानसून सत्र में अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक पेश किया था। इसके जरिए तीनों सेनाओं के कमांडरों को उनके अधीन काम करने वाले तीनों सशस्त्र बलों के सभी कर्मियों पर अनुशासनात्मक अधिकार देने की तैयारी थी। लोकसभा से पारित होने के बाद इस कानून पर 15 अगस्त, 2023 को राष्ट्रपति की भी मुहर लगी थी। अब सरकार ने 27 मई को एक अधिसूचना जारी कर अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम 2023 के तहत तैयार किए गए नियमों को राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित किया गया है और यह 27 मई से प्रभावी होंगे। इसे ऐसे समय में लागू किया गया है, जब रक्षा मंत्रालय बदलते सुरक्षा माहौल में खतरों से निपटने के लिए थिएटर कमांड के निर्माण पर काम कर रहा है। इस दिशा में काम करने के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पद सृजित किया गया है। तीनों सेनाओं में फिलहाल अनुशासन बनाए रखने के लिए वायु सेना अधिनियम-1950, सेना अधिनियम-1950 और नौसेना अधिनियम-1957 लागू हैं, जो संबंधित मामलों के लिए उनकी कमान के अधीन या उनसे जुड़े हुए हैं। अब इस कानून में कहा गया है कि किसी अंतर-सेवा संगठन का कमांडर-इन-चीफ या ऑफिसर-इन-कमांड अंतर सेवा संगठन का प्रमुख होगा। इसलिए उसके अधीन कार्य करने वाले कर्मियों पर पूर्ण नियंत्रण होगा। सरकार के इस महत्वपूर्ण कदम का उद्देश्य अंतर-सेवा संगठनों (आईएसओ) की प्रभावी कमान, नियंत्रण और कुशल कार्यप्रणाली को मजबूत करना है, जिससे सशस्त्र बलों के बीच एकजुटता मजबूत होगी। इन नियमों की अधिसूचना के साथ अधिनियम अब पूरी तरह से लागू हो गया है। इससे आईएसओ के प्रमुखों को सशक्त बनाया जा सकेगा। अनुशासनात्मक मामलों का शीघ्र निपटान किया जा सकेगा और कार्यवाही के दोहराव से बचने में मदद मिलेगी।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी मामला, एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट से मांगा और समय

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में गठित की गई एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी है। एसआईटी ने जांच पूरी करने के लिए और समय मांगा है। एसआईटी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सौंपी गई स्टेटस रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच अभी शुरूआती दौर में है और बयान का वीडियो भोपाल में एफएसएल को भेजा गया था, लेकिन संसाधनों की कमी के चलते वापस आ गया। साथ ही एक पत्रकार का मोबाइल भी एफएसएल को भेजा गया है। इस मामले में अभी तक सात गवाहों के बयान दर्ज हुए हैं और एसआईटी ने घटना से संबंधित वीडियो और मीडिया रिपोर्टों का अध्ययन किया है। एसआईटी ने स्टेटस रिपोर्ट का जिक्र करते हुए मामले में जांच पूरी करने के लिए और समय मांगा है। इससे पहले, मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने अपनी रजिस्ट्री को निर्देश दिया था कि वह विशेष जांच दल (एसआईटी) की उस स्थिति रिपोर्ट को स्वीकार करे, जो मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणियों की जांच के संबंध में दायर की गई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय की रजिस्ट्री से एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट रिकॉर्ड पर लेने को कहा था। बता दें कि विजय शाह ने भारत के सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात करते हुए विवादित टिप्पणी की थी। मंत्री के इस बयान के बाद देशव्यापी आक्रोश फैल गया था। पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को एक महिला आईपीएस अधिकारी सहित मध्य प्रदेश कैडर के तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की एसआईटी गठित करने का आदेश दिया था, जो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152, 196(1)(बी) और 197 के तहत शाह के खिलाफ दर्ज एफआईआर की जांच करेगी।

कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए किसानों के ऋणों पर ब्याज सब्सिडी को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान किसानों को ऋण के लिए संशोधित ब्याज छूट योजना (एमआईएसएस) के तहत छूट को जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, आवश्यक निधि व्यवस्था को भी मंजूरी दी गई। एमआईएसएस एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसका उद्देश्य किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से किसानों को सस्ती ब्याज दर पर अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत, किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 3 लाख रुपए तक के अल्पकालिक ऋण 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर मिलते हैं, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज छूट प्रदान की जाती है। इसके अलावा, ऋण का समय पर भुगतान करने वाले किसान शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) के रूप में 3 प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र होते हैं, जिससे केसीसी ऋणों पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से 4 प्रतिशत हो जाती है। केवल पशुपालन या मत्स्य पालन के लिए लिए गए ऋणों पर ब्याज लाभ 2 लाख रुपए तक लागू है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योजना की संरचना या अन्य घटकों में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया गया है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं। कृषि में संस्थागत ऋण के प्रवाह को बनाए रखने के लिए इस समर्थन को जारी रखना महत्वपूर्ण है, जो उत्पादकता बढ़ाने और छोटे और सीमांत किसानों के लिए वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। केसीसी के माध्यम से संस्थागत ऋण वितरण 2014 में 4.26 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर दिसंबर 2024 तक 10.05 लाख करोड़ रुपए हो गया है। बयान में कहा गया है कि कुल कृषि ऋण प्रवाह भी वित्त वर्ष 2013-14 में 7.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 25.49 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

पद्म सम्मान पाने वाली हस्तियों की उपलब्धियां पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी: शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पद्म पुरस्कार समारोह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण को साकार करता है, जिसमें लोगों के नेतृत्व वाले सामाजिक परिवर्तनों को प्रोत्साहित करने के लिए उन व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है, जो चुपचाप सकारात्मक बदलाव लाए हैं। पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वालों के सम्मान में मंगलवार को रात्रिभोज का आयोजन करते हुए शाह ने यह भी कहा कि सम्मानित शख्सियतों की उपलब्धियां पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी। समारोह के बाद मंत्री ने कहा, पद्म पुरस्कार समारोह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण को साकार करता है, जिसके तहत चुपचाप सकारात्मक बदलाव लाने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करके जन-नेतृत्व वाले सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित किया जाता है। शाह ने पद्म पुरस्कार पाने वाली शख्सियतों को बधाई दी। उन्होंने कहा, पद्म पुरस्कार 2025 से सम्मानित हस्तियों की मेजबानी करके मुझे खुशी हुई। गृह मंत्री ने सम्मान प्राप्त करने वाली हस्तियों से उनकी अनूठी जीवन यात्रा और समाज में उनके द्वारा लाए गए बदलावों के बारे में बात की और कहा कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव था। उन्होंने कहा, आज पद्म पुरस्कार से सम्मानित हस्तियों के लिए आयोजित रात्रिभोज में, (मुझे) विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी उन प्रतिष्ठित शख्सियतों से बातचीत करने का सौभाग्य मिला, जो अपने-अपने अनूठे तरीकों से हमारी दुनिया को बेहतर बना रहे हैं। भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश जगदीश सिंह खेहर, भरतनाट्यम नृत्यांगना शोभना चंद्रकुमार, अभिनेता अनंत नाग और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की कुलपति सोनिया नित्यानंद उन 68 प्रतिष्ठित हस्तियों में शामिल हैं जिन्हें मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। पच्चीस जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कुल 139 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को देश के नागरिक सम्मान पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री के लिए नामित किया गया। राष्ट्रपति ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री मोदी और शाह सहित अन्य की मौजूदगी में राष्ट्रपति भवन में दूसरे नागरिक अलंकरण समारोह में 68 चयनित हस्तियों को पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति मुर्मू ने 28 अप्रैल को पहले अलंकरण समारोह के दौरान 71 हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे। राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) खेहर को सार्वजनिक मामलों के लिए देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया। कथक नृत्यांगना कुमुदिनी रजनीकांत लाखिया और प्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा के लिए क्रमशः लाखिया के पोते और सिन्हा के बेटे ने पुरस्कार हासिल किए। राष्ट्रपति ने चंद्रकुमार, व्यवसायी नल्ली कुप्पुस्वामी चेट्टी, पुरातत्वविद् कैलाश नाथ दीक्षित, नर्तक जतिन गोस्वामी, अभिनेता अनंत नाग और साध्वी ऋतंभरा सहित नौ प्रसिद्ध हस्तियों को तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया। अर्थशास्त्री दिवंगत बिबेक देबरॉय और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं लोकसभा अध्यक्ष दिवंगत मनोहर जोशी के लिए सम्मान क्रमशः देबरॉय की पत्नी और जोशी के बेटे ने प्राप्त किए। ये सम्मान कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा समेत विभिन्न विषयों और क्षेत्रों में दिए जाते हैं। पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है, पद्म भूषण उच्च स्तर की विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है तथा पद्म श्री किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से उसने गुमनाम नायकों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित करना शुरू किया है। इस साल, पद्म पुरस्कार 30 गुमनाम नायकों को दिए गए।

ट्रंप प्रशासन के दावों पर प्रधानमंत्री चुप्पी तोड़ें : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के ट्रंप प्रशासन द्वारा किए जा रहे इस दावे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष व्यापार एवं शुल्क को आधार बनाकर रुकवाया था। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट किया, ह्यअमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने 23 मई, 2025 को न्यूयॉर्क स्थित अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत (यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड) में एक बयान दाखिल कर कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक युद्धविराम कराने और शांति स्थापित करने के लिए अपने शुल्क अधिकारों का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को देश को यह बताना चाहिए कि क्या यह सच है? रमेश ने यह भी कहा, ह्यहावर्ड लुटनिक वही बात दोहरा रहे हैं जो खुद राष्ट्रपति ट्रंप 11 दिनों में तीन अलग-अलग देशों में आठ बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इसी तरह का बयान देते हुए भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत के लिए एक तटस्थ स्थान का ज़िक्र किया है ह्ल उन्होंने कहा, ह्यप्रधानमंत्री, चुप्पी तोड़िए। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य तनाव को व्यापार समझौते के जरिए सुलझाया है। दूसरी तरफ भारत का कहना है कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) के संपर्क किए जाने के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर विचार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दूसरे विद्यालयों के बच्चों के लिए 11वीं में केवि में प्रवेश बड़ी चुनौती

देहरादून, एजेंसी। 10वीं बोर्ड परीक्षा पास करने वाले छात्रों के लिए केंद्रीय विद्यालय में 11वीं कक्षा में दाखिला लेना किसी चुनौती से कम नहीं है। इसकी दो मुख्य वजह हैं। पहली केवि संगठन देहरादून संभाग का परिणाम 100 फीसदी रहना और दूसरा केवि संगठन की ओर से सभी कक्षाओं में सीटों को निर्धारित करना है।

केंद्रीय विद्यालयों में इन दिनों 11वीं कक्षा के प्रवेश के लिए अभिभावकों की लंबी लाइन लग रही है। कुछ एक केवि में सीटें तो खाली हैं, लेकिन एक सीट के लिए 10 से 15 बच्चे आवेदन कर रहे हैं। ऐसे में सीटें न होने से अभिभावकों को मायूसी हाथ लग रही है। दरअसल, बीते कुछ सालों से केवि में हर कक्षा में छात्रों की संख्या को निर्धारित किया गया है। उधर, परिणाम भी 100 फीसदी रहने से सीटें खाली रहने की संभावना भी कम हो रही है। कुछ विद्यालयों में बच्चे का स्थानांतरण होने या फिर शहर छोड़ने से सीट तो खाली हो रही हैं, लेकिन उस पर भी आरक्षित बच्चे को पहला मौका मिलेगा। यह बात सही है परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहने से नए छात्रों को प्रवेश देना किसी चुनौती से कम नहीं है। हालांकि, हमारे विद्यालय में कक्षा 11 में छह सीटें उपलब्ध हैं। इन सीटों में भी पहले अन्य केवि के छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। सीट उपलब्ध रहने की स्थिति में मेरिट के आधार पर दूसरे विद्यालय के छात्र को प्रवेश का मौका मिलेगा।

रन फॉर हेल्थ में रूपचंद और राजेंद्र बने चैंपियन

देहरादून, एजेंसी। सचिवालय एथलेटिक्स एंड फिटनेस क्लब की ओर से रन फॉर हेल्थ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित तीन किलोमीटर की इस प्रतियोगिता में सचिवालय के 100 से अधिक अधिकारियों व कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। पुरुष वर्ग की 70 से अधिक आयु वर्ग में रूपचंद गुप्ता, 60 से अधिक आयु वर्ग में जीएन पंत, 50 से अधिक आयु वर्ग में भुवन चंद्र तिवारी, 40 से अधिक आयु वर्ग में शोबन सिंह और 30 से अधिक आयु वर्ग में कुशल सिंह महर और ओपन वर्ग में राजेंद्र प्रसाद जोशी ने पहला स्थान प्राप्त किया।

वहीं, महिला वर्ग में 50 से अधिक आयु वर्ग में गोदावरी रावत, 40 से अधिक आयु वर्ग में निधि, 30 से अधिक आयु वर्ग में दीपा बोहरा और ओपन वर्ग में सुमन भट्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सचिवालय चौक से शुरू हुई दौड़ सेंट जोसेफ स्कूल व लिस मुख्यालय होते हुए सचिवालय एटीएम चौक पर संपन्न हुई। इससे पहले सचिवालय संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार लखेड़ा ने बतौर मुख्य अतिथि हरी झंडी दिखा दौड़ को रवाना किया। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष ललित चंद्र जोशी, जीवन सिंह बिष्ट, रीता कौल, दिनेश घींगा, गोदावरी रावत, प्रमिला टम्टा, निधि, डॉ. अशोक मिश्र आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत

सितारगंज, एजेंसी। अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। गांव फलेय्या, पीलीभीत निवासी छोटे लाल (63) पुत्र जीवन लाल सोमवार को साइकिल से अपने घर से सितारगंज की ओर आ रहे थे। रास्ते में गांव सरकड़ा के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे वह घायल होकर सड़क पर गिर गए। उन्हें घटनास्थल के पास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। वहीं, मंगलवार को पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

जिले के चार जीजीआईसी को मिला पीएमश्री का तमगा

रुद्रपुर, एजेंसी। जिले के चार जीजीआईसी को पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) विद्यालयों की सूची में शामिल किया गया है। इन बालिका विद्यालयों को स्मार्ट कक्षाओं और बेहतर बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा।वित्तीय वर्ष 2022-23 में पीएमश्री योजना शुरू की गई थी। पहले वर्ष जिले के 18 विद्यालयों को इसमें शामिल किया गया था। अगले वर्ष फिर 10 विद्यालय इसमें चयनित हुए। इस वर्ष एक बार फिर केंद्र सरकार की तरफ से उत्तराखंड के 15 विद्यालयों को इस योजना के लिए चयनित किया गया है।

मानसून आने को, उत्तराखंड में नदियों की बाढ़ से कहां तक खतरा चिन्हित होंगे क्षेत्र

देहरादून, एजेंसी। मानसून आने को है। इसके साथ ही नदियों के उफान को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। इस सबको देखते हुए उत्तराखंड में सभी नदियों के बाढ़ मैदान परिक्षेत्र अधिसूचित करने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि किसी भी नदी में बाढ़ की स्थिति में उसके दोनों तरफ कहां से कहां तक का क्षेत्र खतरे की जद में आ सकता है। अभी तक 15 नदियों के 691 किलोमीटर क्षेत्र को बाढ़ मैदान परिक्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया जा चुका है। वर्तमान में देहरादून की बिंदाल और आसन नदियों के बाढ़ मैदान परिक्षेत्र को लेकर कसरत तेजी से चल रही है।

हर साल ही मानसून के दौरान नदियों का वेग भयभीत करता है। नदियों की बाढ़ से बड़े पैमाने पर क्षति होती है। यह स्थिति न केवल उत्तराखंड बल्कि देश के अन्य राज्यों की भी है। इस सबको देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने पूर्व में सभी राज्यों के बाढ़ मैदान परिक्षेत्र अधिसूचित करने के आदेश दिए। इस कड़ी में गंगा, यमुना, अलकनंदा, भागीरथी, पिंडर, धौलीगंगा, टौंस, काली, शारदा जैसी नदियों के उद्गम स्थल उत्तराखंड में भी बाढ़ मैदान परिक्षेत्र अधिसूचित किए जा रहे हैं।

किसी भी नदी में बाढ़ की स्थिति में उसका पानी तटों के दोनों ओर कितने क्षेत्र को अपनी गिरफ्त में ले सकता है, उसे ही बाढ़ मैदान परिक्षेत्र कहा जाता है। इसे अधिसूचित करने के लिए 100 साल और 25 साल में अधिकतम बाढ़ के प्रभाव क्षेत्र का आकलन किया जाता है।

इसके आधार पर ही बाढ़ मैदान परिक्षेत्र अधिसूचित किए जाते हैं। इस परिक्षेत्र में स्थायी निर्माण समेत कोई ऐसा कार्य नहीं हो सकता, जिससे नदियों के पानी का प्रवाह बाधित हो। यदि ऐसे अधिसूचित क्षेत्र में कोई कार्य बेहद आवश्यक है तो उसके लिए शासन से अनुमति लेनी आवश्यक है।

सरकार ने पिछले माह देहरादून की रिस्पना नदी के 77 किलोमीटर बाढ़ मैदान परिक्षेत्र की अंतिम अधिसूचना जारी करने के सिंचाई विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दी थी। अब इस परिक्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा सीमांकन सुनिश्चित करने के लिए पिलर लगाए जाएंगे। यदि इस परिक्षेत्र में कोई अतिक्रमण है तो उसे हटाने का जिम्मा नगर निगम और जिला प्रशासन का होगा। इससे पहले राज्य में 14 नदियों के 614 किलोमीटर क्षेत्र को बाढ़ मैदान परिक्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया जा चुका है।

उत्तराखंड में बारिश ने मचाई तबाही, 12 जिलों में 80 प्रतिशत तक फसल बर्बाद; किसानों को भारी नुकसान

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में वर्षा व ओलावृष्टि से भले ही चढ़ते पारे पर अंकुश लगा हो, लेकिन इससे औद्यानिक फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। उद्यान विभाग की ओर से कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार अप्रैल से अब तक 12 जिलों में 9877.59 हेक्टेयर क्षेत्र में खड़ी औद्यानिक फसलों को 0.75 से लेकर 80 प्रतिशत तक नुकसान पहुंचा है।

4773.4 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को 33 प्रतिशत से अधिक क्षति पहुंची है, जबकि 5104.19 हेक्टेयर में 33 प्रतिशत से कम। यही नहीं, 2799 हेक्टेयर कृषि भूमि को भी क्षति पहुंची है। फसल व भूमि की कुल क्षति लगभग सात करोड़ रुपये आंकी गई है।

औद्यानिक फसलों को पहुंचे नुकसान से किसानों के चेहरे मुरझाए हुए हैं। इसे देखते हुए सरकार भी सक्रिय हो गई है। इसी कड़ी में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में स्थिति की समीक्षा की।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रभावित किसानों को केंद्र सरकार के मानकों के अनुसार फसल क्षतिपूर्ति दी जाए। केंद्र के तय मानकों के अनुसार 33 प्रतिशत से अधिक क्षति पर ही आपदा मद से मुआवजा देने का प्रविधान है। बैठक में कृषि निदेशक केसी पाठक, बागवानी मिशन के निदेशक महेंद्र पाल व संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार उपस्थित रहे।

बहन का सुहाग उजाड़ने वाले दो भाई गिरफ्तार, जीजा की पीट-पीटकर की थी हत्या

हल्द्वानी, एजेंसी। बनभूलपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत अपने ही जीजा को पीट-पीट कर मौत के घाट उतारने वाले दो भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. जबकि हत्या का एक आरोपी अभी भी फरार चल रहा है. पत्नी ने पति के मारपीट की बात भाइयों को बताई थी. जिसके बाद भाइयों ने जीजा की जमकर पिटाई कर दी थी और अगले दिन जीजा की मौत हो थी. जिसके बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी.

पति-पत्नी में हुई थी मारपीट- बनभूलपुरा थाना प्रभारी नीरज भाकुनी ने बताया कि मूल रूप से दरियाबाग बाराबंकी उत्तर प्रदेश निवासी 27 वर्षीय अमरीका बनभूलपुरा की गफूर बस्ती में अपनी पत्नी के संग रहता था. जबकि उसका ससुराल भी हल्द्वानी में है. वह कूड़ा बीनने का काम करता था. 18 मई की रात अमरीका व उसकी पत्नी आशा के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. अमरीका ने पत्नी पर हाथ उठा दिया था, इसकी शिकायत आशा ने अपने भाइयों से की थी.

सालों ने जीजा की जमकर कर दी पिटाई- इसके बाद मौके पर पहुंचे उसके भाई संजय, मनोज व देवा ने मिलकर जीजा को पीट दिया था. अगले दिन सुबह उसकी मौत हो गई थी. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. साथ ही मामले में पुलिस ने तीनों भाइयों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया था. पूरे मामले में मुखानी पुलिस ने बीते दिन मनोज व संजय को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की, जबकि देवा की तलाश की जा रही है. पुलिस ने तीनों पर जीजा की गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है.

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार- शहर के मुखानी थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म और नाबालिग के गर्भवती करने के आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पीड़िता के मां के तहरीर पर पुलिस ने आरोपी खिलाफ पॉक्सो का मुकदमा दर्ज किया है.

कोरोना को लेकर उत्तराखंड के सभी अस्पतालों में फ्लू ओपीडी संचालित करने के निर्देश, फ्री में होगी जांच

देहरादून, एजेंसी। राज्य में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सभी अस्पतालों को अलग से फ्लू ओपीडी संचालित करने के निर्देश दिए हैं. ताकि खांसी जुकाम और फीवर से पीड़ित सभी मरीजों का इलाज फ्लू ओपीडी में किया जा सके. दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर गीता जैन ने इस बारे में बताया.

दून अस्पताल में संचालित होगा फ्लू क्लीनिक- हालांकि राज्य के सबसे बड़े राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय में अलग से फ्लू ओपीडी संचालित किए जाने में समय लग सकता है. दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर गीता जैन ने बताया, कि इसी हफ्ते अस्पताल में रेस्पिरेटरी इलनेस के लिए फ्लू क्लीनिक संचालित कर दिया जाएगा. इसके बाद खांसी, जुकाम और बुखार से पीड़ित मरीजों का इलाज अलग से किया जाएगा.

दून अस्पताल में कोरोना से जुड़ी आरटीपीसीआर व एलाइजा जांच की समुचित मात्रा में किटें उपलब्ध हैं. डॉ गीता जैन के मुताबिक कोरोना की पहली, दूसरी व तीसरी लहर की तुलना में इस बार ओमिक्रोन का वेरिएंट इतना घातक नहीं है. अभी तक की जो भी रिपोर्ट्स कोरोना को लेकर सामने आई हैं, उन रिपोर्ट्स में कोई ऐसी सीरियस बात सामने नहीं आई है. लेकिन सरकार की तरफ से जो भी गाइडलाइन जारी की गई हैं, उन सभी गाइड लाइनों का अस्पताल की तरफ से पालन किया जा रहा है.

अस्पताल की ओर से कोरोना संक्रमण को लेकर तैयारियां

दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर गीता जैन का कहना है, कि कोविड को लेकर दून अस्पताल पूरी तरह से अलर्ट है. अभी तक अस्पताल में कोई भी कोरोना संक्रमित मरीज नहीं पाया गया है. उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण से पीड़ित मरीजों के लिए 20 आईसीयू और 10 पीडियाट्रिक बेड आरक्षित कर दिए गए हैं. दून अस्पताल में कोरोना की जांच निशुल्क की जाएगी. इसके लिए पर्याप्त मात्रा में किट उपलब्ध हैं. हालांकि और किटों के लिए अस्पताल प्रशासन की तरफ से और डिमांड्स भेज दी गई है.

भारत में कोरोना के 1000 से ज्यादा एक्टिव केस

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार भारत में कोरोना वायरस के एक्टिव मामले 1009 हो गए हैं. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें 752 मरीज 19 मई 2025 के बाद दर्ज किए गए हैं. राहत की बात ये है कि इस दौरान 305 मरीज ठीक भी हो गए हैं. हालांकि 7 लोगों की जान गई है. केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली और गुजरात में कोरोना के सबसे ज्यादा मरीज पाए गए हैं.

स्मार्टफोन का अधिक इस्तेमाल सुखा रहा आंखों का पानी, हर रोज उपचार के लिए मरीज पहुंच रहे अस्पताल

अल्मोड़ा, एजेंसी। फोन, कंप्यूटर, लैपटॉप के अधिक प्रयोग से दृष्टि संबंधी कई तरह की शिकायतें सामने आ रहीं हैं। इनमें आंखों में ड्राई आई सिंड्रोम यानी आंखों का सूखापन की समस्या अधिक है।

मोबाइल फोन, कंप्यूटर, लैपटॉप के अधिक प्रयोग से दृष्टि संबंधी कई तरह की शिकायतें सामने आ रहीं हैं। इनमें आंखों में ड्राई आई सिंड्रोम यानी आंखों का सूखापन की समस्या अधिक है। चिकित्सकों के मुताबिक जो मरीज ड्राई आई सिंड्रोम की चपेट में आते हैं, उनकी पुतली में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

जिला अस्पताल में ओपीडी में ड्राई आई सिंड्रोम के रोजाना 30 से अधिक मरीज आ रहे हैं। ये मरीज बच्चों से लेकर 40 साल तक की आयु के हैं। जिला अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जीवन सिंह मपवाल का कहना है कि आंखों में सूखापन की वजह मोबाइल, प्रदूषण व कंप्यूटर का अधिक इस्तेमाल, दवाओं का अधिक सेवन आदि से होता है जबकि पिछले तीन-चार सालों में इस सिंड्रोम का सबसे बड़ा कारण निकल कर आया है जो कि मोबाइल फोन का अधिक इस्तेमाल है।

नेत्र चिकित्सकों का कहना कि बच्चों को मनाने के लिए अक्सर अभिभावक बच्चे के हाथ में मोबाइल पकड़ा देते हैं। जिस कारण उनकी आंखों और दिमाग पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए बच्चों को मोबाइल नहीं दिया जाना चाहिए।

लगातार आधे घंटे से अधिक मोबाइल या कंप्यूटर का इस्तेमाल नुकसानदेह होता है। आंखों की सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए मोबाइल या कंप्यूटर में काम करते वक्त थोड़ी-थोड़ी देर में 30 से 35 सेकेंड तक आंखें बंद कर लेनी चाहिए। इससे पुतली को ऑक्सीजन की सप्लाई होती रहेगी।

काशीपुर के दोहरे हत्याकांड में दस दोषियों को एक दशक बाद आजीवन कारावास, 20,500 रुपये का जुर्माना

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश मुकेश चंद्र आर्या ने 10 साल नौ महीने पहले काशीपुर के कुंडा थाना क्षेत्र में हुए दोहरे हत्याकांड के दस दोषियों को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 20 हजार 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

रुद्रपुर में तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश मुकेश चंद्र आर्या ने 10 साल नौ महीने पहले काशीपुर के कुंडा थाना क्षेत्र में हुए दोहरे हत्याकांड के दस दोषियों को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 20 हजार 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

काशीपुर के कुंडा थाने में ग्राम दुर्गापुर निवासी बचन सिंह ने 24 अगस्त 2014 को केस दर्ज कराया था। बचन के अनुसार उनका बेटा हरनाम सिंह उर्फ हनी गांव में कच्ची शराब बेचने वालों का विरोध करता था। इसके चलते शराब बेचने वाले कश्मीर सिंह उर्फ शीरी, जसवंत सिंह उर्फ नंदी, विंदर सिंह निवासी दुर्गापुर, लखविंदर सिंह उर्फ वीरी निवासी ग्राम किलावली, जस्सा सिंह, मंगल सिंह उर्फ मंगत, बबलू सिंह, पासी सिंह, पप्पी सिंह निवासी ग्राम नवलपुर और दारा सिंह उनके बेटे से दुश्मनी रखते थे।

कहा कि 21 अगस्त 2014 की दोपहर आरोपी उनके घर आए थे। हनी के घर पर नहीं मिलने पर आरोपियों ने बेटे को समझा लेने के लिए कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। 22 अगस्त की शाम को अब्दुल रहमान निवासी गुज्जर डेरा तुमड़िया डाम ने हनी को बहाने से डेरे पर बुलाया था। आरोपियों ने हमसाज होकर उनके बेटे हरनाम सिंह उर्फ हन्नी और उसके साथी कुलवंत सिंह उर्फ गोले की हत्या कर शव जंगल में फेंक दिए। दो दिन बाद 24 अगस्त को दोनों शव मच्छी कोटा के पास बरामद हुए थे।

पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की थी। पुलिस ने ने जांच में कुछ लोगों की लिप्तता मिली थी। मुकदमे की सुनवाई तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश मुकेश चंद्र आर्या की अदालत में हुई। सुनवाई में अभियोजन पक्ष की ओर से 18 गवाह और साक्ष्य पेश किए गए। इस पर अदालत ने जसवंत सिंह उर्फ नंदी, जसवंत सिंह उर्फ जस्सा, भगत सिंह उर्फ भगत, प्रकाश सिंह उर्फ पासी, लखवीर सिंह उर्फ वीरी, दारा सिंह, प्रकाश सिंह, चांदी सिंह, लाल सिंह उर्फ बलविंदर सिंह, बलविंदर सिंह उर्फ विंदर को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

चारधाम यात्रा में हर दिन हो रही दो श्रद्धालुओं की मौत, 50 के पार पहुंचा आंकड़ा

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं के मौतों का आंकड़ा तेजी से बढ़ता जा रहा है. चारधाम यात्रा शुरू होने के 28 दिनों के भीतर 56 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है. यानी रोजाना दो श्रद्धालुओं की मौत स्वास्थ्य खराब होने की वजह से चारधाम यात्रा में हो रही है.

चारधाम यात्रा अक्षय तृतीया के दिन यानि 30 अप्रैल 2025 को यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ शुरू हुई थी. जिसके बाद 2 मई को बाबा केदारनाथ और 4 मई को बदरी विशाल के कपाट श्रद्धालुओं के खोले गये. चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद 27 मई तक यानि इन 28 दिनों के भीतर 15,63,975 श्रद्धालुओं ने चारों धामों के दर्शन कर लिए हैं. जिसमें बदरीनाथ धाम के 416291 श्रद्धालु, केदारनाथ धाम के 600709 श्रद्धालु, गंगोत्री धाम के 265149 और यमुनोत्री धाम के 279206 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं. इसके अलावा अभी तक हेमकुंड साहिब के 7690 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं.

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड चारधाम यात्रा मार्गों पर 27 मई 2025 की शाम 7 बजे तक 56 श्रद्धालुओं की मौत स्वास्थ्य खराब होने की वजह से हुई है. यानी यात्रा मार्गों पर रोजाना दो श्रद्धालुओं की मौत

हुई है. जिसमें सबसे अधिक केदारनाथ यात्रा मार्ग पर 26 श्रद्धालु, बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर 11, यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर 11 श्रद्धालु और गंगोत्री यात्रा मार्ग पर 8 श्रद्धालुओं की मौत हुई है. इसके अलावा 8 मई को उत्तरकाशी में हुए हेलीकॉप्टर क्रैश होने के चलते 6 श्रद्धालुओं और अन्य कारणों से 2 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है. यानी इस यात्रा सीजन के दौरान स्वास्थ्य खराब, हेलीकॉप्टर क्रैश और अन्य कारणों से 64 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है.

चारधाम यात्रा मार्गों पर बढ़ रहे श्रद्धालुओं के मौतों के सवाल पर स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ सुनीता टम्टा ने कहा चारधाम यात्रा पर बनाए गए हेल्थ स्क्रीनिंग पॉइंट्स पर 50 साल से अधिक उम्र के श्रद्धालुओं की अनिवार्य रूप से स्क्रीनिंग की जा रही है. जिससे कोई कॉमर्बिड श्रद्धालु (ष्टश्वद्वशह्लड्ढद्बस्र ष्टद्ग1शह्लद्गद्गह्य) यात्रा पर न चला जाए. स्क्रीनिंग के दौरान जब कोई यात्री अस्वस्थ पाया जाता है तो उसको यात्रा न करने की सलाह दी जाती है.

स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान अस्वस्थ पाए गए 58 यात्रियों को अभी तक वापस भेजा जा चुका है. करीब 3500 कॉमर्बिड श्रद्धालुओं की काउंसलिंग की गई है. मैदानी क्षेत्रों से यात्रा पर आने वाले यात्री बिना एक्लीमेटाइज के ही यात्रा कर रहे हैं.

आप पार्षद हेमा ने एमसीडी सदन से स्थायी समिति सदस्य के लिए किया नामांकन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,आम आदमी पार्टी ने वार्ड 184 से पार्षद हेमा श्रीचंद वोहरा को स्थायी समिति सदस्य के चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है। बुधवार को हेमा ने सिविक सेंटर मुख्यालय स्थित निगम सचिव कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस अवसर पर दिल्ली के पूर्व मेयर महेश कुमार खिंची, निगम पार्षद पुनीत राय, गगन चौधरी और श्रीचंद वोहरा मौजूद रहे। निगम में आप के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने हेमा को शुभकामनाएं देते हुए भरोसा जताया कि आम आदमी पार्टी इस पद को अवश्य जीतेगी। दिल्ली नगर निगम के सिविक सेंटर मुख्यालय स्थित निगम सचिव कार्यालय में बुधवार को निगम सदन से नामांकन के लिए आम आदमी पार्टी की तरफ से स्थायी समिति सदस्य पद की उम्मीदवार हेमा ने नामांकन दाखिल किया। हेमा वार्ड 184 से आम आदमी पार्टी की पार्षद हैं। नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने बताया कि स्थायी समिति में 18 सदस्य होते हैं। इसमें 12 सदस्य जोन से और 6 एमसीडी सदन से चुने जाते हैं। सदन से चुने जाने वाले छह सदस्यों में से एक पद खाली हो गया था। इस पद के लिए आप की तरफ से हेमा ने अपना नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने बताया कि आगामी तीन जून को एमसीडी का हाउस बुलाया गया है। सदन में स्थायी समिति सदस्य के लिए वोटिंग होगी और उसी दिन जीत की घोषणा की जाएगी।उल्लेखनीय है कि बदरपुर के जैतपुर से पार्षद श्रीमती हेमा वोहरा और उनके पति श्रीचंद वोहरा एवं परिवार के सभी सदस्य आम आदमी पार्टी के लिए समर्पित है 2012 से अन्ना आंदोलन के समय से आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए हैं। श्रीचंद वोहरा पार्टी के बेहद कर्मठ कार्यकर्ता हैं और पार्टी संगठन में काफी काम किया है। उन्होंने कई राज्यों में पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को बखूबी निभाई है। पार्टी ने 2017 में श्रीचंद वोहरा को पार्षद का चुनाव के लिए भी खड़ा किया था, लेकिन वो हार गए थे। इसके बाद 2022 में उनकी पत्न ी ने चुनाव लड़ा और वह अपने क्षेत्र जैतपुर से चुनाव जीत गईं। ह्लआपह्व पार्टी के जुझारू एवं कर्मठ पुराने कार्यकर्ता श्रीमती हेमा श्रीचंद वोहरा को निगम की अहम स्थायी समिति सदस्य पद के लिए पार्टी ने उम्मीदवार बनाया।

अब दिल्ली में ऐसी सरकार जो लोगों के लिए काम करती है: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सत्ता में 100 दिन पूरे होने पर अपनी सरकार को जनता के लिए काम करने वाली सरकार करार देते हुए बुधवार को कहा कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय राजधानी में विकास कार्यों पर जोर दिया जा रहा है। दिल्ली विश्वविद्यालय के ह्यश्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्सह्व द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में गुप्ता ने अपने संबोधन में नई सरकार का समर्थन करने और उसपर विश्वास जताने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ह्यह्यअब दिल्ली में ऐसी सरकार है जो लोगों के लिए काम करती है। मैं शहर के लोगों को हमें चुनने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने कहा, ह्यह्यआपके विश्वास और हमारे प्रयासों से, हम पिछले 100 दिनों में कई चीजों को सही कर पाये हैं। जो परियोजनाएं और योजनाएं रुकी हुई थीं, उन्हें आखिरकार अमलीजामा पहनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस सकारात्मक बदलाव का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग को दिया। उन्होंने कहा, ह्यह्यदिल्ली को डबल इंजन वाली सरकार का पूरा लाभ मिल रहा है। केंद्र सरकार की जो योजनाएं पहले विलंबित या नजरअंदाज की जाती थीं, वे अब लोगों तक पहुंच रही हैं। गुप्ता ने यह भी घोषणा की कि उनकी सरकार 31 मई को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में अपने कार्यकाल के पहले 100 दिनों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड जारी करेगी, जिसमें प्रमुख पहलों और प्रगति पर प्रकाश डाला जाएगा। आज अभिनंदन समारोह में उनके साथ दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी थे। सिरसा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। पिछली आप सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए सिरसा ने कहा, हमने 100 दिनों में वह कर दिखाया जो वह 10 साल में नहीं कर पाए। 1984 के दंगों के पीड़ितों ने न्याय और समर्थन के लिए दशकों तक इंतजार किया, उन्हें अब हमारे प्रशासन के 100 दिनों के भीतर नौकरी के अवसर मिले हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में डीआरडीओ के क्वांटम प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन

नई दिल्ली,। शहर स्थित मेटकाफ हाउस में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के क्वांटम प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस प्रतिष्ठान का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने मंगलवार को किया, जिसका उद्देश्य सामरिक एवं रक्षा अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी क्वांटम क्षमताओं को और मजबूत करना है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि क्वांटम प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र (क्यूआरटीसी) अत्याधुनिक प्रयोगात्मक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसे महत्वपूर्ण क्वांटम क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। बयान में कहा गया है कि उद्घाटन समारोह में महानिदेशक (सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कम्प्यूटेशनल प्रणाली एवं साइबर प्रणाली) सुमा वरुगीस भी उपस्थित थीं, जिनकी दूरदृष्टि और नेतृत्व ने इस अत्याधुनिक प्रतिष्ठान की संकल्पना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महानिदेशक (संसाधन एवं प्रबंधन) मनु कोरुल्ला और एसएसपीएल एवं एसएजी के निदेशक, वरिष्ठ वैज्ञानिक और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी समारोह में शामिल हुए।

लत ने दुष्कर्म मामले में इन्फ्लुएंसर युवक को अंतरिम जमानत दी, कहा एक हाथ से ताली नहीं बजती

नई दिल्ली,। उच्चतम न्यायालय ने 40 वर्षीय महिला से दुष्कर्म के आरोपी 23 वर्षीय युवक को इस बात पर गौर करते हुए बुधवार को अंतरिम जमानत दे दी कि नौ महीने से जेल में होने के बावजूद उसके खिलाफ आरोप तय नहीं किए गए हैं और अदालत ने कहा कि पीड़िता ह्यह्यबच्ची नहीं है और एक हाथ से ताली नहीं बजती न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने तीखी टिप्पणी करते हुए यह भी पूछा कि दिल्ली पुलिस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला कैसे दर्ज कर सकती है, जबकि महिला स्वेच्छा से उसके साथ गई थी। पीठ ने कहा,एक हाथ से ताली नहीं बजती। आपने (दिल्ली पुलिस) किस आधार पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 के तहत मामला दर्ज किया है। वह बच्ची नहीं है। 40 साल की महिला है। अदावे दोनों एक साथ जम्मू गए। आपने धारा 376 क्यों लगाई है। यह महिला सात बार जम्मू जाती है और पति को कोई आपत्ति नहीं होती? शीर्ष अदालत ने कहा कि यह अंतरिम जमानत देने के लिए उपयुक्त मामला है क्योंकि आरोपी नौ महीने से जेल में है और आरोप तय नहीं किए गए हैं। न्यायालय ने निर्देश दिया कि आरोपी को अधीनस्थ अदालत में पेश किया जाए और नियमों-शर्तों के अधीन अंतरिम जमानत दी जाए। पीठ ने कहा कि वह अपनी स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करेगा और महिला से संपर्क करने का प्रयास नहीं करेगा। शीर्ष अदालत ने आरोपी पर भी टिप्पणी करते हुए पूछा, ह्यह्यऐसे लोगों से कौन प्रभावित होता है? उच्चतम न्यायालय, दिल्ली उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ आरोपी युवक द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। उच्च न्यायालय ने आरोपों की गंभीरता को देखते हुए उसे जमानत देने से इनकार कर दिया था। पुलिस की शिकायत के अनुसार महिला पहली बार 2021 में सोशल मीडिया के माध्यम से आरोपी के संपर्क में आई जब वह अपने कपड़ों के ब्रांड के प्रचार के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की तलाश कर रही थी।

लोगों को मिल रहा डबल इंजन सरकार का फायदा : रेखा

नई दिल्ली,। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार 31 मई को अपने पहले 100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों को अब तक किए गए कार्यों के बारे में सूचित रखना उनकी जिम्मेदारी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 25 साल के अंतराल के बाद शहर में सरकार बनाई, जिसके तहत गुप्ता ने 20 फरवरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह एक भव्य समारोह था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गुप्ता के कैबिनेट सहयोगी भी शामिल हुए। दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में जनता द्वारा चुनी गई काम करने वाली सरकार सत्ता में आई है। मैं दिल्ली की जनता का धन्यवाद करती हूं और उनसे कहना चाहती हूं कि आपके भरोसे पर हमने पिछले 100 दिनों में दिल्ली के लिए काम किया है। हमने कई ऐसे फैसले सही किए जो पिछली सरकारों के समय सही नहीं थे। केंद्र की योजनाओं को दिल्ली में लागू करने का काम किया गया। अब दिल्ली की जनता को डबल इंजन का पूरा लाभ मिल रहा है। प्रशासन के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए गुप्ता ने कहा कि इस दौरान दिल्ली सरकार अथक परिश्रम कर रही है। उन्होंने शहर में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, ह्लआप सभी ने देखा है कि दिल्ली सरकार 247 काम करती नजर आ रही है। 30 मई को हमारी सरकार 100 दिन पूरे कर लेगी। हम 31 मई को दिल्ली की जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करेंगे। हम अपने द्वारा किए गए हर काम का ब्यौरा देंगे।ह्व जनता के समर्थन को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जनता ही थी जिसने राजधानी में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनाने में मदद की।

सामाजिक न्याय के पुरोधा न बने राहुल गांधी : डॉ.सुमन

कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एससी/एसटी व ओबीसी कोटे के पदों को क्यों नहीं भरा

- कांग्रेस की शिक्षक इकाई ने डीयू में शिक्षकों के पदों पर एससी/ एसटी आरक्षण लागू करने का विरोध किया था

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) ने लोकसभा में नेता विपक्ष श्री राहुल गांधी द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय में आकर एससी/एसटी, ओबीसी आरक्षण पर बोलते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय समेत तमाम केंद्रीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों में एससी / एसटी तथा ओबीसी वर्गों के लिए आरक्षित प्रोफेसर पदों पर भर्ती नहीं किए जाने का आरोप लगाया है। फोरम का कहना है कि राहुल गांधी की खोखली बयानबाजी डीयू के शिक्षकों और छात्रों को मूर्ख नहीं बना सकती। आजकल राहुल गांधी व उनके साथी खुद को सामाजिक न्याय का मसीहा और भारतीय संविधान का रक्षक बता रहे हैं। जब 2004 से 2014 तक यूपीए सत्ता में थीं तो उन्होंने अपने कार्यकाल में केंद्रीय विश्वविद्यालयों व डीयू कॉलेजों में आरक्षित सीटों को क्यों नहीं भरा। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में जब आरक्षण लागू करने की शुरूआत हो रही थीं तो उनकी पार्टी के शिक्षक संगठन इंटेक ने दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षक पदों पर एससी/एसटी अभ्यर्थियों के आरक्षण का पुरजोर विरोध किया था। फोरम के चेयरमैन डॉ.हंसराज सुमन ने कहा कि कांग्रेस की लगभग छह दशक तक सरकार रही लेकिन फोरम व अन्य शिक्षक संगठनों के सड़कों पर उतरने व एससी/एसटी कमीशन के हस्तक्षेप के बाद सन 1997 में जाकर केंद्रीय विश्वविद्यालयों में आरक्षण लागू हुआ। केंद्रीय विश्वविद्यालयों व संबद्ध कॉलेजों में आरक्षण लागू होने के बाद भी उन्हें नॉट फाउंड सुटेबल किया जाता रहा या यह कहा गया कि अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हुए। बता दे कि कांग्रेस ने विश्वविद्यालय शिक्षकों की नियुक्तियों में ओबीसी आरक्षण 2007 में लागू किया। उन्होंने बताया है कि सन 2008 से सन 2014 तक यूजीसी व शिक्षा मंत्रालय द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एससी/एसटी के अभ्यर्थियों के लिए स्पेशल भर्ती अभियान चलाने के लिए सर्कुलर जारी किए लेकिन उन पदों को भरा नहीं। लगभग छह दशक तक कांग्रेस की सरकार रहने के बावजूद क्यों विश्वविद्यालयों /कॉलेजों में 1997 में आरक्षण लागू किया गया ? दिल्ली विश्वविद्यालय में कांग्रेस के शिक्षक संगठन ने खुद शिक्षक नियुक्तियों में आरक्षण का विरोध किया था और डीयू में 13 पॉइंट रोस्टर को लागू करने वाले कांग्रेस द्वारा नियुक्त कुलपति ही थे। डॉ. हंसराज सुमन ने कांग्रेस के कार्यकाल में प्रशासन द्वारा आरक्षण की अवहेलना किए जाने पर कहा कि जब यूपीए के पास सामाजिक न्याय करने का अवसर था तब यूपीए 2 शासन ने भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों को संविदा/तदर्थ/अंशकालिक शिक्षकों का केंद्र बना दिया। इतना ही नहीं उन्होंने सन 1997 में एससी/एसटी आरक्षण के बाद पहली बार सीएएस (कॅरियर एडवांस स्कीम) के माध्यम से आरक्षित उम्मीदवारों को शामिल करने का समय आया तो सन 2008 से सभी पदोन्नति (प्रमोशन) पर रोक दी गई। उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थाई नियुक्ति और पदोन्नति प्रक्रिया एनडीए के सत्ता में आने के बाद ही शुरू हुई। उस समय सवर्ण कुलपति ने कुछ खास जातियों को विशेष लाभ देते हुए स्थाई नियुक्ति की थी।

भारतीय सेना में गुर्जर रेजिमेंट के गठन की मांग दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की जनहित याचिका

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। भारतीय सशस्त्र सेना में गुर्जर समुदाय के लिए एक रेजिमेंट के गठन करने की मांग को लेकर दाखिल की गई जनहित याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने ऐसी मांग के लिए याचिका दाखिल करने पर याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए पूछा कि किस कानून या संविधान के अधिकार के तहत इस तरह की याचिका दाखिल की गई है। साथ ही पीठ ने यह भी कहा कि क्या कानून या संविधान में ऐसा कोई अधिकार दिया गया है, जिसके तहत आप सेना में ऐसी रेजिमेंट बनाने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें मांग की गई थी कि भारतीय सशस्त्र सेना में गुर्जर समुदाय के लिए एक रेजिमेंट का गठन किया जाए। हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि गुर्जर रेजिमेंट के गठन से भारतीय सेना को मजबूती मिलेगी और ऐतिहासिक रूप से योद्धा समुदाय को भर्ती से फायदा होगा। याचिका में यह भी कहा गया कि गुर्जर समुदाय जम्मू और कश्मीर, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड जैसे रणनीतिक सीमावर्ती क्षेत्रों में रहते हैं, जहां उन्होंने भारत की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुर्जरों ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया था, जहां उन्होंने मेरठ, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर और राजस्थान सहित कई क्षेत्रों में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया था। ब्रिटिश औपनिवेशिक अभिलेखों में गुर्जर योद्धाओं के ब्रिटिश सेना के खिलाफ आवाज बुलंद करने के सबूत भी हैं। इस पर पीठ ने कहा, ह्लकिस कानून या संविधान के अधिकार के तहत इस तरह की याचिका दाखिल की गई है। क्या कानून या संविधान में ऐसा कोई अधिकार दिया गया है, जिसके तहत आप सेना में ऐसी रेजिमेंट बनाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, बाद में बेंच ने कहा कि उन्हें याचिकाकर्ता के वकील ने बताया है कि वे अपनी याचिका वापस लेना चाहते हैं। इसलिए, याचिका को वापस लेने के आधार पर इसे खारिज किया जाता है।

पेड़ों की अवैध कटाई मामले में वी के सक्सेना बरी, दोषी डीडीए अधिकारियों पर लगाया जुमार्ना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली रिज क्षेत्र में पेड़ों की अवैध कटाई से संबंधित अदालती अवमानना के एक मामले में दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को बुधवार को बरी दिया, लेकिन प्रत्यके दोषी अधिकारी को 25,000 रुपये को जुमार्ना भरने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने यह फैसला सुनाते हुए पेड़ों के नुकसान की भरपाई के लिए कई निर्देश भी दिए। पीठ ने डीडीए के पूर्व उपाध्यक्ष सुभाषिश पांडा को भी राहत दी और उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही बंद कर दी। उन्हें राहत देते हुए अदालत ने कहा कि अब वह इस पद (उपाध्यक्ष) पर नहीं हैं और पहले भी पूर्णकालिक सदस्य नहीं थे। पीठ ने हालांकि कहा इस संवेदनशील मामले में अदालत की अवमानना हुई है, लेकिन दोषी डीडीए अधिकारियों पर कुछ आर्थिक दंड लगाने के बाद मामले को इसे बंद किया जा सकता है। उपराज्यपाल इस मामले में पक्षकार नहीं थे, लेकिन अदालत ने उनसे भी स्पष्टीकरण मांगा था। शीर्ष अदालत के 1996 के एक फैसले का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि डीडीए अधिकारियों ने पेड़ों की कटाई की अनुमति देने से पहले उच्चतम न्यायालय की अनुमति न लेकर स्पष्ट रूप से अदालत की अवमानना की है। इसलिए उन पर जुमार्ना लगाया गया है। अदालत ने कहा कि संबंधित अधिकारियों को शीर्ष अदालत से अनुमति लेना अनिवार्य था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। न्यायालय ने तीन सदस्यीय एक समिति के गठन करने का आदेश दिया, जो एक योजना बनाकर अवैध रूप से काटे गए पेड़ों की भरपाई के उपाय बताएगी। पीठ ने कहा कि यह समिति समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करेगी। यह मामला बिना अनिवार्य अदालती मंजूरी के रिज क्षेत्र में 600 से अधिक पेड़ों को काटने से संबंधित है। उन पेड़ों की कटाई कथित तौर पर निमार्णाधीन केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल आयुर्विज्ञान संस्थान अस्पताल तक जाने वाली सड़क को चौड़ा करने के लिए की गई थी।

बीएलएस इंटरनेशनल को दिल्ली में मिला आयुष्मान भारत के लाभार्थियों के सत्यापन का अनुबंध

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं देने वाली कंपनी बीएलएस इंटरनेशनल को दिल्ली सरकार की राज्य स्वास्थ्य एजेंसी से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई) के लिए लाभार्थी सत्यापन सेवाएं प्रदान करने का अनुबंध मिला है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि यह पहल राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के सहयोग से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य राज्य भर में 6.54 लाख परिवारों को पीवीसी सह-ब्रांडेड एबी-पीएमजेएवाई कार्ड वितरित करना है। इस अनुबंध के तहत, बीएलएस एनएचए दिशानिर्देशों और राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार एबी पीएमजेएवाई कार्ड की लंबित कार्यों को पूरा करने का काम करेगी। गौरतलब है कि आयुष्मान वय वंदना योजना दिल्ली में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को पांच लाख रुपये का मुफ्त स्वास्थ्य कवर प्रदान करती है जिससे लगभग 4.5 लाख परिवारों के छह लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित होंगे। इसके अलावा, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) से लगभग 6.54 लाख परिवारों के 30 लाख लोग लाभान्वित होंगे। इससे दोनों योजनाओं से दिल्ली में करीब 36 लाख लोगों को फायदा होगा। बीएलएस ई-सर्विसेज के चेयरमैन शिखर अग्रवाल ने कहा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा हमें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर हम गौरवान्वित हैं हम निर्बाध लाभार्थी सत्यापन सेवाएं और एबी-पीएमजेएवाई कार्ड के समय पर वितरण सुनिश्चित करेंगे। हमें विश्वास है कि हमारी विशेषज्ञता एवं प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे राष्ट्रीय राजधानी के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ एवं किफायती बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस गर्मी, टाइटन एज की नई म्यूरल्स कलेक्शन के साथ स्टाइल और कलर का परफेक्ट मेल

नई दिल्ली : भारत की सबसे पतली घड़ी ब्रांड एज बाय टाइटन ने इस गर्मी अपनी नई म्यूरल्स कलेक्शन के साथ फैशन और इंजीनियरिंग काबेहतरीन संगम पेश किया है। यानी कलात्मक रूप से डिजाइन की गई इस नई कलेक्शन में गर्मियों के रंग, हलकापन औरआधुनिकता का अनूठा मिश्रण है। सिर्फ 4.3 मिमी पतली इस घड़ी की खूबसूरती इसके सादे लेकिन प्रभावशाली डिजाइन में है। इसमें इस्तेमाल हुआ है टाइटन का खास 1.15 मिमी का एज 9081 मूवमेंट, जो इसे तकनीकी रूप से भी बेहद खास बनाता है। इसका पतला और स्टाइलिश लुक गर्मियों की हल्की-फुल्की ड्रेसिंग के लिएएकदम परफेक्ट है—चाहे आप दफ्तर जा रहे हों या किसी ब्रंच पर। म्यूरल्स कलेक्शन की खास बात है इसके डायल्स के रंग—गुलाबी नीला (blush blue), सेज ग्रीन और हल्का पीला—जो गर्मियों की मिठास, आइसक्रीमकी ठंडक और धूप की नर्म रोशनी से प्रेरित हैं। ये रंग सिर्फ देखने में सुंदर नहीं, बल्कि पहनने में भी हल्के और मन को भाने वाले हैं। स्टेनलेस स्टील के केस और ब्रेसलेट के आइकॉनिक स्कूप डिजाइन के साथ यह घड़ी न सिर्फ देखने में खूबसूरत है, बल्कि हर मौके के लिए उपयुक्त भी है।ये कलेक्शन आज के युवा, प्रोफेशनल और फैशन-फॉरवर्ड लोगों के लिए है, जो स्टाइल में सादगी और व्यक्तित्व दोनों चाहते हैं। टाईटन की चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर कल्पना रंगमणि के शब्दों में, ह्लम्यूरल्स कलेक्शन के जरिए हमने मिनिमलिज्म को एक नए नजरिए से देखा है—ऐसा जो रंगों, भावनाओं और गर्मियों की सहजता को भी अपने साथ लेकर चलता है। इस कलेक्शन की कैम्पेन में दिखाई गई हैं रंग-बिरंगी और सजीव छवियां जो गर्मियों की आजादी, नजाकत और आत्म-प्रकाश को बखूबी दर्शाती हैं। टाईटन एज की ये नई पेशकश सिर्फ एक घड़ी नहीं, बल्कि एक अनुभव है—एक मौसम, एक एहसास और एक स्टाइल स्टेटमेंट। अभी जाएं अपने नजदीकी टाइटन स्टोर पर और म्युरल्स कलेक्शन की खरीदारी करें।

ये तो बस शुरूआत, हमने दिल्लीवालों से जो भी वादा किया है, उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को पीतमपुरा इलाके में एसयू ब्लॉक पार्क में नए फुटपाथ के निर्माण की आधारशिला रखी। इसके बाद उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए अपनी सरकार की सफलताएं भी गिनाईं। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि अभी तो ये बस शुरूआत है। हमने दिल्ली के लोगों से जो भी वादा किया है, उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। हमने दिल्ली के लोगों से कोई बड़ा वादा तो नहीं किया है, लेकिन जो भी किया है, उसे निश्चित तौर पर पूरा किया जाएगा। उन्होंने पूर्व की ह्यआपह्न सरकार पर भी निशाना साधा। कहा कि पूर्व की ह्यआपह्न सरकार ने दिल्ली की जनता के लिए काम करने की जगह पूरा समय आपसी खींचतान में ही बिता दिया, जिसकी वजह से यहां के लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा। मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि अगर पूर्व की सरकार ने दिल्ली के लिए उस समय काम कर दिए होते, तो आज निश्चित तौर पर लोगों को इन चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन, मैं आप सभी लोगों को आश्वस्त करती हूं कि आज की तारीख में दिल्ली में काम करने वाली सरकार है, जो बेकार के विवादों में नहीं पड़ते हुए लोगों के हित के लिए काम करने पर विश्वास करती है। हमने अब तक दिल्ली के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं और निश्चित तौर पर आगे भी लेते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने आवारा कुत्तों की समस्या पर भी प्रकाश डाला। बोलीं, ह्व मौजूदा समय में आवारा कुत्तों की समस्या गंभीर होती जा रही है। यह समस्या हमारे संज्ञान में है। हम एक ऐसी व्यवस्था विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके तहत आम लोगों को भी समस्या न हो और न ही बेजुबान जानवरों को कोई दिक्कत हो।ह्व उन्होंने कहा ह्लविश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से यह निर्धारित किया गया है कि एक हजार व्यक्ति पर कम से कम दो बेड होना अनिवार्य है, लेकिन पूर्व की सरकार की संवेदनहीनता देखिए कि दिल्ली में एक हजार लोगों पर एक बेड तक नहीं था। इसे हमने गंभीरता से लिया और अब फैसला किया है कि दिल्ली में एक हजार व्यक्ति पर तीन बेड हर अस्पताल में होंगे। हम नहीं चाहते हैं कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति उपचार से वंचित रहे। इसके अलावा, उन्होंने आयुष्मान योजना को लेकर भी अपनी बात रखी। कहा कि दिल्ली में पूर्व की सरकार ने अपनी राजनीतिक दुर्भावना के चलते इसे लागू नहीं होने दिया था, लेकिन हमने सत्ता में आते ही फौरन इसे लागू किया और यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति उपचार से वंचित नहीं रहे। आयुष्मान योजना की खूबियों पर प्रकाश डालते हुए सीएम ने कहा, ह्व ऐसी योजना आपको दुनिया के किसी भी देश में देखने को नहीं मिलेगी। यह योजना केवल आपको भारत में ही मिलेगी। दूसरे देशों में अगर स्वास्थ्य से संबंधित कोई योजना है भी, तो यह सुविधा सिर्फ उन्हीं लोगों को मिलती है, जो करदाता हैं, लेकिन आयुष्मान योजना के तहत हमने यह सुनिश्चित किया है कि हर व्यक्ति को इसका लाभ मिले। चाहे वो कर देता हो या नहीं।

राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली,। दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 1.1 डिग्री अधिक है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 70 प्रतिशत थी। आईएमडी ने दिन के दौरान बादल गरजने तथा बिजली कड़कने की संभावना के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ : निविदा सूचना संख्या 100 / 2024—25 दिनांक 24.02.2025. क्र.सं. 02

निविदा संख्या 10255030A खुलने की तिथि 27.05.2025

उपरोक्त संदर्भित निविदा की तिथि 27.05.2025 से बढ़ाकर 06.06.2025 कर दी गई है। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है।

नोट: उपरोक्त संदर्भित निविदा में यह चतुर्थ शुद्धिपत्र है।

दिनांक: 26.05.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1573/25

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ : निविदा सूचना संख्या 100 / 2024—25 दिनांक 24.02.2025. क्र.सं. 03

निविदा संख्या 10255033A खुलने की तिथि 27.05.2025

उपरोक्त संदर्भित निविदा की तिथि 27.05.2025 से बढ़ाकर 06.06.2025 कर दी गई है। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है।

नोट: उपरोक्त संदर्भित निविदा में यह चतुर्थ शुद्धिपत्र है।

दिनांक: 26.05.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1575/25

सीमापुरी से आप विधायक वीर सिंह ढिंगन के साथ स्थानीय लोगों ने जोरदार प्रदर्शन कर स्कूल को जल्द शुरू करने की मांग की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, केजरीवाल सरकार द्वारा सीमापुरी विधानसभा के सुंदर नगरी में बनवाए गए शानदार स्कूल को भाजपा सरकार ने अभी तक शुरू नहीं किया है। स्कूल के चालू होने का इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों के सब्र का बांध टूट गया और बुधवार को सीमापुरी से ह्यआपह्व विधायक वीर सिंह ढिंगन के साथ भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान विधायक के साथ मौजूद पार्षद रमेश कुमार और मोहिनी जीनवाल समेत अन्य ह्यआपह्व कार्यकताओं के साथा स्थानीय जनता ने जमकर नारेबाजी की और स्कूल को शुरू कर उसमें दाखिला प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की। आम आदमी पार्टी का कहना है कि दिल्ली की भाजपा सरकार शिक्षा विरोधी है। केजरीवाल सरकार ने यह शानदार स्कूल बनवाया था और पिछले साल तत्कालीन सीएम आतिशी ने इस स्कूल बिल्डिंग का उद्घाटन किया था। अब दिल्ली में भाजपा की सरकार बने तीन महीने से ज्यादा हो गए हैं लेकिन स्कूल को अभी तक शुरू नहीं किया है, जिससे हजारों स्थानीय बच्चे शिक्षा से वंचित हो गए हैं। अरविंद केजरीवाल ने शिक्षा माफिया को खत्म कर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाया था, लेकिन भाजपा सरकार इसको बर्बाद करने में लगी है। विरोध-प्रदर्शन के दौरान सीमापुरी से ह्यआपह्व विधायक वीर सिंह ढिंगन ने कहा कि यह स्कूल दिल्ली का पहला ऐसा स्कूल है, जिसे पूर्ववर्ती ह्वआपह्व सरकार ने बनवाया था और तत्कालीन मुख्यमंत्री आतिशी ने इसका उद्घाटन किया था। लेकिन अफसोस की बात है कि पानी और बिजली के कनेक्शन समेत छोटी-

मोटी कमियों के कारण यह स्कूल बंद है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपने 100 दिन के कार्यकाल ढोल पीट रही है, बड़े-बड़े मंचों पर लाखों रुपये खर्च कर स्वयं को सर्टिफिकेट दे रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह स्कूल सुंदर नगरी का यह स्कूल अभी तक शुरू नहीं हो सका। वीर सिंह ढिंगन ने कहा कि यह स्कूल इस शैक्षणिक सत्र में शुरू हो जाना चाहिए था, लेकिन भाजपा सरकार की लापरवाही के चलते ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्वबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व नारे का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा की दिल्ली सरकार ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व नारे का मजाक उड़ा रही है। मैंने इस मुद्दे को स्थानीय सांसद और जिला प्रशासन के सामने डीडीसी की मीटिंग में भी उठाया था और स्कूल को तत्काल शुरू करने की मांग की थी। अधिकारियों ने भी वादा किया था कि इस शैक्षिक सत्र में स्कूल चालू हो जाएगा। लेकिन अब सत्र खत्म होने को है, स्कूलों की छुट्टियां पड़ने वाली है और स्कूल अभी तक बंद पड़ा है। वीर सिंह ढिंगन ने स्कूल चालू न होने के लिए सरकार की उदासीनता, लापरवाही और गरीबों के प्रति भेदभाव का स्पष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों का भला नहीं चाहती और स्कूल शुरू न होने से साफ संकेत मिलता है कि भाजपा गरीब लोगों को पसंद नहीं करती है। वरना छोटी-छोटी कमियां एक दिन में ठीक हो सकती हैं, लेकिन इन्हीं छोटी-छोटी कमियों का बहाना बना कर स्कूल को बंद रखा गया है। उन्होंने सांसद, शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री तक से इस मुद्दे पर बात की, अनुरोध पत्र भी सौंपा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। क्या यह गरीबों के प्रति भेदभाव और घटिया राजनीति नहीं है? वीर सिंह ढिंगन ने कहा कि उन्होंने एक महीने पहले सांसद से इस स्कूल को चालू करने की मांग की थी और सांसद ने वादा किया था कि इस सत्र में स्कूल चालू हो जाएगा, लेकिन अफसोस की बात है कि अभी तक स्कूल बंद पड़ा है। उन्होंने इसे भाजपा सरकार की उदासीनता और लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि स्कूल न खुलने की वजह से इस इलाके के बच्चे शिक्षा के लिए तरस रहे हैं, क्योंकि आसपास के स्कूलों में 80-80 बच्चे एक कक्षा में पढ़ने को मजबूर हैं, जबकि सरकार का नियम है कि एक कक्षा में केवल 40 बच्चे होने चाहिए। जब यह स्कूल बनकर तैयार है,

आर.एस.पी. इंटर कॉलेज में हुई पोस्टर प्रतियोगिता,योग अभ्यास भी कराया गया

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। नगर के आर.एस.पी. इंटर कॉलेज में 32 वीं यू.पी.बटालियन एन.सी.सी. धामपुर के कार्यवाहक कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल ललितभट्ट के दिशा निर्देशन एवं एन सीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स को विद्यालय में विकास और विरासत के विषय के महत्व को समझाया साथ ही एनसीसी कैडेट्स ने योग भी किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या मधुबाला शर्मा ने कहा कि विकास ऐसी चीज है जिसे एक पीढ़ी से दूसरे पीढ़ी तक पहुंचा जा सकता है जिसे विरासत में प्राप्त किया जा सकता है और ऐसी चीज जिसका ऐतिहासिक या सांस्कृतिक मूल्य हो। विरासत हमारी संस्कृति का आधार है विकास में विरासत क्यों महत्वपूर्ण है यह बहुत जरूरी है इसे हमें समझना चाहिए। भारत की संस्कृति और विरासत इसकी पहचान है जो राष्ट्र अपनी विरासत की रक्षा करता है वह राष्ट्र का प्रकाश स्तंभ बन जाता है। किसी भी देश में विकास के साथ-साथ इमारतों एवं धरोहर का जीणोद्धार करना अत्यंत आवश्यक है ' क्योंकि यही किसी देश की कला एवं संस्कृति की पहचान बनती हैं ' इस अवसर पर लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा, कैडेट प्रशांत,यश,मनी चौहान,परलजीत, गरिमा,साक्षी राजपूत, ऋषिकांत आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत मीटिंग का हुआ आयोजन

स्योहारा। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत खण्ड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में एक मीटिंग आयोजित की गई। विकास खंड बुढ़नपुर स्योहारा के खण्ड विकास अधिकारी (बी.डी.ओ.) राम कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें खंड विकास अधिकारी राम कुमार ने सभी को आदेशित किया कि कोई भी बच्चा राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत टीका लगने से नहीं छूटना चाहिए। शासन की प्राथमिकता बच्चों का टीकाकरण कराना है ताकि बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाया जा सके इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के अधीक्षक डॉक्टर बी के स्नेही बताया कि सहसपुर कस्बे में आशा ,आंगनबाड़ी आदि की पोस्टिंग ना होने के कारण राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के साथ-साथ अन्य कार्यक्रम में परेशानी आ रही है ।यहां पर अवरोध परिवार भी ज्यादा है।यहां पर टीम वर्क के द्वारा पास की संगिनी और आशा से काम लेकर राष्ट्रीय कार्यक्रम को गति दी जा रही है। इस दौरान आई.ओ. वीर सिंह , डब्ल्यू एच ओ मॉनिटर दिनेश कुमार , चीफ फार्मासिस्ट जितेंद्र सिंह रावत , ए आर ओ आलोक कुमार ,बीपीएम शालिनी बिश्नोई , डी ओ अनम,राशि और समस्त अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिला शाहदरा के कृष्णा नगर में निगम की अचानक बड़ी कार्रवाई

निगम की टीम ने सख्ती से हटाया अवैध ढांचे, जब्त हुए ठेले और काउंटर

- दमकल और एम्बुलेंस के लिए नहीं बचती जगह, खतरे में पब्लिक सुरक्षा
- पुलिस ने एक दिन पहले की थी कार्रवाई, पशु पकड़वाए, समन्वय सराहनीय
- जनता का प्रश्न, संरक्षण में पल रहे अतिक्रमण पर कब चलेगी निष्पक्ष गाज

प्रात:: किरण मनोज जैन

जिला शाहदरा के अंतर्गत आने वाले कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र की प्रसिद्ध लाल क्वार्टर मार्केट, जिसे ह्यमिनी कनॉट प्लेसह्व कहा जाता है, मंगलवार सुबह अचानक दिल्ली नगर निगम की सख्त कार्रवाई का गवाह बनी। सुबह ठीक 11 बजे निगम की टीम ने जब क्षेत्र में दस्तक दी, तब अधिकांश दुकानें अभी खुली भी नहीं थीं – मुश्किल से दो-चार दुकानदार ही अपने शटर खोल पाए थे। बावजूद इसके, निगम की टीम ने तत्परता दिखाते हुए सड़कों पर पसरे अतिक्रमण को हटाने का अभियान शुरू कर दिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी फैल गई। डिप्टी कमिश्नर बादल कुमार के निर्देशन में सहायक आयुक्त अश्विनी कुमार तथा लाइसेंस निरीक्षक पंकज कुमार की टीम ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ मिलकर पूरे वार्ड 211 में अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया। मिठाई, चाट, फल और सब्जियों के ठेले जो अवैध रूप से सड़क के बीचोंबीच खड़े थे, उन्हें जब्त कर निगम की गाड़ियों में भरकर कार्यालय ले जाया गया। या जिन्होंने सीमाएं लांघ रखी थीं, उनके काउंटर मौके पर हटाए गए। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई अब लगातार चलेगी। सड़क, जो दस्तावेजों में 60 फुट चौड़ी दर्शाई गई है, अतिक्रमण के कारण अब मुश्किल से 15-20 फुट की ही रह गई है। दोनों ओर बेतरतीब ठेले और दुकानों के कारण दमकल और एम्बुलेंस जैसे आपातकालीन वाहनों का निकलना असंभव हो गया है। यदि बाजार में आगजनी या किसी गंभीर हादसे की स्थिति बन जाए, तो सहायता समय पर पहुँच ही नहीं सकती। दिल्ली नगर निगम की यह मुहिम इसी खतरे को देखते हुए शुरू की गई है, लेकिन जनता का भरोसा तभी बहाल होगा जब यह अभियान रोजमर्रा की व्यवस्था का हिस्सा बने। दिल्ली नगर निगम की इस कार्रवाई से एक दिन पहले, सोमवार सुबह करीब 5 बजे, थाने कृष्णा नगर के थाना अध्यक्ष मुकेश राणा के नेतृत्व में पुलिस ने भी कार्यवाही की थी। आवारा पशुओं को पकड़वाने के लिए पुलिस सक्रिय हुई और कई पशुओं को दिल्ली नगर निगम को सौंपा गया। यह पुलिस व निगम के बीच तालमेल का अच्छा उदाहरण रहा, जिससे यह संदेश गया कि दोनों विभाग अब मिलकर व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमर कस चुके हैं। हालांकि नागरिकों के मन में अब भी सवाल बाकी है – वर्षों से यह अतिक्रमण पनपता रहा, और वह भी खुलेआम। किसके संरक्षण में? किसके सहारे? अब जब कार्रवाई हो रही है, तो क्या यह सिर्फ कुछ दिनों की रस्मअदायगी बनकर रह जाएगी या वास्तव में इसके पीछे स्थायी सोच और निष्पक्षता है? जनता की मांग है कि दोषियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई हो, वरना हर बार की तरह यह भी सिर्फ दिखावा बनकर रह जाएगा।

अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी ने किया विकास कार्यों का निरिक्षण

बरसात के पानी की निकासी के लिए दुरस्त किएं जाएं नाले की सफाई व्यवस्थाः दीपालिका यादव

प्रात : किरण संवाददाता

बछरायूं। नगरपालिका अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी ने नगर में कराए जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। बरसात से पूर्व नाला सफाई का जायजा लिया। नगर के दोनों मुख्य मार्गों पर बने गेट का स्थलीय निरीक्षण कर सौंदर्यीकरण पर चर्चा की। मंगलवार को नगर पालिका अध्यक्ष राहत हसन व अधिशासी अधिकारी दीपालिका यादव ने नगर के दोनों मुख्य मार्गों पर बने गेट के सौंदर्यीकरण पर चर्चा की।इसउपरांत इसके अधिशासी अधिकारी दीपालिका यादव ने नगर में कराए जा रहे विकास कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। संबंधित ठेकेदार को कड़े निर्देश देते कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। मानक अनुसार सामग्री प्रयोग में लाई जाए, शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं अधिशासी अधिकारी ने बरसात पूर्व ही बारिश के पानी की निकासी के लिए कराए जा रहे नाला सफाई का औचक निरीक्षण किया। कर्मचारियों को हिदायत देते कहा कि नालों की सफाई तली तक की जाए। जिससे की बारिश का पानी आसानी से पास हो जाए और नागरिकों को कोई असुविधा न हो। पालिकाध्यक्ष राहत हसन ने कर्मचारियों को निर्देशित करते कहा कि नगर में साफ-सफाई सुदृढ़ रहे। गर्मी का समय है पेयजल आपूर्ति का विशेष ध्यान रखा जाए। कहा कि नगर का विकास करना व पात्र परिवारों को सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। इस मौके पर राजन कुमार, ठेकेदार नाजिम, परवेज आलम आदि मौजूद रहे।

शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम के निर्देशन में संयुक्त पुलिस अभियान में दो कुख्यात लुटेरे गिरफ्तार,लूटा हुआ कैश, चोरी की बाइक और लोडेड पिस्तौल बरामद

प्रात :: किरण मनोज जैन

शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि पुलिस ने हाल ही में दो अलग-अलग घटनाओं में सक्रिय दो कुख्यात लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से लूटा हुआ भारी नकद, चोरी की मोटरसाइकिल और एक लोडेड देशी पिस्तौल बरामद हुई है। यह अभियान कृष्णा नगर, विवेक विहार और विशेष स्टाफ की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित किया गया। डीसीपी ने कहा कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं और वे इलाके में कई चोरी-डकैती की घटनाओं में शामिल रहे हैं। पहली घटना 21 मई 2024 की है, जब शिकायतकर्ता संदीप कुमार, जो एयरटेल के संग्रह एजेंट

हैं, के साथ जैन मंदिर रोड के पास अचानक दो अज्ञात व्यक्ति हेलमेट पहने मोटरसाइकिल पर आए। उन्होंने हथियार दिखाकर संदीप के काले बैग में रखा 90,000 रुपये जबरन छीन लिए। दूसरी घटना 22 मई 2025 को हुई, जब राज कुमार सिंह को उनके स्कूटी सहित 3,34,200 रुपये की लूट झेलनी पड़ी। दोनों घटनाओं की शिकायतें पुलिस थाना कृष्णा नगर और विवेक विहार में दर्ज की गईं। डीसीपी ने बताया कि अपराधियों ने वारदातों को अंजाम देने के लिए मोटरसाइकिल और देशी पिस्तौल का इस्तेमाल किया। संयुक्त पुलिस टीमों ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान की। रमेश्वर माथुर नामक शातिर अपराधी की तलाश के लिए कई जगह छापे मारे गए और अंततः उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के तहयूर गांव से उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने कई मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और बताया कि लूटे गए पैसे से अपने कर्ज. चुकाए। उसके साथी विजय सिंह को भी तकनीकी निगरानी के बाद 27 मई 2025 को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल, लोडेड देशी पिस्तौल, एक इस्तेमाल किया हुआ कारतूस और 40,000 रुपये नकद बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित थाना क्षेत्रों में कई मुकदमे दर्ज हैं। डीसीपी प्रशांत गौतम ने नागरिकों से अपील की है कि वे संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि पुलिस अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रखेगी और इलाके को सुरक्षित बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस संयुक्त अभियान से यह स्पष्ट होता है कि पुलिस क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दिल्ली सरकार अवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान तलाश रही : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि सरकार आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान तलाश रही है। मुख्यमंत्री अपने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के पीतमपुरा में विकास कार्यों के उद्घाटन के अवसर पर बोल रही थीं। कार्यक्रम में एक बुजुर्ग महिला ने आवारा कुत्तों का मुद्दा उठाया। गुप्ता ने कहा, मैं आवारा कुत्तों से होने वाली समस्याओं को हल करने पर काम कर रही हूं। इस समस्या में लोगों के साथ-साथ बेजुबान जानवर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार बाशिंदों के साथ-साथ इन जानवरों की देखभाल करने वालों को एक साथ लाने के लिए एक मंच बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक कानून है और आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में नहीं रखा जा सकता या उन्हें उन सड़कों से विस्थापित नहीं किया जा सकता जहां वे रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार एक दीर्घकालिक समाधान की तलाश कर रही है जिसमें न तो लोगों को और न ही जानवरों को असुविधा हो। यह एक नीतिगत मामला होगा जिस पर काम किया जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार के अधिकारियों से संस्थागत स्तर पर आवारा कुत्तों के पुनर्वास के लिए नीति बनाने को कहा है ताकि उन्हें सार्वजनिक सड़कों और गलियों से चरणबद्ध तरीके से हटाया जा सके।

श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व निकाली कलश यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर।क्षेत्र के गांव अगरौला कला में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन से पूर्व कलश यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में महिलाएं एवं कन्याएं सिर पर कलश लेकर चल रही थीं। गंगेश्वरी ब्लाक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी अपने पैतृक गांव में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन करा रहे हैं। मंगलवार को कथा से पूर्व गांव में शिव मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होती हुई आयोजन स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में शामिल महिलाएं एवं कन्याएं सिर पर कलश लेकर चल रही थीं। यात्रा का गांव में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। श्रद्धालु भजनों पर झूमते हुए चल रहे थे। कथा व्यास सत्यकाम कृष्णा गौर महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। इस दौरान राजेंद्र सिंह खड़गवंशी, पूर्व ब्लाक प्रमुख निर्वेश देवी, लखपत सिंह, मनोज कुमार, ज्ञानी सिंह, हरदेव सिंह, विजय सिंह, टेकचंद पंडित जी, जितेंद्र राणा, भागवती देवी, यशोदा रानी, रानू आदि रहे।

अस्पताल में महिला ने तोड़ा दम, मायके वालों ने लगाएं गंभीर आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला। परचून की दुकान चलाने वाली ख्यालीपुर ढाल निवासी सरोज (36) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। साल भर पहले उनके पति की भी मौत हो चुकी है। मायके वालों ने ससुरालियों पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस छानबीन में जुट गई है। थाना क्षेत्र के गांव शहवाजपुर डोर निवासी सुरेश सैनी ख्यालीपुर ढाल पर परचून की दुकान चलाते थे। करीब एक साल पूर्व उनकी मौत हो गई। पति की मौत के बाद पत्नी सरोज देवी दुकान चलाकर गुजारा करती थी। उनकी कोई संतान नहीं थी। सीओ श्वेताभ भास्कर ने बताया कि मंगलवार सुबह सरोज के सीने में दर्द उठा। जिस पर परिजन उसे निजी अस्पताल में ले गए। मगर हालत नाजुक होने पर उसने रेफर कर दिया। परिजन मुरादाबाद ले गए। जहां पर सरोज की सांस थम गईं। परिजन शव घर ले आए। मौत की सूचना पाकर अमरोहा के अहमद नगर से मायके वाले आ गए।उन्होंने सरोज देवी के ससुराल वालों पर आरोप लगाया कि उसे जहर देकर मार दिया है। फोन कर पुलिस को सूचना दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नूरानी माहौल में दुआ संग संपन्न हुआ अब्बास शाह का 123वां उर्स

नौगावां सादात। शहर में नौगावां सादात रोड स्थित रोजा हजरत अब्बास अली शाह में हाफिज अब्बास अली शाह का 123वां उर्स सोमवार रात दुआ के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान शायरों ने कलाम पेश कर महफिल में नूरानियत का रंग भर दिया। सोमवार को नमाज-ए-असर के बाद रोजा परिसर में नातख्वानी की महफिल सजी। जिसमें मौलाना साद अमरोहवी, जुबैर इब्ने सैफी, जुनैद अकरम फारूकी, मिर्जा साजिद हुसैन, हबीब अहमद सिद्दीकी एडवोकेट व अन्य शायरों ने कलाम पेश किया। तकरीर में सज्जादानशीन अहमद हुसैन ने बताया कि शहर अमरोहा सूफिया-ए-कराम और औलिया हजरत का अहम मरकज रहा है। हाफिज अब्बास अली शाह भी उन्हीं औलिया-ए-कराम में से एक हैं, आज जिनका 123वां उर्स मनाया जा रहा है। जिसमें दूर दराज से लोग हाजिरी देने आए हैं। मगरिब की नमाज के बाद कुल शरीफ की रस्म अदा कराई गई। मौलाना हाफिज अहमद हुसैन ने रूहानी माहौल में दुआ कराई। इसके बाद जायरीनों ने लंगर में हिस्सा लिया। इस दौरान खलील मियां, हादी मियां, हाजी खुर्शीद अनवर, मंसूर अहमद सिद्दीकी, मौलाना अतीक उर रहमान फारूकी, हाजी उवैस मुस्तफा रिजवी, पूर्व एमएलसी हाजी परवेज अली, हकीम सिराज उद्दीन हाशमी, निखिल जैन, हाजी जहूर मुस्तफा, हकीम बाकर मुज्तबा नकवी, कैप्टन अशर रजा तकवी, हकीम हामिद अली, हकीम अमीर उद्दीन अल्वी, हम्माद खान, साजिद रऊफ एडवोकेट, इकराम हुसैन जैदी, इस्तेजाब जैदी, डा.महताब अमरोहवी, सैय्यद इमाम मेंहदी, सूफी निशात सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने दिल्ली मध्य-1 राजभाषा समिति की पहली बैठक की मेजबानी की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में कुलपति मजहर आसिफ की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (एनएआरएकेएएसङ्क नराकास), दिल्ली मध्य-1 (कार्यालय) की पहली बैठक आयोजित की गई। गृह मंत्रालय द्वारा गठित नराकास समितियों का उद्देश्य केंद्र सरकार के कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और बैंकों में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग को बढ़ावा देना और सामूहिक चर्चा के माध्यम से नीति कार्यान्वयन में कठिनाइयों को दूर करना है। ये समितियां केंद्र सरकार की संस्थाओं के लिए प्रगति की समीक्षा करने और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए मंच के रूप में कार्य करती हैं। विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा कि सोमवार को आयोजित बैठक में दिल्ली मध्य-1 क्षेत्र में स्थित केंद्र सरकार के 109 कार्यालयों के राजभाषा अधिकारी और प्रमुख एक साथ आए। बयान में कहा गया है कि चर्चा में आधिकारिक कामकाज में हिंदी का उपयोग बढ़ाने, राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के तहत आवश्यक द्विभाषी प्रारूप में दस्तावेज जारी करने और राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित वार्षिक कार्यक्रम लक्ष्यों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यान्वयन उद्देश्यों के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ए, बी और सी क्षेत्रों में वर्गीकरण को भी स्पष्ट किया गया। कार्यक्रम में गृह मंत्रालय के तहत राजभाषा विभाग के संयुक्त निदेशक कुमार पाल शर्मा ने माना कि नराकास समितियों की गतिविधियां लगभग दो वर्षों से निष्क्रिय रहीं। नए प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया का नेतृत्व हिंदी के प्रचार-प्रसार में नई ऊर्जा का संचार करेगा। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रोफेसर आसिफ ने भाषा, पहचान और संस्कृति के बीच गहरे अंतसंबंध पर जोर दिया। जामिया मिल्लिया इस्लामिया की विरासत और भारतीय भाषाओं के संरक्षण में इसकी भूमिका का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जो लोग अपनी मां से प्यार करते हैं, वे अपनी मातृभाषा और अपनी मातृभूमि से भी प्यार करते हैं। ये तीनों अविभाज्य हैं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषाओं पर दिए गए जोर पर भी प्रकाश डाला, जिसके प्रारूपण और कार्यान्वयन के चरणों के दौरान वह भी इसका हिस्सा थे। जामिया के रजिस्ट्रार महताब आलम रिजवी ने हिंदी और भारतीय भाषाओं के प्रति विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने याद किया कि महात्मा गांधी ने अपने बेटे देवदास गांधी को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में हिंदी पढ़ाने के लिए भेजा था। हिंदी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता के लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न उप-समितियों का भी गठन किया है।

एस. चंद ने वित्त-वर्ष 2019 के बाद से अब तक के सबसे ज्यादा परिचालन राजस्व की घोषणा की, जो साल-दर-साल 9% की वृद्धि के साथ 7,197 मिलियन तक पहुँच गया है; साथ ही, प्रति शेयर 4 का अंतरिम लाभांश भी घोषित किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली : भारत में शैक्षणिक सामग्रियों तथा पुस्तकों का प्रकाशन करने वाले अग्रणी संस्थान, एस. चंद पब्लिशिंग ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही और वित्त-वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। वित्त-वर्ष 25 के प्रदर्शन की मुख्य बातेंः वित्त-वर्ष 2025 के परिणामों की कुछ मुख्य बातें इस प्रकार हैंः वित्त-वर्ष 19 के बाद से सबसे अधिक परिचालन राजस्व दर्ज किया, जो साल-दर-साल 9% की वृद्धि के साथ 7,197 मिलियन हो गया वित्त-वर्ष 19 के बाद से एइक्ळऊअ उच्चतम स्तर पर है, जो साल-दर-साल 23% की बढ़ोतरी के साथ 1,350 मिलियन तक पहुँचा वित्त-वर्ष 19 के बाद से सबसे अधिक ढअळ की घोषणा, जो साल-दर-साल 18% की वृद्धि के साथ 602 मिलियन हो गया **Rs** 602 कंपनी के इतिहास में चौथी तिमाही के दौरान सबसे बेहतर कार्यशील पूंजी मेट्रिक्स वित्त-वर्ष 2025 में कार्यशील पूंजी मेट्रिक्स, कंपनी के इतिहास में सबसे बेहतर रहा है। नीचे दी गई तालिका में, वर्ष के दौरान कंपनी के कार्यशील पूंजी प्रबंधन की मजबूती को दशार्या गया है। हमने पिछले 5 सालों में भुगतान प्राप्ति के दिनों और निवल कार्यशील पूंजी के दिनों में जबरदस्त सुधार देखा है। कंपनी मजबूत नकदी प्रवाह के साथ निवल ऋण से मुक्त बनी हुई है वित्त-वर्ष के अंत में हमारे पास 1,036 मिलियन की शुद्ध नकदी थी (वित्त-वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में यह 600 मिलियन थी), जबकि हमारा सकल ऋण 664 मिलियन (जो वित्त-वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 1,082 मिलियन था) था। हमने इस वित्तीय-वर्ष के दौरान 3 तिमाहियों के लिए निवल ऋण से मुक्त रहने का लक्ष्य रखा है। एस. चंद एंड कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री हिमांशु गुप्ता ने कंपनी के सफल परिणामों के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, वित्त वर्ष 2025 के बिक्री सीजन में नए **NCF** पाठ्यक्रम पर आधारित **NCERT** की नई किताबों का असर उतना ज्यादा नहीं रहा, क्योंकि इस साल ये किताबें केवल दो कक्षाओं (तीसरी और छठी) के लिए ही नए पाठ्यक्रम पर आधारित ठउएफ्ळ की किताबें पेश की गई थीं। भविष्य की ओर देखें, तो हमें वित्त-वर्ष 26 से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि मार्च 2025 में उइरए की ओर से जारी एक सर्कुलर में कहा गया है कि, अगले कुछ महीनों के दौरान 4 कक्षाओं- यानी चौथी, पांचवीं, सातवीं और आठवीं कक्षाओं के लिए NCERT की नई किताबें लॉन्च की जाएंगी। इस दिशा में मौजूदा प्रगति को देखते हुए, हमें उम्मीद है कि वित्त-वर्ष 2026 और वित्त-वर्ष 2027 में ङ-12 सेगमेंट में नए पाठ्यक्रम की किताबों को पूरी तरह से अपनाया जाएगा, जिससे अगले 2 सालों में हमारी प्रगति को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। हमें यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि, वित्त वर्ष 2025 की समाप्ति पर भी, कार्यशील पूंजी के बेहतरीन प्रबंधन के लगातार प्रयासों के कारण हमारी कंपनी निवल ऋण से मुक्त बनी रही। हम अपनी रणनीतिक साझेदारियों और सहयोगों की वजह से अपनी पेशकशों का विस्तार करने और अपने ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने में सक्षम रहे हैं। हम इस सकारात्मक प्रवृत्ति को जारी रखने और लंबे समय में अपनी वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने के संकल्प पर कायम हैं। एस. चंद एंड कंपनी लिमिटेड के ग्रुप सीएफओ, श्री सौरभ मित्तल ने वार्षिक परिणामों के बारे में अपनी राय जाहिर करते हुए कहा, वर्ष के दौरान हमारा समेकित राजस्व 7,197 मिलियन रुपये, **EBITDA** 1,350 मिलियन रुपये और **PAT** 602 मिलियन रुपये तक पहुँच गया। राजस्व में हमारी वृद्धि बेहद शानदार रही, और हमने सकल मार्जिन, एइक्ळऊअ मार्जिन, परिचालन आय और ढअळ के पिछले 5 सालों में उच्चतम स्तर को हासिल किया। हमारी परिचालन से होने वाली आय बढ़कर 798 मिलियन रुपये तक पहुँच गई (वित्त-वर्ष 24 में 484 मिलियन रुपये के मुकाबले), जो पिछले साल की तुलना में 65% की बढ़ोतरी को दशार्ता है। इन सब का नतीजा यह रहा कि, वित्त-वर्ष 2025 के दौरान हमें परिचालन से 999 मिलियन रुपये का दमदार नकदी प्रवाह प्राप्त हुआ। हमने अपना लाभांश बढ़ाकर 4 रुपये प्रति शेयर (वित्त वर्ष 24 में 3 रुपये प्रति शेयर के मुकाबले) कर दिया है, साथ ही वर्ष के अंत में 1,036 मिलियन रुपये के धनात्मक शुद्ध नकदी शेष के साथ हम निवल ऋण से मुक्त बने हुए हैं। कंपनी के नतीजों की सबसे बड़ी खासियतों में हमारी अच्छी नकदी उपलब्धता और मजबूत नकदी प्रवाह शामिल है। हम अपने सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक और स्थायी मूल्य निर्माण पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, और हमें विश्वास है कि संचालन में उत्कृष्टता और ग्राहकों को मूल्यवान सेवाएं प्रदान करने के अटल इरादे से आने वाले समय में हमारी सफलता जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण दावा आपत्ति की विस्तार से दी गई जानकारी

मुंगेर। अनुमंडल पदाधिकारी सदर मुंगेर सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 165 मुंगेर विधानसभा क्षेत्र की अध्यक्षता में सभी राजनीतिक दल के अध्यक्ष व सचिव के साथ निर्वाचक सूची के संबंध में विस्तृत चर्चा और मतदान केंद्र के बारे में विस्तृत जानकारी देने हेतु एक बैठक आयोजित किया। इस बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 में प्राप्त दावा आपत्ति का विस्तृत जानकारी दिया गया साथ ही वैसे व्यक्ति जिनके द्वारा अभी भी निर्वाचक सूची में नाम नहीं जुड़वाया गया है उनका नाम जुड़वाने हेतु अपेक्षित सहयोग करने का अनुरोध किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा विगत लोकसभा चुनाव 2024 में कम वीटीआर वाले मतदान केंद्रों वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने हेतु सामाजिक जागरूकता लाने हेतु अनुरोध किया गया।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन,डीएम व एसपी ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन कराने का दिया सख्त निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !समाहरणालय स्थित मंत्रणा कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में सर्वप्रथम नॉन हिट एंड रन मामले में iRAD (integrated road accident database) एवं eDAR (e-detailed accident report) के प्रतिवेदन को अद्यतन करने हेतु सभी थाना अध्यक्षों से पृच्छा की गई। िऊअफका प्रतिवेदन लंबित रहने के कारण इंश्योरेंस कंपनियों के द्वारा सड़क दुर्घटना में मृतक के आश्रितों या घायलों को मुआवजा मिलने में देर हो रही है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार एवं यातायात पुलिस उपाधीक्षक के द्वारा सभी थाना अध्यक्षों को दो दिनों के अंदर िऊअफके रिपोर्ट को अधतन करने हेतु निर्देशित किया गया है। पथ निर्माण विभाग एवं ठ्अक के प्रतिनिधि को जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र के द्वारा निर्देशित किया गया कि सड़क मरम्मती नियम के आलोक में चेक लिस्ट तैयार कर चेकलिस्ट के आलोक में कितना काम हुआ है यह प्रतिवेदन अगली बैठक में समर्पित करेंगे। सभी टी पॉइंट पर रम्बल स्ट्रिप एवं जेब्रा पेंटिंग करने का निर्देश दिया गया है। सड़क दुर्घटना में घायलों को तत्काल मदद पहुंचाने वाले गुड समैरिटन (अच्छा मददगार व्यक्ति) को आगे आने के लिए मीडिया के बंधुओं से निवेदन है कि पुरस्कार राशि के बारे में प्रचार प्रसार किया जाए। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी मुकुल पंकज मणीअनुमंडल पदाधिकारी प्रभाकर कुमार, सिविल सर्जन बीपी सिंहा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्री शिवम कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी विनोद प्रसाद,यातायात पुलिस उपाधीक्षक,सभी थाना अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

महिला संवाद कार्यक्रम में शिरकत किये प्रभारी मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई बिहार में महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार राज्य सरकार के द्वारा कई काम किये जा रहे हैं उसी का परिणाम है की महिलाएं सशक्त होकर संवाद में अपनी बातों को रख रही हैं महिला संवाद कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही की जीविका दीदियों की मांग पर अब उनका अपना बैंक हो गया है अब दीदियों को पैसे के लिए किसी के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। रोजगार हेतु कम ब्याज दर पर उन्हें पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाएगी उक्त बातें माननीय मंत्री मद्द निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार सरकार सह जमुई जिला प्रभारी मंत्री श्री रत्नेश सदा ने जमुई सदर प्रखंड के इन्दुपे पंचायत के मरकट्टा ग्राम में आयोजित अभिमान जीविका महिला ग्राम संगठन के द्वारा आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में कही। महिला संवाद कार्यक्रम की शुरूआत माननीय मंत्री श्री रत्नेश सदा के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गयो इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री सुभाष चन्द्र मंडल, एसडीएम श्री सौरभ कुमार, जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक श्री संजय कुमार एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे। माननीय मंत्री ने कहा कि हाल में राज्य मंत्रि परिषद ने दीदियों के लिए दो फैसले लिए हैं। पहला तो जीविका निधि के रूप में जीविका के लिए एक अलग सहकारी बैंक बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालय की साफ सफाई का काम जीविका दीदियों को दिया गया है। इससे जीविका दीदियों को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलने की संभावना है। यह सब माननीय मुख्यमंत्री के दूरगामी सोच का ही परिणाम है की आज आधी आबादी को अपना सपना साकार करने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से जीविका की शुरूआत की थी। आज पूरे राज्य में 10 लाख से ज्यादा स्वयं सहायत समूहों का गठन किया जा चुका है। आज इस संवाद कार्यक्रम में भी देखने को मिला की समूह से जुड़ी दीदियां कितनी तरक्की कर कर रही है। सतत जीविकोपार्जन योजना से लाभान्वित परिवार आज गरीबी का दुष्चक्र तोड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहे हैं पहले महिलाएं घर से बाहर से भी नहीं निकलती थीं। लेकिन अब महिलाएं घर से बाहर निकलकर सभी तरह के काम कर रही है। जमुई जिले के सदर प्रखंड स्थित मरकट्टा ग्राम में अभिमान ग्राम संगठन द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं। इस दौरान महिलाओं ने अपना अनुभव साझा किये, जिसमें उन्होंने बताया कि बिहार सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ पाकर आज वे कितनी आगे बढ़ी है। इस अवसर पर सतत जीविकोपार्जन योजना की लाभार्थी ज्योति देवी ने बताया की आज वह किराना दुकान चलाकर अपने बच्चों को भी शिक्षित कर रही हैं मरकट्टा गाँव की अनिता देवी, जो जीविका मित्र के रूप में काम करती हैं, उन्होंने इस गाँव में स्वास्थ्य केंद्र की मांग की साथ ही अनीता देवी ने सामूहिक रूप से बैठक कराने के लिए जीविका भवन बनाये जाने की आकांक्षा व्यक्त की मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना के तहत मिलने वाली राशि को बढ़ाये जाने की आकांक्षा व्यक्त करते हुए अनीशा देवी ने कहा की इसे बच्चियों को और आगे पढने में मदद मिलेगी।

छोटी-मोटी मर्ज के इलाज के लिए शहरी क्षेत्र के लोगों को सदर अस्पताल आने से मिलेगी राहत

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय! शहरी क्षेत्र लखीसराय,बड़हिया एवं सूर्यगढ़ा के लोगों को अब छोटे-मोटे मर्ज के इलाज के लिए रेफरल अस्पताल, सीएचसी या सदर अस्पताल आने की जरूरत नहीं होगी। उन्हें अब अपने घर पर ही यानि नजदीक में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्र के तर्ज पर शहरी क्षेत्र में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर संचालन का निर्णय लिया है। जिला स्वास्थ्य समिति से मिली जानकारी के अनुसार लखीसराय नगर परिषद क्षेत्र में पांच बड़हिया एवं सूर्यगढ़ा में दो-दो हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर संचालन का स्वीकृति मिल गया है। हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर संचालन के लिए तीनों नगर परिषद क्षेत्र में एरिया भी चिन्हित कर दिया गया है। जिसमें लखीसराय नगर परिषद में विद्यापीठचौक, केएसएस कॉलेज, आरलाल कॉलेज, अशोक धाम एवं वार्ड संख्या-18 के चरोखरा, बड़हिया के वार्ड संख्या -6 और 7 के बीच एवं इंदुपुर के, वार्ड संख्या -24 जबकि सूर्यगढ़ा के जगदीशपुर एवं कटेहर में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के लिए क्षेत्र चिह्नित किया गया है। डीपीएम सुधांशु नारायण लाल ने बताया कि लखीसराय नगर परिषद क्षेत्र के चरोखरा एवं विद्यापीठ चौक के साथ सूर्यगढ़ा के दोनों केंद्र के लिए जमीन उपलब्ध हो गया है। लखीसराय के तीन व बड़हिया के दोनों सेंटर के लिए स्थानीय नगर परिषद को जमीन उपलब्ध करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि एक केंद्र संचालन के लिए 6 डिसमिल जमीन की आवश्यकता है। जमीन उपलब्ध होते ही राज्य स्वास्थ्य समिति के सहयोग से सेंटर संचालन के लिए भवन निर्माण का कार्य कराया जाएगा। डीएस डॉ राकेश कुमार ने बताया कि शहरी क्षेत्र में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के संचालन से लोगों को छोटे-मोटे मर्ज जैसे सर्दी, बुखार, पेट दर्द, दस्त, डायरिया, डिसेंट्री, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, रेबीज, कृमि रोग, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर की स्क्रीनिंग सहित मातृ और शिशु सेवा जिसमें मातृ स्वस्थ, शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण शामिल है। उसके लिए प्रखंड स्तरीय या सदर अस्पताल आने की जरूरत नहीं होगी। यह सारी सुविधा उन्हें हेल्थ एंड बैलेंस सेंटर पर ही उपलब्ध हो जाएगा। जिससे प्रखंड स्तरीय एवं सदर अस्पताल का बोझ भी कम होगा। इधर लखीसराय नगर परिषद के सभापति अरविंद पासवान ने बताया कि जिला स्वास्थ्य समिति से मिले पत्र के आलोक में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर संचालन के लिए संबंधित क्षेत्र में जमीन की उपलब्धता का प्रयास किया जा रहा है।

पंच सरपंच को न्याय पगड़ी देने, 6-12 महीने से लंबित भत्ता भुगतान करने, पेंशन चालू करने, एमएलसी चुनाव का वोटर बनाने की किया मांग

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया। बिहार प्रदेश पंच सरपंच संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सह खगड़िया जिला अध्यक्ष किरण देव यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पंचायती राज मंत्री केदार गुप्ता, सचिव एवं जिलाधिकारी अमित पांडेय से बिहार के सभी सरपंचों को न्याय पगड़ी देने एवं पंच सरपंचों का 6 -12 महीना से लंबित भत्ता भुगतान करने की मांग किया। मांगों के बाबत ज्ञापन प्रेषित किया गया। श्री यादव ने कहा कि प्रथम सत्र 2006 में न्याय पगड़ी मिली थी, जो समय के अंतराल में 95% सरपंच के पास न्याय पगड़ी नहीं है। प्रावधान के अनुसार न्याय पगड़ी पहनकर ग्राम कचहरी में न्याय देने, पंचायत करने की न्यायिक व्यवस्था है। न्याय पगड़ी सरपंच का गरिमा, न्याय, सम्मान, मयार्दा, उत्तरदायित्व का प्रतीक है। पगड़ी न्याय का प्रतीक होता है किंतु पगड़ी के अभाव में सरपंच एवं न्याय की पहचान प्रभावित होती है। प्रथम सत्र में न्याय पगड़ी मिलने के बाद पगड़ी समय के अंतराल में नष्ट हो गया, कहीं हस्तांतरण नहीं भी हो सका, विगत दो दशक बाद 99% सरपंच के पास न्याय पगड़ी उपलब्ध नहीं है। श्री यादव ने कहा कि विगत 6 महीना से लेकर 1 वर्ष तक का भत्ता लंबित है जिससे पंच सरपंच आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। श्री यादव ने कहा कि पांच सत्र गुजरने के बावजूद एमएलसी चुनाव का वोटर नहीं बनाया गया है। आज भी ग्राम कचहरी को गाइडलाइन के अनुसार सशक्त नहीं किया गया है। जिससे गांधी जी का ग्राम स्वराज की सपना अधूरा है। उन्होंने एमएलए एमपी मंत्री के तरह चौथाई हिस्सा स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों को पेंशन चालू करने की मांग किया ताकि बतौर जनप्रतिनिधि सम्मान मिल सके। पंच सरपंच, वार्ड सदस्य, मुखिया, पंसस, प्रमुख, जिला पार्षद, सभापति को पेंशन नहीं तो सांसद विधायक मंत्री को भी पेंशन बंद होनी चाहिए, जो देश एवं जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। देश हित में उक्त कदम उठाई जाय। श्री यादव ने पंच सरपंच को सम्मान सुरक्षा सुविधा वेतन बीमा भत्ता पेंशन अन्य अधिकार देने की मांग किया है। वहीं ग्राम कचहरी अलौली के सरपंच रंजू कुमारी ने न्याय पगड़ी को सम्मान पूर्वक सहेज कर सुरक्षित रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरपंचों को न्याय पगड़ी नसीब नहीं हुआ है। न्याय पगड़ी पहनने के बाद गौरवान्वित महसूस करते हैं। सभी सम्मानित सरपंच को न्याय पगड़ी सरकार द्वारा देनी चाहिए। ताकि अपनी जिम्मेदारी बखूबी सम्मानपूर्वक निभा सके। श्री यादव ने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में विधानसभा एवं मुख्यमंत्री का घेराव आंदोलन पेंशन चालू करने एवं एमएलसी चुनाव का वोटर बनाने के सवाल को लेकर संघर्ष तेज किया जाएगा। श्री यादव ने कहा कि जो स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों को पेंशन चालू करने की बात करेगा, वह आगामी विधानसभा चुनाव बाद बिहार में राज करेगा। उक्त सवाल को लेकर स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि गोलबंद हो चुके हैं एवं निर्णायक आंदोलन के मूड में है।

गंभीर रोगों के मरीजों के लिए वरदान साबित हुआ श्री नारायण मेडिकल इंस्टिट्यूट एंड हॉस्पिटल

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिलें कें गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों के लिए डाक्टर भगवान साबित हो रहा है। वही गरीबों के लिए वरदान साबित हो रहा है श्री नारायण हास्पिटल। ज्ञात हो कि कोशी क्षेत्र में आये दिन लोग गंभीर रोगों से ग्रसित हो रहे है। इसे ध्यान में रखते हुए श्री नारायण फाउंडेशन के अधीन श्री नारायण मेडिकल इंस्टिट्यूट एंड हॉस्पिटल की शुरूआत 2021 में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और भारत सरकार की मंजूरी से हुई थी। शिक्षा को अच्छी तरह से समझे जाने वाले विषयों के समूह से बदलकर जीवन के अच्छी तरह से अनुकूलित पहलुओं और सिद्धांतों में बदलने के उद्देश्य से, श्री नारायण फाउंडेशन ने सहरसा स्थित श्री नारायण मेडिकल इंस्टिट्यूट एंड हॉस्पिटल की परिकल्पना की। यहां के छात्रों में ईमानदारी, करुणा, साहस, दृढ़ता और जिम्मेदारी के गुणों को विकसित करने की दिशा में काम चल रहा है, ताकि वे अच्छे नैदानिक ज्ञान के साथ सक्षम डॉक्टर बन सकें और साथ ही उनमें नैतिकता का मूल्य पैदा हो, जिससे वे अपने रोगियों का मानवीय स्पर्श के साथ ईलाज कर सकें। डॉक्टरों, नर्सों और संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ उन्नत प्रशिक्षण के लिए एक अग्रणी शिक्षण अस्पताल है। इसे देश में महत्वपूर्ण स्थानों में से एक माना गया है। कोसी के कछार में बसा शहर सहरसा स्थित श्री नारायण मेडिकल इंस्टिट्यूट एंड हॉस्पिटल पिछले चार सालों से चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, प्रशिक्षण और अनुसंधान में ह्ल उत्कृष्टता केंद्र ह्ल के रूप में कार्य कर रहा है। यहां प्रत्येक वर्ष 150 स्नातक (एमबीबीएस) सीटें है, ताकि कुशल और सक्षम मानव शक्ति की कमी को दूर किया जा सके जिससे बड़े पैमाने पर समाज को लाभ होगा। अस्पताल मरीजों की देखभाल, डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षण प्रदान करता है, और अपने मरीजों को बेहतर देखभाल प्रदान करने के लिए अनुसंधान आयोजित करता है। श्री नारायण मेडिकल इंस्टिट्यूट एंड हॉस्पिटल में 1000 से अधिक बिस्तरों वाला पूरी तरह कार्यात्मक अस्पताल है, जो परिष्कृत, विश्व स्तर के नैदानिक और चिकित्सीय उपकरणों से सुसज्जित है और एक उच्च योग्य और समर्पित संकाय द्वारा समर्थित है। कार्डियोलॉजी, न्यूरो-सर्जरी, यूरोलॉजी, बाल चिकित्सा-सर्जरी, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, डर्मोलॉजी और ऑन्कोलॉजी आदि के सुपर स्पेशियलिटी विभाग विशेषज्ञ सलाह और उपचार प्रदान करते हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत सूचीबद्ध, अस्पताल परीक्षण और उपचार के लिए रियायती शुल्क के साथ मुफ्त ओपीडी और आईपीडी सेवाएं प्रदान करता है।

लखीसराय में सरकारी शिक्षक पर लगाया यौन शोषण का आरोप,एसपी अजय कुमार से मिलकर लगाई न्याय की गुहार

● एसपी ने मामले की प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई का दिया आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय ! लखीसराय जिले के हलसी थाना क्षेत्र की युवती ने सरकारी शिक्षक धर्मवीर कुमार पर यौन शोषण का गंभीर आरोप लगाया है !पीड़िता ने एसपी अजय कुमार से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है ! युवती का कहना है कि उनकी मुलाकात वर्ष -2021 में लखीसराय सदर थाना क्षेत्र के बालगुदर गांव निवासी धर्मवीर कुमार से हलसी में रिश्तेदार के घर हुई थी ! इस संबंध में दोनों के बीच प्रेम संबंध बना और युवती झारखंड के बोकारो में रहने लगी !धर्मवीर वहां मिलने आता रहा और शादी का वादा कर कर शारीरिक संबंध बनाता रहा !इस दौरान धर्मवीर कुमार की सरकारी शिक्षक के पद पर नियुक्ति हो गई !युवती को पता चला कि धर्मवीर की शादी कहीं और तय हो गई है !विरोध करने पर धर्मवीर 22 मई 2025 को उसे बोकारो से लखीसराय ले आया !वहां धर्मवीर के परिजनों ने युवती के साथ मारपीट की ! उन्होंने शादी के लिए 40 लख रुपए दहेज की मांग की ! पीड़िता महिला थाना समेत कई जगह पर शिकायत कर चुकी है !एसपी अजय कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला थाना अध्यक्ष को प्राथमिकी दर्ज कर अविलम्ब कार्रवाई का आदेश दिया है !पुलिस मामले की जांच कर रही है और पीड़िता को न्याय का भरोसा दिलाया गया है !

सीआरसी स्तर पर मशाल खेल प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय झपड़ा टोला बना चैंपियन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा मशाल खेल प्रतियोगिता में अंडर 14 बालक एवं बालिका वर्ग में शारीरिक शिक्षक प्रमोद कुमार झा के नेतृत्व में ओवर ऑल झपड़ा टोला चैम्पियन बना। वही बालिका में क्रिकेट बाल थ्रो में समानी प्रथम, 60 मीटर दौड़ में संजना प्रथम, 600 मीटर दौड़ में प्रीति कुमारी प्रथम, साइकिल रेस में रहती प्रथम, लंबी कूद में अनामिका तृतीय रही। साथ ही कबड्डी में भी झपड़ा टोला प्रथम आया। वहीं अंडर 14 बालक वर्ग में लंबी कूद में बदल कुमार प्रथम, 60 मीटर दौड़ में अनु कुमार प्रथम, साइकिल में श्रीयंम द्वितीय, क्रिकेट बाल थ्रो में बिट्टू तृतीय, 600 मीटर दौड़ में दिलखुश तृतीय स्थान पर रहें। कबड्डी में मध्य विद्यालय झपड़ा टोला प्रथम, फुटबॉल में मध्य विद्यालय झपड़ा टोला प्रथम और अंडर 16 में लंबी कूद में वसीम आलम मध्य विद्यालय झपड़ा टोला प्रथम स्थान पर रहा। मौके पर मध्य विद्यालय झपड़ा टोला के प्रधानाध्यापक ललिता कुमारी, शारीरिक शिक्षक प्रमोद कुमार झा, वरीय शिक्षक विमल कुमार विमल, मंजू कुमारी, ज्योति कुमारी, रौनक रहमानी, आभा कुमारी, मनोज कुमार ने बच्चों को सीआरसी स्तर पर प्रतियोगिता जीतने के अवसर पर ढेर सारा प्यार वो आशीर्वाद दिए और सीआरसी से बीआरसी स्तर पर जीतने के लिए प्रेरित किए। वहीं अवकाश में गए बीबी अंजुम आरा, प्रवीण कुमार प्रवीण, सुनीता कुमारी, शाहिना प्रवीण, वार्ड कमिश्नर खुशबू देवी, रोहिन दास, पवन शर्मा, सिब्लू शर्मा, मनोज कुमार, भगवान दास, शत्रुघ्न दास, अमर शर्मा आदि ग्रामीण अभिभावक ने खिलाड़ियों को सफलता पूर्वक प्रतियोगिता में भाग लेने वो जीतने पर बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दिए और वार्ड के अंतर्गत सभी ग्रामीणों ने कहा कि खिलाड़ियों को आगे बढ़ने में यथा संभव मदद भी किया जाएगा।

मेगा इवेंट बना महिला संवाद कार्यक्रम,संवाद,सहयोग और एकता से गांवों को आदर्श गाँव बनाने के लिए आधी आबादी के बीच किया जा रहा आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !संवाद ,सहयोग और एकता से गांवो को आदर्श गाँव बनाने के लिए आधी आबादी के बीच महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित है। बिहार सरकार के इस मेगा इवेंट में गाँव की दशा एवं दिशा को चौतरफा गति प्रदान करने के साथ ही घरेलु हिंसा, बाल विवाह उन्मूलन, दहेज प्रथा उन्मूलन,बच्चों की शिक्षा और स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने का अधिकार, महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और हर घर में सम्मानपूर्वक वातावरण सुनिश्चित करने के साथ ही बैंक, जीविका या अन्य स्त्रोतों से प्राप्त राशि के सदुपयोग करने और गाँव के सभी परिवारों को कम से कम दस हजार रुपया मासिक आय के लक्ष्य प्राप्ति में सहयोग पर चर्चा हो रही है और संकल्प तथा शपथ लिये जा रहे हैं । महिला संवाद कार्यक्रम राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है जिसके अंतर्गत राज्य के सभी गांवो में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं उसके सफलता की गाथा संवाद रथ के द्वारा प्रदर्शित की जा रही है। लघु फिल्म और लीफलेट के द्वारा महिलाओं को सरकारी योजनायों से रूबरू कराया जा रहा है । महिला संवाद कार्यक्रम में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित हुई महिलाएं एवं छात्राएं अपनी प्रेरणादायक जीवन सफर सुनाकर अन्य महिलाओं को भी सरकार की योजनायों से जुड़ने और लाभान्वित होने के लिए प्रेरित कर रही हैं। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी का सन्देश भी महिलाओं को स्वावलंबी बनने के लिए उत्प्रेरित कर रहा है । लखीसराय जिला में भी 18 अप्रैल से जारी महिला संवाद कार्यक्रम का रामगढ़ चौक, हलसी , लखीसराय सदर एवं चानन में सफलता पूर्वक संपन्न हो गया है । सूर्यगढ़ा में तीन संवाद रथ कार्यक्रम के द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम शुरू किया गया है। कोशिश यही है कि ज्यादा से ज्यादा इच्छाएं एवं आकांक्षाएं सुचिवद्ध हो ।

महिला संवाद कार्यक्रम में उठी ब्यूटीशियन, सिलाई, कंप्यूटर व मिथिला पेंटिंग की ट्रेनिंग की मांग

सहरसा ग्रामीण महिलाओं में तकनीकी प्रशिक्षण को लेकर जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। जिले के सौरबाजार प्रखंड अंतर्गत सुहथ पंचायत में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए कौशल विकास की मांग की। महिलाओं ने विशेष रूप से ब्यूटीशियन कार्य, सिलाई-कढ़ाई, कंप्यूटर प्रशिक्षण और मिथिला पेंटिंग जैसे हुनरों में प्रशिक्षण की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम में बीपीएम आनंद प्रकाश ने जीविका योजना की जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक चेतना और महिला सुरक्षा से भी जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर समूहों में जोड़ा जा रहा है ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। आनंद प्रकाश ने बिहार राज्य महिला सशक्तिकरण नीति की चर्चा करते हुए कहा कि यह नीति महिलाओं को समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और शासन में नेतृत्व की भूमिका देने की दिशा में कारगर सिद्ध हो रही है। उन्होंने अपील की कि जो महिलाएं अब तक जीविका से नहीं जुड़ी हैं, वे आगे आएं और इससे लाभ लें। सुरभी ग्राम संगठन की सदस्य लक्ष्मी देवी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जीविका से जुड़ने के बाद उन्हें पीएम-एफएमई योजना के तहत 3.72 लाख का आसान ऋण मिला, जिससे उन्होंने आटा चक्की और मसाला पीसने की मशीन खरीदी।

जमालपुर भागलपुर तीसरी लाइन की रेलवे बोर्ड से मिली स्वीकृति

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जमालपुर से मुंगेर और उसके आगे उमेश नगर तक डबल लाइन बनेगी मुंगेर रेल पुल के समानांतरण नया रेल पुल बनाने की भी जल्द होगी निर्णय उपर्युक्त बातें मालदा डीआरएम रेल मंडल के मनीष कुमार गुप्ता ने कही। श्री गुप्ता ने आगे कहा की जमालपुर से भागलपुर के बीच तीसरी लाइन का काम जल्द शुरू हो जाएगा जमालपुर में नया सुरंग भी बनेगा और जमालपुर से एक नई लाइन सहित मुंगेर तक डबल लाइन का काम होगा। इसलिए आगे डबल लाइन के लिए नया पुल बनना होगा हालांकि मुंगेर तक डबल लाइन का काम पूर्व रेलवे से होगा। रेलवे के पश्चिमी हिस्से में यानी क्यूल से भागलपुर के बीच रेल नेटवर्क बढ़ेगा। इसके लिए बड़ी तैयारी हो रही है। इसका विस्तार पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र में भी होगा। इसके लिए दोनों जोन में कवायत चल रही है। जमालपुर से भागलपुर के बीच तीसरी लाइन को रेलवे बोर्ड ने हरी झंडी पहले दे दी है इसके बाद अब चौथी लाइन के लिए भी सर्वे चल रहा है। इसी बीच जमालपुर में एक अतिरिक्त सुरंग बनाया जाएगा तो सुल्तानगंज देवघर अधूरी रेल परियोजना को भी पूरी करने की वकायदशुरू हो गई है। डीआरएम ने बताया कि जमालपुर से मुंगेर होते हुए बेगूसराय तक डबल लाइन हो जाएगी क्योंकि जमालपुर वाई लाइन से उमेश नगर से डबल लाइन का काम करने का निर्णय हुआ है और इसके लिए डीपीआर भी बनाया गया है। इसमें मुंगेर में मौजूदा रेल पुल के समानांतरण एक अतिरिक्त पुल बनाने की भी बात हो रही है। यह काम पूर्व मध्य रेलवे के माध्यम से कराया जाएगा और इस पर जल्द ही निर्णय होने की बात बताई जा रही है। सुल्तानगंज से देवघर यानी अजगबीधाम से बाबा बैजनाथ धाम के लिए 20 साल पूर्व स्वीकृत रेल परियोजना को भी पूरा किया जाएगा। अभी इस परियोजना में देवघर से बांका तक काम कर रोक दिया गया था लेकिन बजट में शेष हिस्से को भी पूरा करने का प्रस्ताव आया है। इसके बाद जहां जिला प्रशासन ने जमीन अधिग्रहण के लिए कागजी पहल शुरू कर दी है तो दूसरी ओर रेलवे ने निर्माण से नया एस्टीमेट मांगा है। जमालपुर से भागलपुर के बीच तीसरी लाइन से कमर्शियल कॉरिडोर बताया गया था इसके लिए 1094 करोड़ के डीपीआर को रेलवे बोर्ड ने स्वीकृति दे दी है इसके अतिरिक्त और चौथी लाइन बनने के लिए सर्वे चल रहा है जब तक तीसरी लाइन का काम शुरू होगा तब तक चौथी लाइन के लिए भी डीपीआर तैयार हो जाएगा जमालपुर में 4 साल पहले ही दूसरा रेल सुरंग चालू किया गया है।

शिव होटल संचालक ज्योतिष कुमार की गोली मारकर हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा के भरार्ही थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदनी चौक स्थित एमपी कॉलेज के समीप शिव होटल संचालक ज्योतिष कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई जहां आक्रोषित लोगों की चांदनी चौक एमपी कॉलेज के समीप सहरसा / पूर्णियाँ 107 मुख्य मार्ग को घंटो जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। दरअसल बीते देर रात शिव होटल संचालक ज्योतिष कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। बताया जा रहा है कि 5 और 6 की संख्या मे अपराधी होटल पर पहुंचा जहाँ दो अपराधियों ने होटल संचालक ज्योतिष कुमार पर ताबर तौर फायरिंग की जिससे घटना स्थल पर हीं ज्योतिष की मौत हो गयी। मृतक के पत्नी पूजा देवी ने बताया कि दुकान बंद करने के दौरान बगल के हीं तूफानी यादव, डॉक्टर पंकज कुमार, प्रिंस कुमार,जब्बार मियां और आजाद शर्मा सहित 5 व 6 की संख्या पहुंचे इसी बीच दो अज्ञात अपराधियों ने मेरे पति पर ताबर तौर फायरिंग की जिससे मौके वारदात पर हीं ज्योतिष की मौत हो गयी वहीं चलते चलते अपराधियों ने बोला इस महिला को भी रास्ते से निपटा दो लेकिन दूसरे अपराधी ने कहा अब गोली समाप्त हो गया है भाग निकलो। हत्या का कारण आपसी विवाद बताया जा रहा है लेकिन पुलिस इस हत्या को भूमि विवाद से जोड़कर देख रही है। हालांकि पुलिस के मुताविक सभी अपराधियों को चिन्हित कर लिया गया है बहुत जल्द गिरफ्तार करने की बात बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मृतक ज्योतिष कुमार पूर्व मे शराब के कारोबार से जुड़ा था हाल मे अपना शिव होटल चला रहा था वहीं दबी जुवान से लोग बता रहे हैं कि हत्या के पीछे आपसी लेनदेन हो सकती है हालांकि घटना से 6 माह पूर्व इन लोगों के बीच ज्योतिष का आपसी विवाद के तहत मारपीट की घटना भी घटित हुई थी जिस मामले मे भरार्ही थाना मे मामला भी दर्ज हुआ था लेकिन पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं ली लिहाजा आज ज्योतिष की हत्या कर दी गयी। घटना के बाद स्थानीय लोग सहित परिजनों ने पुलिस प्रशासन के विरोध मे एन एच पर शव रखकर घंटो सड़क जाम कर दिया सड़क जाम की सूचना मिलते हीं मौके वारदात पर पहुंचे भरार्ही थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने लोगों समझा बुझाया इस दौरान थानाध्यक्ष के साथ झड़प भी हुई आक्रोषित लोग एसपी और एएसपी को बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, गुरुवार, 29 मई, 2025

भारत-नेपाल सीमा पर घुसपैठ की आशंका - बढ़ाया जा रहा है सुरक्षा

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक संबंधों की नींव में विश्वास और सहयोग की भावना रही है। दोनों देशों के बीच तकरीबन 1,751 किलोमीटर लंबी खुली सीमा है, जहां नागरिक बिना वीजा- परमिट के आ-जा सकते हैं। लेकिन यही खुली सीमा कई बार घुसपैठियों, आतंकवादियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी एक सुनहरा मौका बन जाता है। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में खुफिया रिपोर्ट में यह सनसनीखेज दावा किया गया है कि 30 से अधिक पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिक नेपाल की सीमा में दाखिल होकर भारत में घुसपैठ की फिराक में हैं। इस इनपुट के बाद उत्तर प्रदेश से लगने वाली 579 किलोमीटर की सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। पुलवामा से लेकर पहलगाम तक, आतंकवादी हमले भारत की आंतरिक सुरक्षा को बार-बार चुनौती देता रहा है। ऐसे में जब पाकिस्तानी और बांग्लादेशी संदिग्धों के नेपाल में मौजूद होने की खबर आई, तो सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े हो गए। सुरक्षा बलों को चौकन्ना कर दिया गया है। एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) को 24 घंटे सक्रिय निगरानी और कड़ी गश्त के आदेश दिया गया हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन घुसपैठियों का मकसद भारत के भीतरी इलाकों में जाकर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देना या नेटवर्क से जुड़ना होने की संभावना है। भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी सशस्त्र सीमा बल (SSB) के पास है। एसएसबी की 42वीं वाहिनी के नायक गंगा सिंह उदावत के अनुसार, गांव, जंगल और सीमावर्ती सड़कों पर चौबीसों घंटे गश्त तेज कर दी गई है। जवान संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। बहराइच से लेकर महाराजगंज तक गश्ती दल तैनात किए गए हैं। चेक पोस्ट्स की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन निगरानी के जरिए इलाके की गहराई से मॉनिटरिंग की जा रही है। स्थानीय नागरिकों को सतर्क किया गया है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना दी जा सके उत्तर प्रदेश के जिन जिलों से भारत- नेपाल सीमा लगती है, जिसमें बहराइच जिला अत्यधिक संवेदनशील है, पीलीभीत जिला में निगरानी बढ़ाई गई है, लखीमपुर खीरी जिला में घने जंगल और नदियों है, श्रावस्ती जिला में ग्रामीण रास्तों से संभावित घुसपैठ की संभावना रहती है, बलरामपुर जिला में खुला भूभाग है, सिद्धार्थनगर जिला में नेपाल के साथ खुली आवाजाही है, महराजगंज जिला में सक्रिय निगरानी है। इन सभी जिलों में स्थानीय प्रशासन और एसएसबी के बीच तालमेल बनाकर सुरक्षा रणनीति बनाई गई है। भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक तौर पर बेहद गहरे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता और वामपंथी झुकाव वाली सरकारों के चलते, सीमा सुरक्षा को लेकर दोनों देशों के बीच पहले जैसी सख्ती नहीं दिख रही है। नेपाल की खुली सीमा का फायदा उठाकर पाकिस्तानी और बांग्लादेशी एजेंट नेपाल में शरण लेकर भारत में घुसने की कोशिश करते रहते हैं। कई बार ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जब नेपाल के रास्ते ISI एजेंट भारत पहुंचा, फर्जी दस्तावेजों से नागरिकता बनाई और मदरसा नेटवर्क के जरिए कट्टरता फैलाने की कोशिश हुई है। भारत-नेपाल की खुली सीमा आम नागरिकों के लिए वरदान है। रोजगार, व्यापार, धार्मिक यात्रा और पारिवारिक संबंधों के लिए लोग सहजता से एक देश से दूसरे देश में आते-जाते रहते हैं। लेकिन यही खुली सीमा, असुरक्षा का कारण बनता जा रहा है। समस्या यह है कि यहां कोई वीजा या पासपोर्ट की जांच नहीं होती है इसलिए फर्जी पहचान वाले व्यक्ति भी आसानी से प्रवेश कर जाते हैं। घने जंगल और नदी क्षेत्रों से प्रवेश भी आसान है, जिसके कारण गुप्त गतिविधियों के लिए इस क्षेत्र को उपयुक्त समझा जाता है। सीमावर्ती गांवों में निगरानी की कमी रहने के कारण स्थानीय लोग कभी-कभी अनजाने में मददगार साबित हो जाते हैं।

सनातन राष्ट्र का हुआ सच्चा शंखनाद

17 से 19 मई 2025 के बीच गोवा में सम्पन्न सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव एक ऐसा दुर्लभ आयोजन सिद्ध हुआ, जिसने राष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिकता, संस्कृति और राष्ट्रप्रेम की चेतना को अभूतपूर्व रूप से जाग्रत किया। यह तीन दिवसीय ऐतिहासिक महोत्सव न भूतो न भविष्यति की कहावत को साकार करता है। वास्तव में ह्यसनातन राष्ट्र का प्रामाणिक शंखनाद हुआ है, ऐसा वक्तव्य सनातन संस्था के प्रवक्ता श्री. अभय वर्तक ने समारोपीय पत्रकार परिषद में दिया। श्री. वर्तक ने बताया कि गोवा के इतिहास में पहली बार भारत सहित 23 देशों से 30,000 से अधिक लोगों की उपस्थिति में इतना भव्य, आकर्षक और नियोजित कार्यक्रम आयोजित हुआ। अनेक विचारकों, प्राध्यापकों, उद्योगपतियों, संपादकों, लेखकों, केंद्रीय मंत्रियों और अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों ने इसे ह्यअद्वितीयह्न बताया। समाज में इस प्रकार का महोत्सव प्रतिवर्ष आयोजित करने की तीव्र मांग उठ रही है। फोंडा, गोवा स्थित ह्यपॅन अरोमाह्न होटल में संपन्न पत्रकार परिषद में गोवा राज्य पूर्व चुनाव आयुक्त श्री. नारायण नावती, उद्योजक श्री. मनोज गावकर, हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री. रमेश शिंदे, उद्यमी श्री. जयंत मिरिंगकर, ब्राह्मण महासंघ के श्री. राज शर्मा तथा गोमंतक मंदिर महासंघ के सचिव श्री. जयेश थळी उपस्थित थे। इस महोत्सव की विशेषताएं अत्यंत विलक्षण रहीं झ ऋषियों और देवताओं के नाम से सुसज्जित ह्यसच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. आठवले नगरी की सर्जना; संत, व्याख्याता, लेखक और राष्ट्रहितैषियों की प्रभावशाली उपस्थिति; 30,000 लोगों के लिए उत्तम भोजन व्यवस्था; एक लाख श्रद्धालुओं को महाधन्वंतरि यज्ञ का प्रसाद; पंद्रह संतों की पावन पादुकाएं; क्षात्रतेज से ओतप्रोत शिवकालीन शस्त्रप्रदर्शन; भक्तिभावपूर्ण नृत्य व संगीत प्रस्तुति; सुचारू यातायात व्यवस्था के कारण स्थानीय जनजीवन पर कोई प्रभाव न पड़ना, इन सभी ने इस महोत्सव को अविस्मरणीय बना दिया। महोत्सव के उत्तरार्ध में सम्पन्न ह्यशतचंडी यज्ञ विशेष रूप से भारत-पाक युद्ध की स्थिति में भारतीय सेना की विजय हेतु किया गया। इस अवसर पर सनातन संस्था ने सेना सहायता हेतु 1,11,000 की राशि गोवा के मुख्यमंत्री श्री. प्रमोद सावंत को भेंट की। महोत्सव में संस्था के संस्थापक सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. जयंत आठवले के पावन हस्तों से 4 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को ह्यहिंदू राष्ट्ररत्नह्न सम्मान तथा 21 व्यक्तियों को ह्यसनातन धर्मश्रीह्न सम्मान प्रदान किए गए। ह्यसव्यासाची गुरुकुलम्ह्न की ओर से शिवकालीन युद्धकला का प्रदर्शन, हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा स्वसंरक्षण प्रात्यक्षिक और महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय द्वारा भक्ति संगीतोत्सव प्रस्तुत किया गया। इससे अनेक लोगों को प्रेरणा प्राप्त हुई। देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं के कारण गोवा के मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा भी बढी, जिससे स्पिरिचुअल टूरिज्म को विशेष बल मिला। महोत्सव के माध्यम से यह संदेश सशक्त रूप से गया कि ह्यगोवा भोगभूमि नहीं, अपितु योगभूमि है। इस सफल आयोजन में गोवा शासन, पुलिस प्रशासन, गोवा इंजीनियरिंग कॉलेज, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायतें, पत्रकार, उद्योगपति तथा सेवाभावी संस्थाओं का सक्रिय सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा। विभिन्न आध्यात्मिक, सामाजिक और राष्ट्रहितैषी संस्थाओं के सहभाग के लिए हृदय से आभार। शंखनाद की यह संकल्पना अब राष्ट्रभर में चेतना का संचार कर रही है। महोत्सव से ह्यराष्ट्रीय एकता, भारतीयता, आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक गौरव और शौर्य का सशक्त उद्घोष हुआ। अनेक विशिष्ट व्यक्तियों एवं सामान्य नागरिकों ने इसे प्रतिवर्ष आयोजित करने की मांग की जो इस आयोजन की सफलता का प्रमाण है।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है। सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

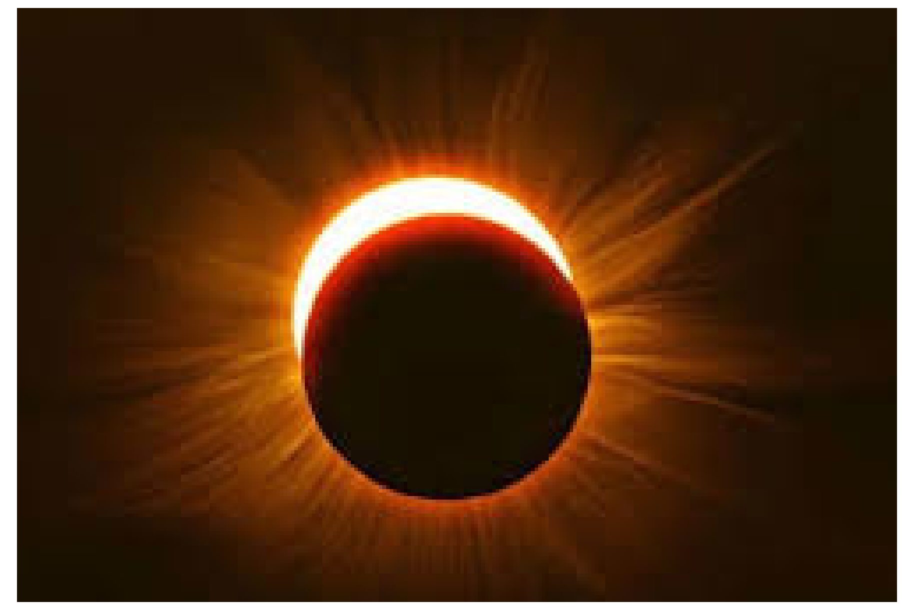

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार)

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है। सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियों रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है। सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है। इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन ह्यहर हाथ को कामह्न का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्न का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।

सेना के शौर्य का यशोगान, विपक्ष क्यों परेशान

और देश सहित सारी दुनिया में भारतीय सेना के पराक्रम तथा शौर्य का यशोगान। पहलगाम के आतंकी हमले के बाद केंद्र की मोदी सरकार द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध सबसे बड़ा प्रहार ऑपरेशन सिंदूर की यही दास्तान है। देश और दुनिया में भारत सरकार के इस कदम की सराहना की जा रही है। वहीं,भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस द्वारा इस बार भी ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में सबूत मांगे जा रहे हैं। यही नहीं ,कांग्रेस द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर को लेकर भी कई सवाल उठाये जा रहे है। पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला करते हुए 26 पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया था। बीते महीने की 22 तारीख को हुई इस कायरतापूर्ण कार्रवाई में सबसे पहले आतंकियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा। इसके बाद उनके हिंदू होने की तसल्ली करने के लिए उनको कलमा पढ़ने को कहा। और फिर पर्यटकों को अपनी जान देकर हिंदू होने की कीमत चुकानी पड़ी।

प्रदीप कुमार वर्मा

लेखक

पाकिस्तानी आतंकवादियों के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर के जरिए निर्णायक कार्रवाई, आतंकियों का आका कहे जाने वाली पाकिस्तान सेना के ठिकानों पर प्रहार, शानदार कूटनीति के माध्यम से सिंधु जल समझौता रद्द करने के साथ अन्य व्यापारिक संबंधों पर पूर्ण विराम, पाकिस्तान के साथ अब सिर्फ पीओके और आतंकवादियों को सोंपने ही पर बातचीत का एलान,। और देश सहित सारी दुनिया में भारतीय सेना के पराक्रम तथा शौर्य का यशोगान। पहलगाम के आतंकी हमले के बाद केंद्र की मोदी सरकार द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध सबसे बड़ा प्रहार ऑपरेशन सिंदूर की यही दास्तान है। देश और दुनिया में भारत सरकार के इस कदम की सराहना की जा रही है। वहीं,भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस द्वारा इस बार भी ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में सबूत मांगे जा रहे हैं। यही नहीं ,कांग्रेस द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर को लेकर भी कई सवाल उठाये जा रहे है। पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला करते हुए 26 पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया था। बीते महीने की 22 तारीख को हुई इस कायरतापूर्ण कार्रवाई में सबसे पहले आतंकियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा। इसके बाद उनके हिंदू होने की तसल्ली करने के लिए उनको कलमा पढ़ने को कहा। और फिर पर्यटकों को अपनी जान देकर हिंदू होने की कीमत चुकानी पड़ी। इस कायराना कार्रवाई में सबसे बड़ा पहलू यह रहा कि आतंकियों ने हमास स्टाइल में पत्नी और बच्चों के सामने पुरुषों को बर्बर तरीके से सिर में गोली मारकर उन्हें मौत की नींद सुला दिया। इस आतंकी घटना के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई का ऐलान किया और भारत ने पाकिस्तान के आतंकवादियों के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इससे पूर्व केंद्र सरकार ने जब सर्वदलीय बैठक बुलाई तो, कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों ने सेना और सरकार की प्रत्येक कार्रवाई में सहयोग और समर्थन का संकल्प व्यक्त किया। सभी दलों के राजनीतिक सर्वमान्य निर्णय के बाद केंद्र की मोदी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दी। जिसके जरिए सरकार द्वारा सेना को समय, दिन, स्थान और तरीका चुनकर आतंकियों को कड़ा जवाब देने के लिए अधिकृत कर दिया। भारत की तीनों सेनाओं ने आपसी समन्वय और सरकार के निर्णय को अमलीजामा पहनाते हुए 7 मई को पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर उन्हें ध्वस्त कर दिया। इसके बाद जब पाकिस्तान की सेना ने भारत के सैनिक ठिकानों, एयरवेस, धर्मस्थलों तथा आबादी के इलाकों को अपना निशाना बनाया तो भारतीय सेना ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान की सेना के 11 एयरबेस तबाह कर दिए। इस कार्रवाई से घुटनों पर आए पाकिस्तान ने अपने डीजीएमओ के जरिए भारत से सीजफायर की गुहार लगाई, तो भारत ने भी इस पर सकारात्मक रुख रखते हुए 10 मई को सीजफायर का ऐलान कर दिया। इसके बाद में भारतीय सेना और विदेश मंत्रालय के नुमाइंदों ने बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सेना तथा भारत सरकार द्वारा चलाए गए आपरेशन सिंदूर और सीजफायर के संबंध में उठाए गए सभी सवालों के जबाब देने साथ ऑपरेशन सिंदूर के सिर्फ स्थगित करने के बारे में जानकारी दी। लेकिन इसके उलट कांग्रेस ने अपनी पुरानी परंपरा की तरह इस बार भी केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। कांग्रेस नेताओं ने इस बार भी ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना को हुए नुकसान तथा सीज फायर की आवश्यकता और इसके समय पर सवाल उठा दिए हैं। यही नहीं भारत सरकार द्वारा विश्व बिरादरी को पाकिस्तान की करतूत तथा आतंकपरस्ती के बारे में जानकारी देने के लिए सात डेलिगेशन बनाकर उन्हें अलग-अलग देश को भेजा गया है। सरकार की इस कार्रवाई पर भी कांग्रेस डेलिगेशन में शामिल सदस्यों के नाम पर सवाल उठा रही है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से यह सवाल किया है कि पीओके को वापस लिए बिना पाकिस्तान के साथ सीजफायर पर करने का क्या औचित्य है? उधर, इस मामले में भाजपा सहित केंद्र की सरकार में शामिल एनडीए के अन्य राजनीतिक दलों ने कांग्रेस के इस रवैये पर सवाल उठाए हैं। भाजपा सहित उसके अन्य सहयोगी दलों का कहना है कि वर्ष 1971 की जंग में जब पाकिस्तान के 93 हजार सरेंडर किए हुए सैनिक और एक बड़ा भू-भाग भारत के कब्जे में आ गया था। तब कांग्रेस की सरकार में पीओके को वापस क्यों नहीं लिया? पीओके को वापस लेने की बजाय भारत की तत्कालीन सरकार ने युद्द में सरेंडर करने वाले पाकिस्तान के सभी सैनिकों और जीते गए भूभाग को वापस कर दिया। इसके साथ ही भाजपा के आरोपों के मुताबिक पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा कश्मीर के मसले को यूएन में ले जाने को लेकर भी कांग्रेस खुद सवालों के घेरे में है। भाजपा नेताओं का यह भी कहना है कि बीते सालों में कांग्रेस सरकार की गलत नीतियों के कारण ही सेना ने अपने पराक्रम से पाकिस्तान के विरुद्ध जीत दर्ज करते हुए जो भू-भाग जीते थे, उन्हें कांग्रेस की सरकारों ने समझौते के नाम पर पाकिस्तान को वापस दे दिया। यही नहीं, कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों द्वारा चीन को अक्साई चीन दिए जाने को लेकर भी भाजपा इन दिनों कांग्रेस पर हमलावर है, जिसके चलते कांग्रेस खुद सवालों के घेरे में आ गई है। भाजपा और कांग्रेस के बीच सवालों के सिलसिले में एक वजह ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार द्वारा लेने के चलते भी है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कथित तौर पर भ्रमित कांग्रेस सेना के विरुद्ध सीधे-सीधे कुछ भी कहने से बच रही है लेकिन वह पीएम नरेंद्र मोदी तथा केंद्र की एनडीए सरकार पर हमलावर है। इस मामले में पूर्व वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों तथा राजनीतिक प्रेक्षकों का कहना है कि वर्ष 1971 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पाकिस्तान पर जीत का श्रेय दिया जा सकता है। तो फिर आतंक एवं पाकिस्तान के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का जज्बा रखने और इसके लिए सेना को खुली छूट देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय दिया जाना चाहिए।

नए भारत में बुनियादी सवाल

भारत अब 357 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था है। आजाद भारत ने ह्यशून्यह्न से अपना सफर शुरू किया था, क्योंकि हम सुई तक का उत्पादन करने में असमर्थ थे। सात दशकों की ह्यअजेयह्न यात्रा के बाद आज भारत हवाई जहाज भी बनाता है और विश्व की चौथी सबसे बड़ी घोषित अर्थव्यवस्था है। नई अर्थव्यवस्था के कुछ पहलू, आयाम और अहम सवाल छूट गए थे, जिनका मूल्यांकन और विश्लेषण आज कर रहे हैं। नीति आयोग के मुताबिक, देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 60 फीसदी हिस्सेदारी शहरों की है और 40 फीसदी योगदान ग्रामीण क्षेत्रों का है, लेकिन आज भी देश की 45-46 फीसदी कामकाजी आबादी खेती पर ही निर्भर है। उसकी आय का बुनियादी स्रोत खेती ही है, लेकिन जीडीपी में खेती का योगदान मात्र 16 फीसदी रह गया है, जो कभी 50 फीसदी होता था। देश का औसत किसान गरीब और कर्जदार है, आत्महत्या करने को विवश है। प्रधानमंत्री को किसान सम्मान के तौर पर 6000 रुपए सालाना की खैरात बांटनी पड़ रही है। आजाद देश में न तो किसान की आय बढ़ी है और न ही उसकी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी दी गई है। लगातार मामला लटकता रहा है। भारत सरकार स्पष्ट क्यों नहीं करती? जीडीपी में सबसे अधिक 53.66 फीसदी योगदान सर्विस सेक्टर का है। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान करीब 31 फीसदी है। हालांकि 99 फीसदी से अधिक मोबाइल अब भारत में ही बनते हैं। करीब 300 फैक्टरियां काम कर रही हैं। इस संदर्भ में ह्यएप्पलह्न और ह्यसैमसंगह्न सरीखी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के नाम उल्लेखनीय हैं, जिनके मोबाइल, आईफोन भारत में ही बन रहे हैं, लेकिन भारत अभी चीन की तरह ह्यमैन्यूफैक्चरिंग हबह्न नहीं बन सका है। दुनिया की सर्वोच्च पांच अर्थव्यवस्थाओं में भारत में ही श्रम-बल का औसत सबसे कम है। महिला श्रम-बल का औसत 41.7 फीसदी है। दोनों लिंगों का औसत श्रम-बल भी करीब 42 फीसदी है। अर्थात शेष आबादी के पास काम नहीं है या वह बिल्कुल बेरोजगार है। नतीजा यह है कि देश में बेरोजगारी दर 4.9 फीसदी है, जो चीन के बाद (5.1 फीसदी) सर्वाधिक है। भारत में 15-29 वर्ष के आयु-वर्ग को सबसे उर्वर माना जाता है। वह देश की अर्थव्यवस्था का बुनियादी लाभांश है, लेकिन उस आयु-वर्ग में भी बेरोजगारी 16 फीसदी से अधिक है। यह चिंतित और संवेदनशील सवाल है। बेशक भारत आज मिसाइल, हेलीकॉप्टर और रक्षा-उपकरणों का इतना उत्पादन करने लगा है कि 50 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है। यह सूची बढ़ती जा रही है, लिहाजा रक्षा-क्षेत्र से भारत का राजस्व भी बढ़ रहा है। आज देश में करीब 1.5 लाख वर्ग किलोमीटर का मजबूत, आधुनिक बुनियादी ढांचा है, जिसमें निरंतर विस्तार हो रहा है। देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़ कर 159 हो गई है। नए हवाई अड्डे भी निमार्णाधीन और योजनारत हैं। 2025 में देश में मेट्रो रेल नेटवर्क 1011 किलोमीटर का हो गया है। देश में औसत व्यक्ति के पास डिजिटल लॉकर और यूपीआई की सुविधा है। भारत में विदेशी मुद्रा का भंडार करीब 690 अरब डॉलर है और नई अर्थव्यवस्था की घोषणा के बाद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी बढ़ रहा है, लेकिन यह भी अहम सवाल है कि भारतीय अरबपति और उनकी कंपनियां विदेशों में अधिक निवेश क्यों कर रही हैं? बेशक भारत आज 357 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था है, लेकिन शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में आज भी जीडीपी का क्रमशः 3 और 2 फीसदी ही खर्च क्यों किया जा रहा है? यह कमोबेश 5-6 फीसदी तो होना ही चाहिए। आईएमएफ की रपट में कहा गया है कि भारत खपत के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं है। यही इसकी ताकत है। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग पर आश्रित है, जबकि चीन की अर्थव्यवस्था निर्यात पर आधारित है। हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा हमारी अर्थव्यवस्था खुली है। चीन एक कम्युनिस्ट देश है, जो लगभग तानाशाही के करीब है, लिहाजा उसकी अर्थव्यवस्था बंद और रहस्यमयी है। उपभोग बढ़ेगा, तो बाजार में मांग और खरीद बढ़ेगी, नतीजतन उत्पादन बढ़ेगा। उसी तरह अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा। कुछ सवाल यथार्थमयी हैं, उनका समाधान दिया जाना चाहिए। यह भी सच है कि आर्थिकी के मामले में अमरीका और चीन हमसे काफी ज्यादा आगे हैं। अमरीका का मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। इसी तरह चीन भी हमसे लगभग दोगुना आगे है। भारत को भी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए ठोस प्रयास होने चाहिएं। मेड इन इंडिया इस लक्ष्य को साधने के लिए एक कुंजी हो सकती है।

त्वरित गति से कराएं एससी/एसटी से संबंधित मामलों का निष्पादन : जिला पदाधिकारी

पीड़ित एवं उनके आश्रितों को मुआवजा सहित अन्य लाभों से वंचित नहीं होना पड़े, इसका पूरा ख्याल रखें

- एससी-एसटी अत्याचार अधिनियम का कराएं व्यापक प्रचार-प्रसार
- जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम अंतर्गत गठित जिलास्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम अंतर्गत गठित जिलास्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। जिलास्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि के साथ ही अनुपालन की समीक्षा, अधिनियम एवं नियम के उपबंधों के अनुसार लंबित वादों, अनुसंधानों, अभियोजनों की समीक्षा की गयी। एससी-एसटी अत्याचार निवारण के तहत पीड़ितों एवं उनके आश्रितों के कल्याणार्थ उपलब्ध करायी गयी सेवा सुविधा की भी समीक्षा की गयी। जिला पदाधिकारी द्वारा एससी-एसटी कांडों का शीघ्र निष्पादन के साथ मुआवजा की लंबित राशि का भी भुगतान कराने की दिशा में कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि पीडित एवं उनके आश्रितों को मुआवजा सहित अन्य लाभों से वंचित नहीं होना पड़े, इसका पूरा ख्याल रखें। नियमानुसार पीड़ित एवं गवाह को यात्रा भत्ता सहित अन्य लाभों से लाभान्वित किया जाय। एससी-एसटी अत्याचार अधिनियम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराना सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि पीड़ित परिवारों को अधिनियम से संबंधित जानकारी स्पष्ट रूप से दें ताकि उन्हें बेवजह परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। बैठक में लोक अभियोजक द्वारा प्रस्ताव दिया गया कि विशेष ग्राम विकास शिविर में एससी-एसटी समुदाय के लोगों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया जा सकता है। इस पर जिलाधिकारी ने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि इस दिशा में अग्रतर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में हत्या के कुल 09 मामलें एवं गैंग रेप के कुल 01 मामले में भुगतान किया गया है। कुल-24 पेंशनरों को भुगतान किया जा रहा है। टीए/डीए के लाभुकों की संख्या-07 है। इसी तरह वित्तीय वर्ष 2025-26 में अबतक हत्या के कुल-01 मामले में द्वितीय किस्त का भुगतान किया गया है। कुल-36 पेंशनरों का भुगतान किया जा रहा है। टीए/डीए के लाभुकों की संख्या-08 है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, बगहा सुशांत कुमार सरोज, पुलिस अधीक्षक बेतिया डॉ0 शौर्य सुमन अनुमंडल पदाधिकारी बगहा गौरव कुमार, नगर आयुक्त, नगर निगम, बेतिया लक्ष्मण तिवारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, मो0 असलम अली सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हत्यारों की हो अविलंब गिरफ़्तारी : डॉ सी एन गुप्ता

दोहरे हत्याकांड को लेकर डीआईजी से मिले विधायक

- बोले विधायक गलती करने वाले को नहीं बक्शा जाएगा,आमजन कानून पर रखे विश्वास

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। मंगलवार की रात्रि हुए दोहरे हत्याकांड को लेकर विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने सारण रेंज के डीआईजी नीलेश कुमार से उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में मुलाकात की. इस दौरान विधायक के साथ प्रोड्ढ अरुण कुमार सिंह,डॉ हरेंद्र सिंह भी मौजूद थे. विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा की अचानक से व्यवसाई की हत्या एक चिंतनीय विषय है.अपराधी का मनोबल बढ़ना समाज के लिए उचित नहीं इसलिए किसी भी तरह इस जघन्य कृत करनेवाले दोषियों को कानून अपने दायरे ऐसी सजा दे की दुबारा ऐसी घटना ना हो. इस दौरान डीआईजी नीलेश कुमार ने आश्वस्त किया की प्रत्येक पहलु से प्रशासन इसमें लगा हुआ है और इसका रिजल्ट हमलोग बहुत जल्दी देने का प्रयास कर रहे है. विधायक ने आमजन की समस्याओं को रखते हुए कहा कि ऐसे जगहों को चिन्हित करके पुलिस रात्रि गस्ती बढ़ाने कि जरुरत है ताकी आवंछित लोगों के मन में भय व्याप्त हो.जिससे व्यापारी समेत क्षेत्र के लोग शांतिपूर्ण वातावरण में काम कर सके.

संक्षिप्त खबरें

गर्मी का कहर वीटीआर जानवरों का हुआ बुरा हाल रिहायशी इलाके में घुसे

बगहा। बिहार के इकलौते वाल्मीकि ब्याग्र परियोजना (वीटीआर) परिक्षेत्रों में इनदिनों भीषण गर्मी पड़ रही है।जिससे इंसानों सहित जंगली जानवर भी परेशान और बेहाल हो चले हैं। गर्मी और भोजन की तलाश में ये जंगली जीव वीटीआर से सटे रिहायशी इलाके की तरफ रुख कर लिया है। आए दिन इन रिहायशी इलाके के क्षेत्रों से जंगली जीवों के घुस आने और इनके रेस्क्यू की खबर चर्चा का विषय बन रही है। इन इलाके से कोई कोई रेस्क्यू वाली घटनाओं की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल भी हो रही है।इन्ही वायरल घटनाओं में से वाल्मीकिनगर स्थित चरघरिया गांव से एक सांप का रेस्क्यू और गोलचौक स्थित किराने की दुकान से मॉनिटर लिजर्ट के रेस्क्यू का वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है।बतादें की वाल्मीकिनगर इंडो नेपाल सीमा पर बसा वीटीआर के घने जंगलों से घिरा हुआ है और इन जंगलों में विभिन्न प्रकार के जीव जन्तुओं का बसेरा है।जो सरकते हुए व चहलकदमी करते हुए इंसानी बस्तियों के तरफ चले आते हैं।

वीटीआर में बाघ तेंदुआ का तदाद बढ़ा गेंडा के अधिवास के कवायद में जुटा वन प्रशासन

बगहा। बिहार के इकलौते टाइगर रिजर्व क्षेत्र वीटीआर के जंगलों में बाघों की संख्या के साथ साथ तेंदुओं की भी संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। यह सब वन प्रशासन की सक्रियता,वनों की सुरक्षा,प्रॉपर वन गश्ती और मानवीय हस्तक्षेप कम होने की वजह से हुआ है। साथ ही जंगलों में आग लगी कि घटनाओं में कमी,जंगलों में जनवरों के गर्मी में प्यास बुझाने के लिए कृत्रिम जलाशय,आधुनिक उपकरण से लैस वनकर्मियों के जंगलों में उपलब्धता से सम्भव हुआ है।वहीं बड़े भूभाग एरिये में ग्रासलैंड के तैयार होना भी एक वजह है। इन सब बातों से वन प्रशासन प्रेरित होकर गैंडों के अधिवास क्षेत्र तैयार करने की कवायद में जुटा है।बतादें की वीटीआर नारायणी गंडक नदी और नेपाल के चितवन नेशनल पार्क के जंगलों से लगा हुआ है।इस जंगल मे संरक्षण और संवर्धन के विकसित होने की वजह से मांसाहारी जानवर बाघ,तेंदुआ,भालू,आदि के साथ साथ शाकाहारी जानवर,जंगली

डबल मर्डर हत्याकांड में एस पी के आवासीय कार्यालय का किया गया घेराव

छपरा सदर। समाजसेवी व्यवसायी अमरेंद्र सिंह एवं उनके भाई के डबल मर्डर हत्या को लेकर के बुधवार के दिन व्यापारी, समाजसेवी तथा परिजनों ने सारण एसपी के आवासीय कार्यालय का घेराव किया। जहां इन लोगों ने मांग किया कि अब अपराधी को गिरफ्तार करने से काम नहीं चलेगा क्योंकि अपराधी गिरफ्तार होंगे जेल जाएंगे कुछ दिन जेल में रहेंगे छूट के आएंगे और फिर वही घटना को अंजाम देंगे इसलिए अपराधियों को पकड़ कर एनकाउंटर कर दिया जाए। वही लोगों ने पुलिस पदाधिकारियों से यह भी कहा कि यदि आप आप लोग नाम बताए, हम लोग अपराधी के घर पर दावा बोलेंगे। इस पर एसपी डॉक्टर कुमार आशीष एवं डीएसपी राजकुमार सिंह ने धरना पर बैठे लोगों को समझाया बुझाया उन्होंने यह कहा कि आप लोग के साथ पुलिस है। पुलिस अपनी कार्रवाई कर रही है एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर पुलिस द्वारा लाया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं डी एस पी राजकुमार सिंह ने कहा कि आप लोग हम लोग को काम करने दीजिए ताकि जल्द से जल्द इस अपराधियों को गिरफ्तार करके उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाए।पुलिस प्रशासन ने घेराव कर रहे लोगों को आश्वाशन दिया कि न्याय संगत सारी प्रकिया होगी।

परसा में सेवानिवृत सैनिकों ने निकाली तिरंगा यात्रा

परसा (सारण) : सेवानिवृत सैनिकों ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंदूर आपरेशन में भारतीय सेना द्वारा प्राप्त की गई सफलता का उत्सव मनाते हुए बुधवार को परसा के लतरहिया,बनकेरवा में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। इस तिरंगा यात्रा का नेतृत्व भाजपा परसा पूर्वी मंडल अध्यक्ष संतोष शर्मा ने किया।इस तिरंगा यात्रा में दर्जनों सेवानिवृत सैनिक , बुद्धिजीवियों, व भाजपा कार्यकताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई । लतरहिया ढाला शुरू होकर तिरंगा यात्रा बहलोलपुर,बनकेरवा ढाला, बनकेरवा मध्य विद्यालय होते हुए ग्रामीण बैंक के समीप पहुंची ।इस यात्रा के दौरान सेवानिवृत सैनिकों ने देश भक्ति के नारों के साथ भारत माता की जय,बंदे मातरम्‍ के साथ भारतीय सेना के समर्थन में नारे लगाए ।तदोपरांत स्व. शत्रुघ्न प्रसाद की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया ।इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने सैनिकों के जज्बे को सलाम करते हुए कहा कि देश है तो हम है ।सेना है तो देश सुरक्षित है ।उन्होंने शहीद सैनिकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की ।इस दौरान सेवानिवृत सैनिक शिवनाथ सिंह, राजेंद्र शर्मा,मुकेश कुमार गिरी,हवलदार अमित कुमार ,धुरेंद सिंह,बृजकिशोर सिंह, शेरेसिया सिंह,विजय कुमार सिंह,बीससूत्री उपाध्यक्ष अजय नाथ पूरी,मुखिया सुनील कुमार राम,सरपंच जनार्दन कुमार, रौशन कुमार,वरीय नेता सभापति राय,संजय चौबे,बसंत कुमार सिंह,अभय सिंह, धर्मजीत कुमार सिंह,मनीष कुमार यादव,पंकज सिंह,विक्रम साह,मुन्ना साह,सहित दर्जनों जनप्रतिनिधि व ग्रामीण भी मौजूद थे ।

विश्व साईकिल दिवस से विश्व पर्यावरण दिवस तक तीन दिवसीय विशेष स्वीप अभियान होगा संचालित

- अध्यक्ष, स्वीप कोर कमिटि-सह-उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में स्वीप कोर कमिटि की बैठक सम्पन्न

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।अध्यक्ष स्वीप कोर कमिटि-सह-उप विकास आयुक्त सुमित कुमार की अध्यक्षता में स्वीप कोर कमिटि की बैठक सम्पन्न हुयी। उप विकास आयुक्त द्वारा बताया गया कि आगामी बिहार विधानसभा की तैयारी चल रही है, जिसमें मतदाताओं के बीच मतदान के प्रति जागरूकता लाने हेतु स्वीप कार्यक्रम चलाया जाना है ताकि चुनाव में अधिक से अधिक लोग मतदान कर सकें। उन्होंने बताया कि विभागीय दिशा-निर्देश के आलोक में विश्व साईकिल दिवस (03.06.2025) से विश्व पर्यावरण दिवस (05.06.2025) तक तीन दिवसीय विशेष स्वीप अभियान आयोजित किया जाना है। इस तीन दिवसीय विशेष स्वीप अभियान को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराना है।उप विकास आयुक्त द्वारा महाविद्यालय/अभियंत्रण महाविद्यालय/औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों पर कैम्पस एम्बेस्डर को सक्रिय करने का निर्देश दिया गया। सभी कैम्पस एम्बेस्डर को प्रपत्र 6 के माध्यम से 18-19 वर्ष के मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जोड़वाने के लिए प्रेरित करने को कहा गया। साथ ही वोटर हेल्प लाईन एप एवं सक्षम एप के बारे में लोगों को जानकारी देने को कहा गया। उन्होंने निर्देश दिया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी उपरोक्त प्रत्येक शैक्षणिक संस्थानों में प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य के माध्यम से दिनांक-03.06.2025 को साईकिल रैली निकालना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक माध्यमिक विद्यालय में 17-18 वर्ष के भावी मतदाता का मैपिंग कर संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को इसकी सूची उपलब्ध कराएं। साथ ही प्रत्येक माध्यमिक विद्यालय के एक-एक छात्रों का कैम्पस एम्बेस्डर के रूप में चयन करेंगे। यह कैम्पस एम्बेस्डर प्रपत्र 6 के माध्यम से 17-18 वर्ष के सभी भावी मतदाताओं को नाम जोड़वाने हेतु प्रेरित करेंगे। इसके अलावा यह सूची जिला शिक्षा पदाधिकारी के माध्यम से सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी/उप निर्वाचन पदाधिकारी को भी उपलब्ध करायेंगे ताकि बीएलओ द्वारा कैम्प कराकर सभी छात्र-छात्राओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ सकें। उन्होंने बताया कि दिनांक-03.06.2025 को जिलास्तर जिलास्तर एक साईकिल रैली का आयोजन किया जायेगा। यह रैली महाराजा स्टेडियम अथवा रमना मैदान से प्रारंभ होकर समाहरणालय में समाप्त होगा। इस रैली में जिला खेल पदाधिकारी अपेक्षित सहयोग करेंगे। साथ ही पश्चिम चम्पारण जिले के राष्ट्रीय/राज्यस्तरीय खिलाड़ियों को साईकिल रैली में भाग लेने के लिए आमंत्रित करेंगे।

इसुआपुर : दोहरे हत्याकांड से गंगोई शामकौरिया में पसरा मातम

इसुआपुर । इसुआपुर थाना क्षेत्र के गंगोई गांव के शंभू नाथ सिंह तथा शामकौरिया गांव के अमरेंद्र सिंह की छपरा में मंगलवार की देर संध्या हुई निर्मम हत्या से दोनों के गांवों में मातम पसरा हुआ है ।जानकारी के अनुसार गंगोई गांव के लाल बाबू सिंह का 46 वर्षीय पुत्र शंभू नाथ सिंह वर्षों से छपरा शहर स्थित उमा नगर में रहकर जमीन खरीद बिक्री का काम करते थे। स्वजनों के अनुसार जमीनी विवाद को लेकर ही अज्ञात अपराधियों के द्वारा उनके सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक शंभू नाथ सिंह तीन भाइयों में दूसरे स्थान पर थे। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही उनका शव गांव पहुंचा परिजनों के रूदन क्रंदन से गांव का माहौल गमगीन हो गया। मृतक की विधवा रिंकू देवी तथा दोनों पुत्र ओम भारद्वाज 16 वर्ष तथा आदित्य भारद्वाज 14 वर्ष दहाड़े मार कर रो रहे थे। वहीं दूसरा मृतक शामकौरिया गांव के वीरेंद्र सिंह का 45 वर्षीय पुत्र अमरेंद्र सिंह छपरा स्थित उमा नगर में अपने निजी आवास में रहते थे। मृतक अमरेंद्र सिंह एक बार मेयर का चुनाव भी लड़े थे। वे रोटरी क्लब के सदस्य भी थे। उनका गोदरेज अलमीरा का एजेंसी है। परिजनों के अनुसार अमरेंद्र सिंह तथा शंभू नाथ सिंह दोनों व्यक्ति एक साथ मिलकर जमीन खरीद बिक्री का काम करते थे। मृतक अमरेंद्र की पत्नी रूबी सिंह तथा दो पुत्र आर्यन कुमार 14 वर्ष तथा अनमोल कुमार 12 वर्ष अब बेसहारा हो गए हैं। मृतक अमरेंद्र सिंह की अंत्येष्टि रिविलगंज गंज घाट पर किया गया। वहीं शंभू नाथ सिंह की अंत्येष्टि गंगोई गांव स्थित श्मशान में किया गया। सारण विकास मंच के संयोजक वरीय नेता शैलेंद्र प्रताप सिंह, जिला परिषद की उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह, युवराज सुधीर सिंह,पूर्व मुखिया अभय सिंह, जीतू सिंह, सोनू सिंह,राजकुमार राय, योगेंद्र सिंह, महेश्वर सिंह, भूपेंद्र सिंह, लाल बहादुर सिंह, राजकुमार राय, भीष्म राय, अशोक सिंह, देवेंद्र सिंह तथा अन्य लोगों ने मृतक के घर पहुंच कर अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। वहीं शोक संतप्त परिजनों का ढ़ाढ़स बंधाया।

सब्र का बांध टूटा ग्रामीणों ने किया नारा बुलंद भवन नहीं तो वोट नहीं

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। बगहा में जहाँ भवन नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद कर विधानसभा चुनाव बहिष्कार करने का ग्रामीणों नें ऐलान किया है। दरअसल देवरिया तरुअनवा पंचायत के जनसभा में एकजुट ग्रामीणों ने हुंकार भरी है। ग्रामीणों का आरोप है की टेंडर और भेंडर के खेल में स्कूल भवन निर्माण अधर में लटका हुआ है। हालांकि इसको लेकर प्रिंसिपल से लेकर ग्रामीणों नें डीईओ समेत डीएम तक कई बार लिखित शिकायत किया है बावजूद इसके महज आश्वासन हाथ लगें हैं, लिहाजा थक हार चुके ग्रामीणों के सब्र का बांध टूट गया है और अब छात्रों व शिक्षकों की समस्याओं कों लेकर पूरा गाँव एक मंच पर इकट्ठा हो गया है। तभी तो लोग स्कूल भवन नहीं तो वोट नहीं देने की शपथ लें रहें हैं।बताया जा रहा है की बिहार में सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के हर रोज नए नए प्रयोग कर कई योजनाएँ चला रहीं है लेकिन धरातल पर इंफ्रास्ट्रक्चर का घोर अभाव है लिहाजा एक हीं कमरें में यहाँ 9 से 12 वीं तक की क्लास लगाई जाती है भेड़ बकरी की तरह छात्रों कों बैठने और पढ़ने में काफी परेशानी होती है। यहीं वजह है की खुले आसमान के निचे पेड़ की छाँव में 555 छात्र छात्राएं पढ़ने कों मजबूर हैं। हालांकि छात्रों के अनुपात में कमरों के अभाव और संसाधनों कों लेकर हेडमास्टर नें कई बार बगहा 2 बीईओ से लेकर डीईओ समेत जिलाधिकारी के जनता दरबार तक फरियाद लगाई है, विभाग नें संज्ञान भी लिया और वेंडर कों टेंडर का जिम्मा सौंप दिया गया है अब तो न वेंडर का पता है और ना हीं टेंडर लिए निर्माण एजेंसी या संवेदक हीं नजर आ रहें हैं, महिनों से अधर में लटके निर्माण कार्य से गुस्साएँ लोग संवेदक और जेई की तलाश कर शिकायत के बाद मानों थक चुके हैं लिहाजा अब एकजुटता का परिचय देकर सिस्टम कों दुरुस्त करने के लिए पंचायत बुलाई गईं है जहाँ एक स्वर में सबों नें विद्यालय भवन नहीं तो वोट नहीं। विधानसभा चुनाव में नोटा बटन दबाने का पहले शपथ लिया फिर माइकिंग कर इसका ऐलान तक कर दिया गया है। बतादें की नेपाल सीमा पर स्थित थरूहट की राजधानी हरनाटांड से सटा और घिरा हुआ अतिपिछड़ा इलाका बगहा 2 प्रखंड के देवरिया तरुअनवा 10 +2 हाई स्कूल कों अब तक भवन नसीब नहीं हुआ है जिसको लेकर ग्रामीणों नें यह ठाना है की जब तक स्कूल भवन निर्माण नहीं करवाया जाता है तब तक पुरे पंचायत से सभी लोग नोटा का बटन दबाकर सिस्टम पर प्रहार करेंगें ।

प्रखंड स्तरीय शारदीय (खरीफ) कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

अमनौरः स्थानीय प्रखण्ड मुख्यालय के कृषि भवन में बुधवार को खरीफ महाभियान 2025 के तहत प्रखंड स्तरीय खरीफ कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उद्धाटन संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर अंचल अधिकारी अजय कुमार,बीएओ संजीव सिंह प्रशिक्षु प्रखंड कृषि पदाधिकारी ईशा कुमारी,शमशेर आलम ,प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी संजीव कुमार,आत्मा अध्यक्ष सुमन शर्मा,व पूर्व जिला परिषद विक्रमा मांझी आदि ने किया।इस अवसर पर अंचलाधिकारी अजय कुमार द्वारा उपस्थित किसानों को खरीफ महाभियान खरीफ उत्पादन कार्यक्रम के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।उन्होंने खरीफ फसल में मक्का की खेती करने पर बल दिया।तथा खरीफ मौसम में कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी।वही प्रखंड कृषि अधिकारी संजीव सिंह ने मोटा अनाज की खेती करने के लिए प्रेरित किया।तथा किसानों को धान, मक्का, रागी,कोदो,बाजरा,सवा,ज्वार ,कंगनी आदि मोटे अनाज की खेती करने पर बल दिया।किसानों को फसल चक्र के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षु बीएओ ईशा कुमारी ने बतायी कि किसान पर सारा विश्व निर्भर करता है।आज भी 70 प्रतिशत किसान खेती पर निर्भर है।वही केएस तथा कृषि समन्वयक अविनाश कुमार,यशवंत सिंह , अजय कुमार सिंह,प्रशांत कुमार सिंह,चंद्रशेखर सिंह,वैभव कुमार ने भी खरीफ फसल के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए वैज्ञानिक तरीकें से खेती करने की अपील की ,तथा जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम मौसम परिवर्तन के परिपेक्ष में धान की सीधी बुआई एवं कृषि यांत्रिकरण आदि की विस्तृत जानकारी दी।मंच संचालन अजय कुमार ने किया।कार्यक्रम में किसानों द्वारा भी कई सवाल पूंछे गये।इस अवसर पर लेखपाल सुधीर कुमार,एटीएम, रामाधार यादव,राकेश सिंह, मंटू कुमार, घनश्याम मिश्रा,धीरज कुमार सिंह,नितेश कुमार, पूनम देवी,अनुराधा कुमारी आदि सहित सैकड़ो किसान मौजूद थे। वही धन्यवाद ज्ञापन यशवंत सिंह ने किया।

बिहार में बेरोजगारी पलायन चरम पर, कानून का राज भी हो चुका है खत्म : राष्ट्रीय संयोजक

छपरा। बिहार में बेरोजगारी और पलायन चरम सीमा पर है, कानून का राज खत्म हो चुका है, आए दिन हत्याएं हो रही है । उक्त बातें राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी के संस्थापक सह संयोजक शेर सिंह राणा ने साढ़ा ढाला बाजार समिति रोड स्थित एक पैलेस के सभागार में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कही। राष्ट्रीय संयोजक शेर सिंह राणा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी है, वर्ष 2020 कोरोना काल में भी पार्टी ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन कोरोना की वजह से पार्टी की तैयारी ठीक ढंग से नहीं हो पाया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 5 साल तक पार्टी ने पूरी शिद्दत के साथ मेहनत की है, बिहार के लोगों के दुख- दर्द में साथ लेकर चलने का काम किया है। संयोजक ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि पार्टी द्वारा बिहार के सभी 243 सीटों पर तैयारी की जा रही है, कई दलों के संपर्क में भी है, गठबंधन की बात भी चल रही है। लेकिन अभी कुछ कह पाना मुश्किल है। बिहार की राजनीति किस करवट जाएगी,यह तो चुनाव नजदीक आने पर ही पता चल जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में पलायन और बेरोजगारी की सबसे बड़ी समस्या है, बिहार की जनता ने मेरे पार्टी का साथ दिया तो सबसे पहले हर घर नौकरी और बेरोजगारी भत्ता की दिशा में कार्य करेगी। पार्टी के संस्थापक संयोजक शेर सिंह राणा ने कहा कि राजपा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। बिहार में कानून का राज ध्वस्त हो चुका है, समस्याएं अपार है, सरकार इस दिशा में ईमानदारी से काम नहीं कर पा रही है। उन्होंने कार्यकताओं को संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि सरकार में हमारे दल का प्रतिनिधित्व मिला तो, निश्चय ही बिहार के बेरोजगारी और पलायन की दिशा में ठोस कदम उठाया जाएगा। जनता की बुनियादी जरूरत के दिशा में सकारात्मक ढंग से कदम उठाया जाएगा। अध्यक्ष शेर सिंह राणा ने अपने संबोधन ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होती है, सभी को साथ लेकर चलने से ही सत्ता के करीब पहुंचा जा सकता है। राष्ट्रीय संयोजक ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार बेरोजगारी और पलायन के साथ-साथ राजनीतिक रूप से भी पिछड़ा है, क्राइम का ग्राफ बढ़ रहा है, रोजगार नहीं होने से बिहार के लोग रोजी-रोटी के अभाव में पलायन कर दूसरे राज्यों में जाने को विवश हैं। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमारी पार्टी को इस चुनाव में एक मौका दें, जनता की उम्मीद पर खडा उतरने का प्रयास करेंगे ' इस कार्यक्रम में राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी के कई पदाधिकारिओं ने संबोधित करते हुए कार्यकताओं से पार्टी के मेनिफेस्टो पर कार्य करने का जोड़ देते हुए बिहार विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ तैयार रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी के जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने भी अपने संबोधन में पार्टी की मजबूती और सबों को साथ लेकर चलने का की जरूरत पर बल दिया। इस अवसर पर दर्जनों से अधिक कार्यकताओं को मोमेंटो और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक द्वारा मीडिया गण को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कुपोषित बच्चों के लिए जीवनदान बना सदर अस्पताल का पोषण पुनर्वास केंद्र

126 कुपोषित बच्चों का उपचार कर किया गया सुपोषित

- कुपोषण के दर में कमी लाने के लिए स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्ध

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा। जिले में कुपोषित बच्चों के समुचित इलाज की व्यवस्था के लिए सदर अस्पताल में पोषण पुनर्वास केंद्र संचालित किया जा रहा है। पोषण पुनर्वास केंद्र कुपोषित बच्चों के लिए जीवनदान साबित हो रहा है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 126 कुपोषित बच्चों का उपचार किया गया है, जो अब स्वस्थ जीवन जी रहें है। सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि जिले में कुपोषण के दर में कमी लाने के उद्देश्य से कुपोषण को दूर करने लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई स्तर पर महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है। कुपोषित बच्चों के बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल में पोषण पुनर्वास केंद्र संचालित किया जा रहा है। सिर्फ 10 से 15 फीसद अति गंभीर कुपोषित बच्चों को संस्था आधारित देखभाल की जरूरत होती है। अति गंभीर कुपोषित बच्चों को स्वस्थ करने के लिए उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्रों में भेजा जाता है। एक अध्ययन के मुताबिक केवल 10 से 15 फीसद ही अति-गंभीर कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भेजने की जरूरत है। 90 फीसद बच्चे समुदाय आधारित देखभाल से ही स्वस्थ हो सकते हैं। बच्चों की देखभाल में लापरवाही और समाजिक कारणों से कुपोषण की स्थिति पैदा हो जाती है। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कुपोषित बच्चों की पहचान करें और उन्हें तुरंत एनआरसी भेजें। अतिकुपोषित बच्चों को 21 दिनों तक रखने का प्रावधानःसिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि कुपोषित बच्चों के लिए यहां वार्ड बनाए गए हैं, जहां उपचार के साथ उन्हें अक्षर ज्ञान का भी बोध कराया जाता है। कुपोषित बच्चों व मां को आवासीय सुविधा प्रदान किया जाता है। पौष्टिक आहार की व्यवस्था है। 21 दिन तक रखने का प्रावधान है। जब बच्चे के वजन में बढ़ोतरी होने लगता है तो, उसे 21 दिन के पूर्व ही छोड़ दिया जाता है। सदर अस्पताल में संचालित है 20 बेड का एनआरसी सेंटरः जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी रमेशचंद्र कुमार ने बताया कि एनआरसी में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के इलाज और पुनर्वास की व्यवस्था उपलब्ध है। गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के लिए एनआरसी में 20 बेड की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि जिले में जन्म के बाद नवजात शिशुओं का सही देखभाल नहीं होने से भी कुपोषण की स्थिति उत्पन्न होती है। समय पर बच्चों की देखभाल न होने पर मृत्यु दर बढ़ जाती है। 100 में से 85 बच्चे उपचारित हो जाते हैं यदि उन्हें समय पर चिकित्सकीय सहायता मिल जाए। देरी होने पर यह संख्या घटकर 10झ15 प्रतिशत ही रह जाती है। भर्ती बच्चों की मां को प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। आंगनबाड़ी की सेविका व आशा कार्यकताओं द्वारा सर्वे करके कुपोषित बच्चों की पहचान की जाती है और बच्चों को बेहतर उपचार के लिए एनआरसी लाती हैं।

सेमरिया श्मशान घाट पर हुआ मृतक अमरेंद्र सिंह की अंत्येष्टि

मंत्री,विधायक समेत कर राजनीतिक,सामाजिक एवं खेल संगठनों के प्रतिनिधि रहे उपस्थित

रिविलगंज। छपरा के व्यवसायी अमरेंद्र कुमार सिंह एवं उनके सम्बन्धी पूर्व मुखिया शम्भू सिंह का मंगलवार की देर शाम में हुई हत्या के बाद बुधवार को सरयू नदी के किनारे सेमरिया श्मशान घाट पर अमरेंद्र सिंह का अंत्येष्टि हुआ ।इस अंत्येष्टि में सूबे के मंत्री एवं अमनौर के भाजपा विधायक कृष्ण कुमार मंटू सेमरिया श्मसान घाट पर पहुँच कर मृत शरीर को नमन किया एवं उनके पुत्र आर्यन ,बड़ा भाई अरुण,छोटे भाई पंकज से मिलकर ढाढस बढ़ाते हुए कहा कि हम जिला प्रशासन एवं पुलिस कप्तान से इस जघन्य हत्या पर बात कर अपराधी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कराने का प्रयास करेंगे ताकि कानून व्यवस्था बहाल सुद्दढ़ हो सके। सारण के सांसद राजीव प्रताप रूडी ने समाजसेवी एवं व्यवसायिक अमरेन्द्र सिंह एवं पूर्व मुखिया शम्भू सिंह को अपराधियों द्वारा जघन्य हत्या पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी घटना सारण जैसे शांति प्रिय जगह पर होना बहुत खराब है , जिला प्रशासन तुरन्त इस पर कार्रवाई करके अपराधियो को धर दबोचे ताकि अपराधियों को मनोबल कमजोर हो एवं इस तरह के घटना न करने का साहस करे ।फिलहाल सारण सांसद सिंदूर ऑपरेशन को बताने के लिये केंद सरकार के शिष्टमण्डल में विदेश में है। छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि हम अंत्येष्टि में आने से पहले सारण के डी आई जी से एक शिष्टमण्डल के साथ मिला जिसमे पूर्व प्राचार्य अरुण कुमार सिंह , सीपीएस के डायरेक्टर डॉ. हरेंद्र सिंह शामिल थे। इस घटना के जानकारी एवं हत्यारे को जल्द से जल्द गिरप्तार किया जाय एवं छपरा में अमन चैन की व्यवस्था जल्द हो। सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने ऐसी घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन को ऐसी घटना पर अंकुश लगाने की जरूरत है। अंत्येष्टि में रिविलगंज प्रखण्ड 20 सूत्री अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष श्रीनिवास सिंह, गरखा के जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि अजय मांझी,रिविलगंज प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी रितेश कुमार सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश उपाध्यक्ष खेल शिक्षक सुरेश सिंह पूर्व के वरिष्ठ पत्रकार डॉ एच के वर्मा ,रिविलगंज नगर पंचायत के चेयरमैन प्रतिनिधि मुकेश कुमार यादव उर्फ सोनू , सत्येंद्र शर्मा ,अनुरंजन प्रसाद सहित सारण जिला के रोटेरियन , खेल कमिटी के वरिस्ठ लोग अपनी नम आंखों से समाजसेवी , कई खेल प्रकोष्ठ में बढ़ावा देने वाले एवं एक अच्छे व्यवसायिक अमरेन्द्र की हत्या से मर्माहत है। रिविलगंज शमसान घाट पर हजारो की संख्या में अमरेंद्र सिंह के प्रेम रखने वाले शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

तीन दिवसीय कराटे प्रशिक्षण के बाद छात्र छात्राओं को मिला सर्टिफिकेट

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत संचालित उत्क्रमित उच्च विद्यालय कल्याणपुर में तीन दिवसीय कराटे प्रशिक्षण के बाद बुधवार को छात्र छात्राओं के बीच सर्टिफिकेट वितरण किया गया।बता दें कि नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट कराटे खिलाड़ी नीतीश कुमार गिरी के द्वारा उत्क्रमित उच्च विद्यालय कल्याणपुर के वर्ग नवम एवं दशम के छात्र-छात्राओं को कराटे के माध्यम से आत्मा रक्षा एवं पलटवार हेतु प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में लगभग 250 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था। जिसमें से ऋतु, रानी, खुशी, काजल, संगम, अंजली, सोनालिका, आशा, चांदनी, साक्षी, प्रीति, आयुषी, सपना, मौसमी,रीना,प्रभात, सोनू, नीतीश, आदित्य, अमित, सौरभ, अमरदीप, दुर्गेश, सतीश, आयुश, सुजीत, बिट्टू,अभय सहित कुल 40 छात्र छात्राओं को चयनित कर सर्टिफिकेट दिया। मौके पर उच्च माध्यमिक के प्रभारी प्रधानाध्यापक उमेश कुमार राउत, मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश राय,शिक्षक एवं शिक्षिका अंकेश कुमार, मनोज कुमार चौरसिया, दीपिका कुमारी, अदिति प्रज्ञा, प्रकाश कुमार, कुमारी प्रेमलता, आशा कुमारी, रजनीश ईसर, श्रीनारायण यादव, गुलाबचंद आदि मौजूद थे।

बाईक की ठोकर से अंधेड व्यक्ति की हुई मौत

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के समसतीपुर दरभंगा मुख्य पथ के परतापुर में पैदल जा रहे अधेड़ को बाईक सवार युवक ने ठोकर मार दिया । अधेड़ व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से जख्मी व्यक्ति को ईलाज के लिए समस्तीपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां ईलाज के दौरान देर रात जख्मी व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक व्यक्ति की पहचान बतहू राम के 60 वर्षीय पुत्र रामवृक्ष राम के रूप में हुई है। वही ठोकर मारने के बाद बाईक चालक बाईक छोड़कर भाग निकला। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही एस आई मनोज कुमार मौके पर पहुंचे मृतक शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। वहीं पोस्टमार्टम के उपरांत शव को परिजन के हवाले कर दिया ।वहीं थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि मृतक के परिजन के द्वारा आवेदन देने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

पुरस्कार का वितरण

कल्याणपुर समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र के बुनियादी विद्यालय जर्नादनपुर में एवं माध्यमिक उच्च विद्यालय पुरुषोत्तमपुर के द्वारा मसाला कार्यक्रम के तहत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।वहीं प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर संकुल स्तरीय 109 प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार का वितरण प्रखंड उप प्रमुख दीपक राय ने किया ।मौके पर प्रभारी एच एम धीरेंद्र कुमार धीरज , लोकेश नाथ,कुंदन कुमार सहित सभी शिक्षक मौजूद थे।

बाल संसद का शपथ ग्रहण समारोह पूर्वक संपन्न

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय ढोढ़िया में बाल संसद का शपथ ग्रहण समारोह पूर्वक आयोजित की गई। समारोह के अध्यक्षता प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार बादल एवं संचालन संजीव कुमार कर रहे थे। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड लेखापाल एवं भूमि दाता राम प्रमोद सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में संकुल समन्वयक नीरज कुमार एवं संकुलाधीन प्रधानाध्यापक संतोष कुमार, चंदन जायसवाल, हेमंत कुमार, महेश राउत, शशि कुमार, लक्ष्मण कुमार, उर्मिला कुमारी, लक्ष्मण पासवान, शमशेर आलम, संतोष कुमार, प्रशांत कुमार की उपस्थिति में प्रधानमंत्री के पद पर अंशिका कुमारी, उप प्रधानमंत्री के पद पर कृष्ण नंदन कुमार, शिक्षा मंत्री के रूप में प्रियांशु कुमारी, स्वास्थ्य मंत्री शिवम कुमार, कृषि मंत्री निकिता कुमारी, पुस्तकालय एवं विज्ञान मंत्री अनीश राज, खेल मंत्री अन्नु कुमारी, सुरक्षा एवं न्याय मंत्री के रूप में सौरभ कुमार ने शपथ लिया। मौके पर शिक्षक बनारसी सिन्हा, आनंद कुमार, ममता कुमारी, सुनीता कुमारी, रंजुला, गौरव सिंह, माला कुमारी, प्रीति कुमारी, सपना कुमारी, अजीत दास, अनिता कुमारी आदि मौजूद थे। मोहम्मद फिरोज के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही समारोह संपन्न हुआ।

विश्व माहवारी दिवस पर कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुसहरी प्रखंड अंतर्गत पताही स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर जिला पदाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में समारोह का आयोजन किया गया इसका शुभारंभ जिलाधिकारी सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए सभी बच्चियों को अपने-अपने स्वास्थ्य, अपने शरीर एवं परिवेश की स्वच्छता, पौष्टिक एवं संतुलित आहार पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने समाज में पूर्व से चली आ रही भ्रांति को दूर करते तथा इस अवस्था में किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर अस्पताल एवं डॉक्टर के पास जाने की सलाह दी।इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा बच्चियों के बीच स्वच्छता कीट का भी वितरण किया गया।समारोह को उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी ने भी संबोधित किया तथा इसे शरीर की प्राकृतिक एवं सामान्य प्रक्रिया बताते हुए बच्चियों को जागरूक होने की आवश्यकता पर बल दिया।जागरूकता कार्यक्रम के तहत विद्यालय की बच्चियों को ट्रेंड डॉक्टर द्वारा आवश्यक जानकारी भी दी गई। जिलाधिकारी ने इस अभियान में माता-पिता, शिक्षक, अभिभावक, अधिकारी आदि सभी लोगों के सतत प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि सभी महिला/ किशोरी 181 डायल करके आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकती है। कार्यक्रम का संचालन डीपीओ आईसीडीएस तथा धन्यवाद ज्ञापन महिला विकास निगम की डीपीओ ने की।मौके पर जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जिलांतर्गत सभी 14 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के खाली जमीन पर दो मंजिला भवन बनाये जाएंगे। इसके नीचले तल पर बच्चियों की गतिविधि के लिए वृहत हॉल होगा जबकि द्वितीय तल पर बच्चियों के लिए कंप्यूटर एवं पुस्तकालय के लिए व्यवस्था होगी। उन्होंने विद्यालय में नियमित रूप से महीने में दो बार हेल्थ चेकअप हेतु डॉक्टर की उपस्थिति सुनिश्चित कराने का निर्देश सीएस को दिया। विद्यालय में सैनिटरी पैड के लिए वेंडिंग मशीन लगी हुई है। इस प्रकार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में बच्चियों के लिए न केवल पढ़ाई-लिखाई बल्कि उनके संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास का ध्यान रखा गया है। इस दौरान जिलाधिकारी ने हॉस्टल के रसोईघर तथा इसकी साफ सफाई का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संचालिका को प्रतिदिन मेनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन ससमय उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कंप्यूटर कक्ष, शौचालय तथा परिसर की साफ -सफाई का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संचालिका को नियमित रूप से परिसर, शौचालय, रसोईघर , वर्ग कक्ष आदि की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। समारोह में उप विकास आयुक्त श्री श्रेष्ठ अनुपम सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री अजय कुमार सिंह जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस श्रीमती ममता वर्मा,प्रखंड विकास पदाधिकारी मुसहरी श्री चंदन कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मुसहरी डॉक्टर प्रीति कुमारी मुखिया श्री संजय कुमार सहित कई अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत शिविर आयोजित

मुजफ्फरपुर। जिले के मरवन प्रखंड अंतर्गत गवासरा पंचायत के कर्जाअनंत महादलित टोला में डॉ अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया।में भाग लिया। शिविर में जिला पदाधिकारी द्वारा लाभुकों को जॉब कार्ड, राशन कार्ड, श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, चश्मा, वासगीत पर्चा आदि हस्तगत कराया गया। साथ ही टोला में आंगनबाड़ी केंद्र के लिये नया भवन बनाने, सामुदायिक भवन का निर्माण करने, संपर्क पथ बनाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजना से कोई भी परिवार और टोला वंचित नहीं रहे। उन्होंने अधिकारियों को स्वयं टोला का भ्रमण कर निरीक्षण करने तथा कोई भी परिवार छूटा हुआ नहीं है, इसे सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने समाज के सबसे नीचले तबके हेतु संचालित कार्यक्रम को गंभीरता से लेने तथा जरूरतमंद व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होकर लाभान्वित करने की आवश्यकता पर बल दिया। विदित हो कि हर टोला, हर परिवार एवं हर सेवा के संकल्प के साथ एससी एसटी टोलों में डॉ अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत संचालित कार्यों की जिलाधिकारी द्वारा नियमित समीक्षा कर प्रगति लाई जा रही है ताकि उन टोलों में कोई भी परिवार सरकारी सेवा से वंचित नहीं रहे। इसके लिए योजना/ सेवा के तहत प्राप्त एवं निष्पादित आवेदन का रेगुलर रिव्यू कर काफी प्रगति लाई गई है ।डॉ अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत बुधवार को जिले में कुल 142 टोले में शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 12 हजार 497 परिवारों को आच्छादित किया गया है। जिले में अब तक 1642 महादलित टोले में शिविर का आयोजन किया जा चुका है जिसमें 1 लाख47 हजार 069 परिवारों को आच्छादित किया गया है। जिलाधिकारी ने एससी एसटी परिवार के लोगों से बुधवार एवं शनिवार को शिविर में जाने तथा लाभ उठाने की अपील की है।

सीमा पर तस्करी रोकने में 48वीं वाहिनी एसएसबी को बड़ी सफलता भारी मात्रा में नेपाली शराब जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी कमला के सतर्क जवानों ने नेपाल से भारतीय क्षेत्र में हो रही शराब तस्करी को विफल करते हुए भारी मात्रा में नेपाली शराब जब्त की है तथा एक तस्कर को मौके से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 271/-1 से लगभग 500 मीटर भारतीय क्षेत्र में की गई। जवान रात्रि नाका ड्यूटी पर तैनात थे, तभी उन्होंने नेपाल की ओर से आ रही चार मोटरसाइकिलों पर लदी शराब की खेप को रोका। कार्रवाई के दौरान गौरव सोफी ब्रांड की 60 बॉक्स नेपाली शराब (प्रत्येक बॉक्स में 30 बोतल, कुल 1800 बोतलें (540 लीटर) जब्त की गई।घटनास्थल से एक तस्कर अनिल कुमार दास पिता दुखी दास उम्र 24 वर्ष, निवासी गांव इनारावा कचहरी टोल, वार्ड संख्या 7 जयनगर, जिला मधुबनी, बिहार 847226 को गिरफ्तार किया गया है। शेष तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर मोटरसाइकिलों और शराब को छोड़कर नेपाल की ओर फरार हो गए।जब्त शराब गिरफ्तार तस्कर एवं बरामद मोटरसाइकिल को अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु संबंधित थाना को सौंपने की प्रक्रिया प्रचलित है।कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी, 48वीं वाहिनी, ने जवानों के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु सशस्त्र सीमा बल पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

डॉ. एस. के. सिंह को मिला फेलोशिप सम्मान फल रोग प्रबंधन में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। देश के प्रख्यात फल रोग विशेषज्ञ एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर-कम-चीफ साइंटिस्ट के पद पर कार्यरत डॉ. एस. के. सिंह को बागवानी क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक, नवाचारपूर्ण एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए कंसोर्टियम ऑफ हॉर्टिकल्चर एसोसिएशंस ऑफ इंडिया फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें 28 मई, को बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर में आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया।ह्वअमृतकाल में बेहतर आजीविका के लिए बागवानी के त्वरित विकासह्व विषय पर आधारित इस सम्मेलन में देशभर से कृषि वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, नीति-निमार्ताओं, विस्तार अधिकारियों एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। डॉ. सिंह की अनुपस्थिति में आयोजित सम्मान समारोह में उनके उल्लेखनीय योगदानों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया और उन्हें प्रशस्ति पत्र, सम्मान पट्टिका एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।डॉ. सिंह को यह सम्मान कंसोर्टियम आप हार्टिकल्चर एसोसिएशन आफ इंडिया की खोज समिति की सिफारिश और निदेशक मंडल की स्वीकृति के बाद प्रदान किया गया है। डॉ. एस. के. सिंह पिछले तीन दशकों से फल रोग प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षण और तकनीकी विस्तार में सक्रिय हैं। केले की फ्यूजेरियम विल्ट तथा पपीते की जड़ गलन रोग के जैविक प्रबंधन हेतु उनके नेतृत्व में विकसित किए गए माइक्रोबियल कंसोर्टिया को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है।

खुशबू देवी नीति आयोग के राष्ट्रीय सेमिनार में करेगी शिरकत, वीडियो कांफ्रेंसिंग से करेगी बिहार का प्रतिनिधित्व

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर , स्वराज खबर।ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलने तथा ग्रामीण सूक्ष्म उद्यम के द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु मुजफ्फरपुर जिले के मड़वन प्रखंडांतर्गत रूपवरा पंचायत के रसूलपुर गांव की निवासी श्रीमती खुशबू देवी 4 जून को नीति आयोग, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सेमिनार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर लोगों को अपना अनुभव एवं विचार शेयर करेंगी। उल्लेखनीय है कि श्रीमती खुशबू देवी ग्रामीण क्षेत्र में मच्छरदानी जैसे सूक्ष्म उद्यम स्थापित कर कई लोगों को रोजगार प्रदान की है तथा अब लखपति दीदी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। साल 2009 से मच्छरदानी बनाने का काम करने वाली खुशबू को साल 2013 में जीविका के गंगा समूह से जुड़ने का मौका मिला और उसके बाद जीविका समूह जीविका द्वारा संचालित इनक्यूबेशन फंड के माध्यम से अपने व्यापार को एक नया आयाम दिया। पूरे बिहार में डेढ़ सौ लोगों को इस फंड का लाभ मिला है, जो अपने व्यापार को बढ़ाने में इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इस फंड के माध्यम से मुजफ्फरपुर जिले में 10 लोगों को लाभ मिल रहा है। 2 लाख 67 हजार रुपये प्रति लाभार्थी इस योजना के तहत उन्हें दिया गया है। खुश्बू देवी प्रतिज्ञा मच्छरदानी महिला उत्पादन केंद्र के तहत 62 लोगों को रोजगार दे रही हैं और अब हर दिन सैकड़ो मच्छरदानी बनाकर अपना व्यापार कर रही हैं ।खुशबू देवी की कहानी भले ही साधारण लगे लेकिन गर्व करने वाली बात यह है कि मुजफ्फरपुर जिले के छोटे से गांव से निकलकर वह अब पूरे भारत में अपनी पहचान बना रही हैं। इसी कड़ी में शनिवार को केंद्र सरकार द्वारा आयोजित ग्राम समृद्धि कार्यशाला में उनका चयन पैनलिस्ट के रूप में हुआ और पूरे भारत से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बड़े-बड़े अधिकारियों के साथ ही माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी अपने सम्बोधन से इन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि लखपति दीदियाँ आज पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बना रही है। खुशबू देवी आज अपने हुनर से लखपति बन गई है इसके साथ ही 62 लोगों को वह रोजगार दे रही है।

नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा नि:शुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर द्वारा भारत सरकार की नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए एक निशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर का आयोजन सीमा चौकी महादेवपट्टी के कार्यक्षेत्र अंतर्गत ग्राम माँ दुर्गा मंदिर, हिसार में किया गया, जो कि कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस चिकित्सा शिविर का नेतृत्व डॉ. जुगल डेका ऐसी एम ओ 20वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल सीतामढ़ी अतिरिक्त प्रभारः 48वी वाहिनी जयनगर द्वारा किया गया।शिविर के दौरान स्थानीय ग्रामीणों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार दवाइयों का निशुल्क वितरण भी किया गया। साथ ही डॉ. जुगल डेका ,द्वारा वर्तमान मौसम में होने वाली आम बीमारियों एवं उनके रोकथाम के उपायों की जानकारी भी ग्रामीणों को प्रदान की गई।इस मानव चिकित्सा शिविर में कुल 106 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ह्लसशस्त्र सीमा बल केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा ही नहीं करती, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों के कल्याण और सहयोग हेतु भी निरंतर प्रयासरत रहती है। ग्रामीणों ने इस आयोजन के लिए सशस्त्र सीमा बल का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी शिविरों के आयोजन की मांग की है।

स्कूल जा रहे शिक्षक की गोली मारकर हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

सिंहवाड़ा(दरभंगा)। भरवाड़ा कमतौल पथ पर बुधवार की सुबह स्कूल जा रहे शिक्षक की हत्या अपराधियों ने गोली मार कर कर दी। दिनदहाड़े गोली मार कर हुई हत्या से क्षेत्र में दहसत फैल गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर भरवाड़ा कमतौल पथ को लगभग एक घंटे तक जाम रखा। लोग अपराधियों की अबिलंब गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। मृतक प्राथमिक विद्यालय नासिरगंज निस्ता में शिक्षक थे। शंकरपुर में किराये पर मकान लेकर सपरिवार रह रहे थे। मृतक की पहचान 55 वर्षीय मो मंसूर आलम के रूप में की गई है। मृतक का घर मधुबनी जिला के बेनीपट्टी के गांव बलिया पोस्ट तीसी नरसाम बताया गया है। मौके पर एसडीपीओ ज्योति कुमारी, सिंहवाड़ा, जाले, कमतौल थाना की पुलिस पहुंच गई। एसएफएल की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया गया है कि सवेरे लगभग छह बजे शिक्षक अपने डेरा से विद्यालय साइकिल से जा रहे थे। जैसे ही नगर पंचायत भरवाड़ा बाजार स्थित दोसिमना चौक से भरवाड़ा कमतौल पथ पर लगभग डेढ़ किलोमीटर आगे बढ़े कि अपराधियों ने उनके कान के ऊपर एवं पीठ पर गोली मार दी। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शिक्षक साइकिल समेत सड़क के बगल में गड्ढे में लूढके हुए थे और अपराधी मौके से भाग चुके थे। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ ज्योति कुमारी, सिंहवाड़ा थानाध्यक्ष मनोज कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंच गए। जाले एवं कमतौल थाना की पुलिस के साथ मिलकर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए नाकेबंदी शुरू की गई। इधर पति के मौत की जानकारी मिलते ही पत्नी खैरुनिसा, पुत्री जिकरा खातून, बुसरा खातून, रुसदा खातून एवं पुत्र मो उस्मान, मो आफान भी बिलखते हुए मौके पर पहुंच गए। मौके पर मौजूद ग्रामीण एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने उन्हें ढाढस बंधाना शुरू किया। शिक्षक के मौत की जानकारी मिलते ही बीईओ विनोद कुमार, नरेंद्र कुमार एवं बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद पहुंच गए।

हत्या का प्रयास मामले में पति,ससूर व सास दोषी करार

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नागेश प्रताप सिंह की अदालत ने दहेज के लिए एक नव विवाहिता को केरोसिन छिड़क कर हत्या का प्रयास मामले में पति,ससूर और सास को दोषी करार दिया गया है।वहीं दोषसिद्ध तीनों जूर्मियों के सजा अवधि का निर्धारण के बिन्दु पर सुनवाई और निर्णय के लिए 10 जून की तिथि निर्धारित किया है। कोर्ट ने बुधवार को इस मामले का सत्रवाद सं.29/22 का बिचारण पुरा कर बहादुरपुर थानाक्षेत्र के देकूली निवासी राम सोगारथ यादव का पुत्र मोनू कुमार यादव(पति),ससूर राम सोगारथ यादव और सास अनीता देवी को भादवि की धारा 307(हत्या का प्रयास),और धारा 498(ए) (गृहप्रताड़ना)में दोषी घोषित किया है।कोर्ट ने तीनों अभियुक्तों का वेल वॉण्ड खंडित कर मंडलकारा दरभंगा भेज दिया है।अभियोजन पक्ष का संचालन कर रहे एपीपी चमक लाल पंडित ने बताया कि 16 जनवरी 21 की सुबह देकूली गांव में मह एक बर्ष पूर्व ब्याही गई अनुपम कुमारी को पति ,सास ससूर ने पांच लाख रुपया दहेज की मांग को लेकर केरोसिन छिड़क जला दिया।घटना की सुचना पर पहूंचे विवाहिता के पिता उसे जले अवस्था में उठाकर वर्न हॉस्पिटल पंडासराय में इलाज कराया।इसकी प्राथमिकी जख्मी पीड़िता के पिता सदर मब्बी थानाक्षेत्र के शीशो पश्चिमी निवासी बचनदेव प्रसाद ने 20 जनवरी 21 को बहादुरपुर थानाकांड सं. 45/21 संस्थित कराया था।

अनुमंडल अस्पताल के कुव्यवस्था देख विधायक भड़के

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। अनुमंडल अस्पताल बेनीपुर का प्रो.विनय कुमार चौधरी ने बुधवार को औचक निरीक्षण कर कोरोना की संभावित खतरे से निबटने की तैयारी का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल व्याप्त कुव्यवस्था को देखकर काफी नाराजगी व्यक्त की। जल्द से जल्द सुधार का निर्देश अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक एवं स्वास्थ्य प्रबंधक को दिया।निरीक्षण के क्रम में अस्पताल में पदस्थापित 21 चिकित्सक में मात्र दो चिकित्सक डॉ संजय सिंह एवं डॉ किरण भारती के साथ-साथ अस्पताल उपाधीक्षक डॉक्टर कुमारी भारती उपस्थित थे शेष गायब मिले।उन्होंने ने स्वास्थ्य प्रबंधक राहुल सिंह से पदस्थापित चिकित्सकों का रोस्टर का अनुपालन सुनिश्चित करवाने का निर्देश दिया साथ ही अनुपस्थित चिकित्सकों के विरुद्ध प्रतिवेदन उच्च अधिकारी को भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पताल उपाधीक्षक से कोरोना वेरिएंट से सुरक्षा के लिए अब तक उठाए गए कदम के संबंध में विस्तृत जानकारी उपाधीक्षक डॉक्टर भारती ने बताया कि वर्तमान समय में अनुमंडल अस्पताल में बी टाइप के 55, डी टाइप के 88 एवं कॉन्सुलेशन के 68 सिलेंडर मौजूद रहने की बात बताई गई । गत कोरोना काल में स्थापित किए गए ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट में तकनीकी खराबी की बात बताई गयी। विधायक चौधरी ने तत्काल स्वास्थ महकमे के आला अधिकारी को इसकी जानकारी देते हुए अविलंब मरम्मत करने की मांग की साथ ही अस्पताल के ऊपरी तल पर कम से कम 50 बेड का कोरोना वार्ड तैयार रखने का निर्देश दिया।उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य प्रबंधक रीना सिंह से मुखातिब होते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नियमित आउटडोर संचालित करवाने का निर्देश दिया।

सीईटी बीएड परीक्षा सम्पन्न,राज्य भर के 214 केंद्रों पर 1,18,811 परीक्षार्थी हुए शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। बिहार राज्य के राज्यपाल सह कुलाधिपति द्वारा मनोनित नोडल विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा दो वर्षीय बी.एड. एवं शिक्षा शास्त्री में नामांकन को प्रवेश परीक्षा सीईटी - बी.एड. 2025 28 मई , बुधवार को शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई। नोडल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी ने इस संबंध में कहा कि ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय को लगातार छठी बार नोडल विश्वविद्यालय नामित किया गया। माननीय कुलाधिपति के इस विश्वास के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही , इस परीक्षा को शान्ति पूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में संबंधित शहरों में जिला प्रशासन ने जो अथक प्रयास किया है उसके लिए जिला प्रशासन को भी धन्यवाद देता हूँ। पूरे बिहार राज्य में परीक्षा शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त सम्पन्न हुई। सफलतापूर्वक परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए कुलपति ने सीईटी -बी.एड. राज्य नोडल पदाधिकरी एवं उनकी टीम को बधाई दी। विश्वविद्यालय वित्त परामर्शी इन्द्र कुमार एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. दिव्या रानी हंसदा ने शान्तिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त राज्य स्तरीय परीक्षा के आयोजन पर खुशी जाहिर की।सीईटी बी.एड. 2025 के राज्य नोडल पदाधिकारी प्रो अशोक कुमार मेहता ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि कहा इस वर्ष कुल 1,31,629 अभ्यर्थियों ने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया था। इनमें 52,414 पुरुष और 78,994 महिलाएं तथा अन्य 3 एवं शिक्षा शास्त्री के कुल 218 अभ्यर्थी शामिल हुए। बिहार राज्य के 11 शहरों में 214 परीक्षा केन्द्रों पर बुधवार को सुबह 11 बजे से 1 बजे तक परीक्षा का आयोजन हुआ। सम्पन्न परीक्षा में कुल 1,18,811 अभ्यर्थी शामिल हुए जिसमें 47,300 पुरूष एवं 71,329 महिला अभ्यर्थी रहें। शिक्षा शास्त्री में 182 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। इसमें पटना शहर में महिला 20,199, पुरूष 15,500 अभ्यर्थी; हाजीपुर में महिला 2602, पुरूष 1418 अभ्यर्थी; छपरा में महिला 2610, पुरूष 1150 अभ्यर्थी; आरा में महिला 3796, पुरूष 2333 अभ्यर्थी; गया में महिला 8303, पुरूष 6867 अभ्यर्थी; मुजफ्फरपुर में महिला 10461, पुरूष 5973 अभ्यर्थी; दरभंगा में महिला 9293, पुरूष 5596 अभ्यर्थी एवं शिक्षा शास्त्री 182, मधेपुरा में महिला 3099, पुरूष 2329 अभ्यर्थी; भागलपुर में महिला 5017, पुरूष 2782 अभ्यर्थी एवं मुंगेर में महिला 2850, पुरूष 1629 अभ्यर्थियों की उपस्थिति रहीं।

सौराठ महोत्सव 2025 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिलाधिकारी ने किया बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सौराठ महोत्सव 2025 के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि ऐतिहासिक सौराठ सभागाछी में आगामी 5 एवं 6 जून को दो दिवसीय सौराठ महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।5 जून की संध्या में महोत्सव का उद्घाटन समारोह किया जाएगा।उद्घाटन के उपरांत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें नामी गिरामी कलाकारों के साथ साथ स्थानीय कलाकारों द्वारा मिथिला की लोककला, नृत्य, गीत आदि भी प्रस्तुत किए जाएंगे। 6 जून 2025 (गुरुवार) को पंजी प्रथा, मिथिला की ऐतिहासिक सामाजिक व्यवस्था एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी। कवि सम्मेलन का भी होगा आयोजन, जिसमें स्थानीय एवं क्षेत्रीय कवि भाग लेंगे। संध्या में पुनः सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमें विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित की जाए ।उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यक्रम का विस्तृत प्रचार-प्रसार पारंपरिक एवं डिजिटल माध्यमों से करे ताकि अधिकाधिक लोग महोत्सव से जुड़ सकें। इसके अतिरिक्त बैठक में कलाकारों का चयन, आमंत्रण पत्र निर्गमन, कार्यक्रम की रूपरेखा तय करना, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, एवं मेडिकल सुविधाओं की व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने महोत्सव स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधा, जलापूर्ति, शौचालय की व्यवस्था, वाहन पार्किंग, एवं स्वच्छता अभियान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय एवं टीम भावना के साथ कार्य करने का निर्देश दिया ताकि सौराठ महोत्सव को एक स्मरणीय एवं गरिमामयी आयोजन बनाया जा सके।- उक्त बैठक में डीपीआरओ परिमल कुमार,जिला शिक्षा पदाधिकारी मो0जावेदआलम,एसडीओ सदर चंदन झा,प्रभारी पदाधिकारी कला एवं संस्कृति,हेमंत कुमार,बीडीओ रहिकासीओ रहिका,शेखर चंद्र मिश्रा, शंभु नाथ झा,मुखिया ग्राम पंचायत सौराठ आदि उपस्थित थे।

प्रथम श्रेणी से अल्पसंख्यक छात्र छात्राओं को 15 हजार रुपये मिलेगा : जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत वर्ष 2025 में प्रथम श्रेणी से उत्तीण अल्पसंख्यक (मुस्लिम) छात्र-छात्राओं को 15 हजार रुपए के दर से छात्रवृति की राशि का भुगतन किया जाना है। इसकी जानकारी देते हुए जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को यह राशि देने के लिए इंटर स्तरीय उच्च विद्यालय तारापुर, +2 हाई स्कूल नौवगढ़ी, बीएम कॉलेज हवेली खडगपुर,. बीएन +2 हाई स्कूल मुंगेर, बीआरएम कॉलेज मुंगेर, बालिका उच्च विद्यालय जमालपुर, बाल्मीकि राजनीति बालिका उच्च विद्यालय माधोपुर, गांधी मेमोरियल +2 स्कूल मुजफ्फरगंज, सरकारी इंटर कॉलेज मुंगेर, एच सिंह कॉलेज हवेली खड़गपुर, हाई स्कूल भलार, इंटर स्कूल घोरघट, जेएमएस कॉलेज मुंगेर, जेएनके कॉलेज दारियापुर हवेली खड़गपुर, जेआरएस कॉलेज जमालपुर, जगन्नाथ उच्च विद्यालय टेटियाबाम्बर, कुमार रामानंद स्मारक हाई स्कूल धरहारा, लक्ष्मी साइंस कॉलेज मुंगेर, एनवाई इंटर कॉलेज, पंच कुमारी कन्या उच्च विद्यालय हवेली खड़गपुर, आरडी एंड डीजे कॉलेज मुंगेर, आरडीएम टेकरीवाल कॉलेज, आरएस कॉलेज तरापुर, आरएसएस इवनिंग इंटर कॉलेज, एसबीआरटी परियोजना कन्या हाई स्कूल संग्रामपुर, सीता देवी जगमोहन साह असरगंज, टाउन हाई स्कूल मुंगेर, उच्च विद्यालय माधोडीह, उच्च विद्यालय सिताकुंड मुंगेर, उच्च विद्यालय फरदा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय गाजीपुर, उत्क्रमित हाई स्कूल रामचरित्र मैदान, उत्क्रमित हाई स्कूल रामपुर, हाई स्कूल बांगलवा, उत्क्रमित सेकेंडरी स्कूल बरदह, अपग्रेडेड हाई स्कूल धरहरा, उत्क्रमित हाई स्कूल गनेली विद्यालय/महाविद्यालय के प्रधानाध्यापकों, प्राचार्यों, प्रभारी प्रधानाध्यापकों, प्रभारी प्राचार्यों को निदेशित किया गया है।

डीएम ने वर्चुअल मोड से 12 खेल मैदानों का उद्घाटन किया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। ग्रामीण विकास विभाग, बिहार अंतर्गत संचालित मनरेगा योजना द्वारा पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर खेल अवसंरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में मुंगेर जिले के 51 ग्राम पंचायतों में विभिन्न प्रकार के खेल मैदानों के तहत 64 खेल मैदानों का निर्माण कराया जा रहा है। भौतिक रूप से पूर्ण किये जा रहे सभी खेल परिसरों का उद्घाटन निर्धारित रोस्टर के अनुसार किया जा रहा है। उक्त काम में अबतक 12 खेल मैदानों का उदघाटन किया गया, जिसमें असरगंज में 04, तारापुर 02, ह० खड़गपुर 03, जमालपुर 01 एवं सदर मुंगेर में 01 खेल मैदानों का उदघाटन किया गया है। बुधवार को असरंज प्रखण्ड के चोरगाँव एवं रहमतपुर पंचायतों में 02 खेल परिसरों का उद्घाटन वैचुआल मोड में समाहरणालय के संवाद कक्ष से जिलाधिकारी, मुंगेर अवनीश कुमार सिंह द्वारा किया गया। जिलाधिकारी द्वारा खेल परिसर में उपस्थित ग्रामीणों, पदाधिकारियों, खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ी को संबोधित करते हुए बताया गया कि इन खेल मैदानों के निर्माण से ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतिभाओं के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग होगा। विद्यालयों के विधार्थियों के साथ-साथ स्थानीय खिलाड़ियों के खेल-प्रतिभाओं के विकास के साथ ही स्वस्थ्य जीवन शैली के निर्माण में अत्यन्त उपयोगी होगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, गुरुवार, 29 मई, 2025

वामिका गब्बी ने किया खुलासा फिल्म चुनने के लिए क्या है दो जरूरी बातें

बॉलीवुड एक्ट्रेस वामिका गब्बी एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जो अपने काम को लेकर बेहद सोच-समझकर फैसले लेती हैं। वह ऐसे किरदार को चुनती हैं जो उन्हें अंदर से खुशी और संतुष्टि दें। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके लिए कोई भी भूमिका तभी खास होती है जब वह रचनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण हो और उनके करियर में कुछ नया जोड़ सके। अगर उन्हें कोई ऐसा किरदार मिलता है, तो वह तुरंत उस प्रोजेक्ट के लिए हां कह देती हैं। खास बातचीत में जब वामिका से पूछा गया कि वह फिल्में किस आधार पर चुनती हैं, इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, मुझे लगता है कि फिल्म चुनने के लिए दो बातें जरूरी हैं, फिल्म से कुछ सीखने को मिले और आपका किरदार कहानी के लिए बेहद जरूरी हो। अगर आपको लगे कि आप कुछ खास दे रहे हैं, आपका किरदार कहानी में कुछ जोड़ रहा है, तो वो काम दिलचस्प लगता है। वामिका गब्बी ने आगे कहा, अगर आप अच्छा काम करना चाहते हैं और कोई प्रोजेक्ट आपके काम में भी कुछ अच्छा जोड़ता है, तो यह एक ही बात है, मैं बस उसे अलग तरीके से कह रही हूं। आखिर में बात यह है कि जब आपको लगे कि ये काम करना मजेदार या संतुष्टि भरा होगा, तभी आप उसे करने के लिए हां कहते हैं। वामिका गब्बी इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म भूल चूक माफ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव भी हैं। यह फिल्म पहले 16 मई को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में 23 मई को इसे सिनेमाघरों में रिलीज कर दिया गया। यह फिल्म अब 6 जून को ओटीटी प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

भूल चूक माफ को मैडॉक फिल्म्स के दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है। वहीं इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है। फिल्म में राजकुमार राव रंजन तिवारी नाम के लड़के का किरदार निभा रहे हैं, वहीं वामिका तितली मिश्रा नाम की लड़की की भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी बनारस में अपने माता-पिता के साथ रहने वाले रंजन तिवारी की है, जो तितली से बेहद प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। दोनों भागकर शादी करने की प्लानिंग करते हैं, लेकिन इस प्लान के बारे में उनके माता-पिता को पता चल जाता है। दोनों के माता-पिता शादी के लिए मान जाते हैं, लेकिन तितली के पिता रंजन के सामने एक शर्त रखते हैं कि उसे दो महीने के अंदर सरकारी नौकरी हासिल करनी होगी। इस दौरान रंजन टाइम लूप में फंसता हुआ भी दिखता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो वामिका गब्बी जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगी। इस फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन हैं। भूत बंगला 2 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दोस्ती की आड़ में अब मिलेगा धोखा, करण जौहर के शो द ट्रेटर्स का प्रोमो हुआ रिलीज

करण जौहर का मच अवेटेड ओटीटी शो द ट्रेटर्स अब जल्द ही दस्तक देने वाला है। इस शो का पहला प्रोमो रिलीज हो चुका है। अमेजन प्राइम वीडियो पर इस शो को दिखाया जाएगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म के इंस्टाग्राम पर शो का एक प्रोमो आया है, जिसमें करण जौहर शो के बारे में बताते हुए नजर आ रहे हैं।

शो का प्रोमो हुआ रिलीज

द ट्रेटर्स शो का पहला प्रोमो जारी किया जा चुका है, जिसके कैप्शन में लिखा गया है- दोस्ती करने के लिए आइए और धोखेबाजी करने के लिए रहिए। इस शो का थीम साफ है लोगों को एक दूसरे को धोखा देना होगा, तभी वो शो में सर्वाइव कर पाएंगे।

कौन-कौन कंटेस्टेंट होगा शामिल?

शो के प्रोमो से इसके कंटेस्टेंट्स के बारे में कोई हिंट नहीं मिला है। हालांकि टीवी और डिजीटल मीडिया के कई स्टार्स हैं जिनके नाम शो के लिए पहले से ही सामने आ रहे थे। इस नामों में करण कुंद्रा, एल्विश यादव, राज कुंद्रा, रफ्तार, उर्फी जावेद जैसे नाम शामिल हैं।

द ट्रेटर्स के बारे में

बता दें द ट्रेटर्स एक इंटरनेशनल हिट रियलिटी शो है, जिसकी सफलता अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कई दूसरे देशों में देखी जा चुकी है। अब इसका इंडियन वर्जन लेकर आ रहे हैं करण जौहर, जिसमें चालाकी, साजिश और दिमागी खेल का जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। इस शो का कांसेप्ट ऐसा है, जहां कुछ खिलाड़ी वफादार होंगे और कुछ गद्दार। द ट्रेटर्स खेल का उद्देश्य है धोखे को पकड़ना और सच्चाई को सामने लाना। लेकिन जब हर किसी पर शक किया जाए, तो दोस्त और दुश्मन में फर्क करना आसान नहीं रहता। यह शो सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि मानसिक ताकत, रणनीति और सामाजिक कौशल की चुनौती है। होर्डिंग्स पर दिखाई देने वाले डायलॉग्स में बदलाव भी इसी खेल का हिस्सा है।

ओमंग कुमार की फिल्म से होगी हर्षवर्धन राणे की वापसी

इमोशन के बादशाह निर्देशक ओमंग कुमार और अभिनेता हर्षवर्धन राणे दोनों की जबरदस्त वापसी एक साथ एक नई फिल्म से होने जा रही है। इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ सादिया खतीब, करणवीर मेहरा और इप्सिता भी होंगे। फिल्म एक रोमांटिक एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है।

बायोपिक फिल्मों 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' से धाक जमाने वाले निर्देशक ओमंग कुमार अब मैदान में उतर रहे हैं एक नए तेवर के साथ। इस बार न कोई बायोपिक, न कोई सीधी-सादी कहानी—बल्कि दिलों को धड़काने वाला एक हाई-वोल्टेज रोमांटिक एक्शन ड्रामा, जिसमें प्यार भी है, तकरार भी है और जबरदस्त टशन भी।

जानकारी के मुताबिक इस फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे रफ-टफ लुक वाले हर्षवर्धन राणे, संजीदा अदाकारा सादिया खतीब, स्टाइलिश और सधा हुआ अंदाज़ लिए करणवीर मेहरा, और एक ताज़गी से भरी धमाकेदार एंट्री के साथ इप्सिता। ये चौकड़ी मिलकर लव स्टोरी के पर्दे पर आग लगाने आ रही है। फिल्म का निर्माण कर रहे हैं खुद ओमंग कुमार। पता चला है कि ओमंग कुमार ने ये पूरा प्रोजेक्ट अभिषेक अंकुर (ब्लू लोटस पिक्चर्स), उमेश केआर बंसल, प्रगति देशमुख (ज़ी स्टूडियोज), हिमांशु तिवारी, अजय सिंह, धनंजय सिंह (स्टार्क एंटरटेनमेंट) और कैप्टन राहुल बाली (इनोवेशंस इंडिया) के साथ मिलकर खड़ा किया है।

अक्षरा सिंह को मिला बीजेएएनए यूएसए अवॉर्ड

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह को हाल ही में अमेरिका में एक खास सम्मान से नवाजा गया है। एक्ट्रेस की प्रतिभा, मेहनत और कला को देखते हुए उन्हें बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए यूएसए) द्वारा एप्रिसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड भारतीय संस्कृति और भोजपुरी सिनेमा में अक्षरा के योगदान को दर्शाता है। इस सम्मान को पाकर अक्षरा सिंह बेहद खुश नजर आईं और उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपने फैंस के साथ इस खुशी को साझा किया। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर अवॉर्ड लेते हुए अपनी एक फोटो शेयर की। इस फोटो में वह ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में अक्षरा ने लिखा, कभी सोचा नहीं था कि बिहार के एक छोटे से कोने से चलकर अमेरिका की धरती पर अपने राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करूंगी। आज जब बीजेएएनए यूएसए से मुझे एप्रिसिएशन अवॉर्ड मिला, तो वह सिर्फ एक अवॉर्ड नहीं था, वह मेरी मेहनत, संघर्ष और सपनों की जीत थी। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, भारत से इतनी दूर आकर जब लोग बिहार का नाम सम्मान और सराहना के साथ लेते हैं, तो लगता है जैसे वर्षों की तपस्या रंग लाई है। उस मिट्टी से जुड़ाव, जिसने मुझे सब कुछ सिखाया और आज उसी मिट्टी की खुशबू को मैंने अमेरिका तक पहुंचाया। यह अवॉर्ड सिर्फ मेरा नहीं है, यह हर उस लड़की का है जो बड़े सपने देखती है, हर उस इंसान का है जो अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आगे बढ़ता है। उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, दिल से धन्यवाद बीजेएएनए यूएसए को, इतनी दूर होकर भी अपने लोगों को जोड़ने, पहचान देने और सम्मानित करने के लिए। आज एक भारतीय, एक बिहारी होने पर पहले से कहीं ज़्यादा गर्व महसूस हो रहा है। बीजेएएनए बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए) एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य बिहार की संस्कृति, शिक्षा, और समुदाय को बढ़ावा देना है।

मृणाल और अदिवी शेष की डकैत का टीजर रिलीज, प्यार और धोखे की कहानी में लगेगा एक्शन का तड़का

इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल 'डकैत' का आज टीजर जारी हो गया है। टीजर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर में फिल्म की प्रमुख स्टारकास्ट अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप नजर आ रहे हैं। फिल्म का नाम 'डकैत- एक प्रेम कथा' है, ऐसे में फिल्म में एक्शन के साथ-साथ रोमांस का तड़का भी देखने को मिलेगा।

प्यार और धोखे की कहानी दिखाती है फिल्म

1 मिनट 1 सेकंड के इस टीजर की शुरूआत अदिवी शेष के एक वाइस ओवर से होती है। जबकि मृणाल ठाकुर की आखों में आंसू हैं और वो परेशान दिखती हैं। वाइस ओवर में कहता है, 'जूलियट तेरे साथ सबने बहुत गलत किया है। जिस पर भी तूने भरोसा किया, उसने तुम्हे धोखा दिया। लेकिन फिक्र मत कर, अब मैं आ गया हूं। अब कोई नहीं बचेगा। बचेगी तो बस तेरी बर्बादी।' टीजर से पता चलता है कि फिल्म की कहानी कहीं न कहीं प्यार और धोखे पर आधारित है। टीजर में अनुराग कश्यप भी एक झलक दिखे हैं। जो कहीं न कहीं फिर से फिल्म में निगेटिव किरदार में लग रहे हैं। फिल्म 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी।

टीजर ने बढ़ाई फिल्म को लेकर उत्सुकता

टीजर में एक ओर जहां अदिवी शेष एक्शन अवतार में और गुस्से में नजर आ रहे हैं, तो वहीं मृणाल ठाकुर परेशान हैं और दुखी दिख रही हैं। एक सीन में वो अदिवी शेष के ही पीछे छिपती भी दिखती हैं। टीजर के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। शेनिल देव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप के अलावा प्रकाश राज, अतुल कुलकर्णी, सुनील, जैन मैरी खान और कामाक्षी भास्करला जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

मृणाल ने किया श्रुति हासन को रिप्लेस

डकैत में पहले श्रुति हासन अदिवी शेष के साथ मुख्य भूमिका में थीं, लेकिन बाद में उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया। इसके बाद अब मृणाल ठाकुर फिल्म में लीड रोल में नजर आ रही हैं।

चार साल की उम्र में शुरू किया अभिनय, निर्देशन में भी आजमाया हाथ, दिलचस्प रहा कुणाल खेमू का सफर

कुणाल खेमू ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरूआत की। सबसे पहले वह साल 1987 में टीवी सीरीज गुल गुलशन गुलफाम में नजर आए। कुणाल खेमू महेश भट्ट की फिल्म सर में नजर आए। इसके बाद बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट कुणाल खेमू राजा हिंदुस्तानी, जख्म, भाई, हम हैं राही प्यार के और दुश्मन जैसी फिल्मों में नजर आए।

लीड एक्टर के तौर पर शुरू किया करियर

कुणाल खेमू ने साल 2005 से बतौर लीड एक्टर अपने करियर की शुरुआत की। वह पहली बार मोहित सुरी की फिल्म कलयुग में नजर आए। इसके बाद वह साल 2007 में ट्रैफिक सिग्नल में नजर आए। इसी साल कुणाल खेमू ने ढोल फिल्म में बतौर लीड एक्टर काम किया। साल 2008 में वह सुपरस्टार फिल्म में नजर आए। इसके बाद वह ढूंढते रह जाओगे, जय वीरू, 99 और गोलमाल 3 में नजर आए।

अलग-अलग विधाओं में आजमाया हाथ

कुणाल खेमू ने अभिनय के अलावा निर्देशन में भी हाथ आजमाया है। उन्होंने साल 2024 में फिल्म मडगांव एक्सप्रेस का निर्देशन किया है। उनका ये तजुर्बा कामयाब रहा। उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक डेब्यू के लिए आईफा अवॉर्ड दिया गया। कुणाल मडगांव एक्सप्रेस के लेखक भी हैं। उन्होंने इस फिल्म के गाने हम हैं यहीं और बहुत भारी लिखे।

सैफ की बहन से शादी

कुणाल खेमू मई 2009 से अभिनेत्री सोहा अली खान के साथ रिश्ते में थे। डेट करने के बाद कुणाल खेमू ने सोहा से जुलाई 2014 में सगाई की और 25 जनवरी 2015 को मुंबई में एक निजी समारोह में शादी कर ली। सोहा अली खान से शादी करने के बाद कुणाल खेमू पटौदी परिवार से जुड़े। 29 सितंबर 2017 को कुणाल और सोहा ने अपनी बेटी इनाया नौमी खेमू का स्वागत किया।

जॉन अब्राहम ने अपनी अगली फिल्म पर खोले पत्ते

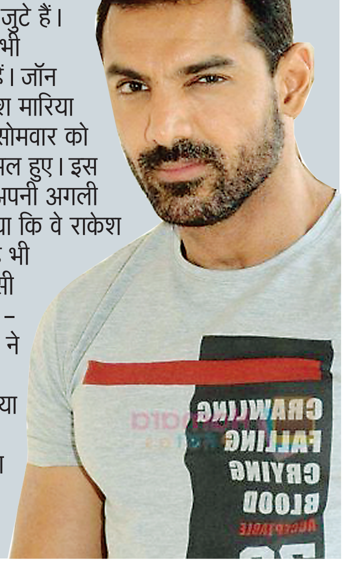

जॉन अब्राहम को बायोपिक द डिप्लोमैट में अपनी अदाकारी के लिए दर्शकों से खूब तारीफें मिलीं। इसी साल मार्च में रिलीज हुई इस फिल्म को क्रिटिक्स ने भी सराहा। जॉन अब अगली फिल्म की तैयारी में जुटे हैं। दिलचस्प बात यह है कि उनकी अगली फिल्म भी बायोपिक है, जिस पर जॉन ने पत्ते खोल दिए हैं। जॉन अब्राहम ने एक इवेंट में पुष्टि की है कि वे राकेश मारिया की बायोपिक कर रहे हैं। जॉन अब्राहम आज सोमवार को लक्कड़बग्घा - द प्रोलॉग के लॉन्च इवेंट में शामिल हुए। इस ग्राफिक नॉवेल के लॉन्च इवेंट में अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म को लेकर बात की। जॉन ने कंफर्म किया कि वे राकेश मारिया की बायोपिक कर रहे हैं। एक्टर ने यह भी बताया कि फिलहाल उनका जो लुक है, वह इसी बायोपिक के लिए है। कॉमिक बुक लक्कड़बग्घा - द प्रोलॉग के लॉन्च इवेंट में पहुंचे जॉन अब्राहम ने कहा कि वे राकेश मारिया के जीवन पर आधारित फिल्म कर रहे हैं। उनसे जब पूछा गया कि क्या उनका नया लुक उसी फिल्म के लिए है? इस पर एक्टर ने कहा, हां। साथ ही अपना अनुभव भी बताया। जॉन ने कहा कि फिल्म में काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा है।

पावर कंपनी से मिला बड़ा ठेका शेयर खरीदने की मच गई होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। बोंडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज करीबन 10 प्रतिशत तक चढ़कर 510 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, कंपनी ने कहा कि उसे तेलंगाना पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड से 204.2 करोड़ की लागत से बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम स्थापित करने के लिए ठेका मिला है।

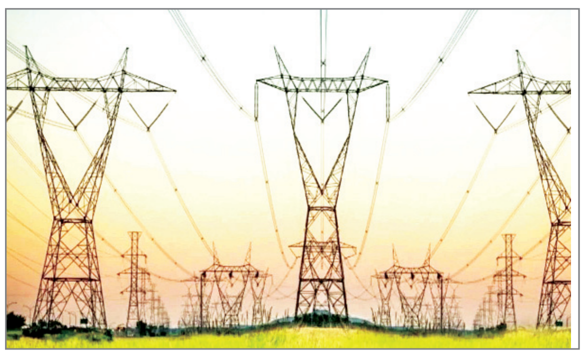

कंपनी ने क्या कहा– कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार, बोंडाडा इंजीनियरिंग तेलंगाना में मांग पर उपयोग के लिए 100 मेगावाट घंटे की बैटरी एनर्जी स्टोरेज प्रणाली स्थापित करेगी, जो कि टैरिफ आधारित वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली के तहत व्यवहार्यता अंतर निधि के साथ शंकरपल्ली में ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ तेलंगाना सरकार के 400/220 केवी सबस्टेशन के पास बिल्ड ओन ऑपरेट (ब्ववव) के तहत होगी। यह ऑर्डर बिजली खरीद समझौते के एग्जिक्यूश से 18 महीने के भीतर पूरा किया जाना है। कंपनी ने कहा कि ऑर्डर के लिए व्यापक विचार 12 वर्षों के लिए 204.2 करोड़ होगा।

लगातार मिल रहे ऑर्डर– पिछले सप्ताह कंपनी ने कहा था कि उसे आंध्र प्रदेश सरकार से राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर एक ऐतिहासिक सोलर एनर्जी परियोजना के आवंटन के लिए 9,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने कहा कि परियोजना का आवंटन इस बात को सुनिश्चित करने के अधीन है कि अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अन्य डेवलपर्स को पहले से आवंटित क्षेत्रों या पवन संसाधन मूल्यांकन अध्ययनों के साथ कोई ओवरलैप नहीं होगा। इस परियोजना को 24 महीनों के भीतर लागू किया जाना चाहिए।

बहुत-से ऐसे भाव होते हैं जो साफ़ नहीं होते: महेश शेट्टी

मुंबई। महेश शेट्ट ने कहा कि'कानखजूरा' जैसे शो में अपराधबोध और पारिवारिक रहस्यों जैसे गंभीर विषयों से जुड़ना एक भावनात्मक अनुभव रहा होगा। क्या इस मानसिक स्थिति में बने रहना मुश्किल था, या फिर शॉट्स के बीच आप खुद को उससे अलग कर पाते थे हर परिवार और हर रिश्ते में अच्छाई-बुराई के साथ-साथ बहुत-से ऐसे भाव होते हैं जो साफ़ नहीं होते, और यही हमें इंसान बनाते हैं। 'कानखजूरा' ने इन्हीं परतों को गहराई से छुआ है और बहुत वास्तविक तरीके से पेश किया है, जिससे उस भावनात्मक ज़ोन में जाना मेरे लिए आसान हो गया।जहां तक दृश्यों के बीच खुद को उस भाव से बाहर निकालने की बात है, तो मुझे लगता है ये एक अभिनेता की दिनचर्या का हिस्सा होता है।

शक्ति पम्पस् ने मनाया 'फाउंडर्स डे', शक्ति कोड ऑफ़ कंडक्ट जारी किया

इंदौर, एजेंसी। शक्ति पम्पस् इंडिया लिमिटेड ने (25 मई को) अपने संस्थापक, स्वर्गीय श्री मनोहर लाल जी पाटीदार के जन्मदिन के उपलक्ष्य में फाउंडर्स डे का आयोजन किया। यह दिन उनके असाधारण समर्पण, दूरदर्शिता और सफलता को याद करने और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की प्रेरणा लेने के लिए समर्पित था।

इस अवसर पर, शक्ति पंप्स इंडिया लिमिटेड के साथ-साथ सभी अनुषंगी कंपनियों के डायरेक्टर्स, समस्त टीम मेंबर्स और उनके परिवार के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। यह समारोह न केवल श्री पाटीदार के जीवन और कार्य को श्रद्धांजलि देने का माध्यम था, बल्कि यह कंपनी की एकता, सामूहिक भावना और भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता था। फाउंडर्स डे का यह आयोजन टीम के सदस्यों के लिए एक साथ आने, एक-दूसरे के साथ जुड़ने और कंपनी के मूल मूल्यों को फिर से आत्मसात करने का एक महत्वपूर्ण अवसर था। कार्यक्रम में शक्ति परिवार के 3000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

शक्ति पम्पस इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री दिनेश पाटीदार ने कर्मचारियों और उनके परिवारों से बातचीत में श्री मनोहर लाल जी पाटीदार के शुरुआती प्रयासों, उनके दूरदर्शी विचारों और कैसे उन्होंने एक छोटे से सपने को एक सफल उद्यम में बदल दिया, इस पर प्रकाश डाला। उन्होंने कंपनी की कोर वैल्यूस - सीखने का जुनून रखे, व्यक्ति का सम्मान करें, सिस्टम एवं कार्यविधि का सम्मान करें, श्रेष्ठता के लिये प्रयासरत रहें, ग्राहक केंद्रित रहें, ईमानदार एवं नैतिक रहें, को दोहराया।

श्री पाटीदार ने कहा कि शक्ति पम्पस नाम के इस पौधे ने आज एक वटवृक्ष बनकर कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे न केवल कंपनी को बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी लाभ हुआ है। इसी के अगले क्रम में हम सोलर और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से जुड़े उत्पादों में भविष्य देख रहे हैं। श्री दिनेश पाटीदार ने सभी उपस्थित लोगों को उनके स्वास्थ्य, प्रसन्नता और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

फंड जुटाने की तैयारी में वोडाफोन-आइडिया , 30 मई को बैठक, 7 से भी कम शेयर की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन–आइडिया का निदेशक मंडल 30 मई की बैठक में फंड जुटाने के विकल्पों पर विचार करेगा। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि इस बैठक में निदेशक मंडल कंपनी के वित्तीय नतीजों की मंजूरी पर भी विचार करेगा। घाटे में चल रही इस कंपनी ने सरकार से वित्तीय सहायता मिलने के बावजूद नकदी की कमी के कारण चालू वित्त वर्ष के बाद अपने अस्तित्व को लेकर आशंका जताई है। वोडाफोन–आइडिया ने कहा कि इस बैठक में राइट्स इश्यू, पब्लिक इश्यू या प्राइवेट अलॉटमेंट के जरिये एक या एक से अधिक चरणों में कोष जुटाने के प्रस्तावों पर विचार और उनका मूल्यांकन किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में ऋण बॉन्ड सहित किसी अन्य स्वीकार्य तरीके से कोष जुटाने के प्रस्ताव का भी मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में फंड जुटाने के प्रस्ताव पर शेयरधारकों की मंजूरी लेने के लिए असाधारण आम बैठक आयोजित करने पर भी फैसला होगा। वोडाफोन–आइडिया के शेयर की बात करें तो यह 7 रुपये के नीचे है। पिछली क्लोजिंग 6.94 रुपये के मुकाबले शेयर 6.96 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर 7 रुपये के पार भी गया था। 9 मई 2025 को यह शेयर 6.46 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। हाल ही में आर्थिक संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया ने दूरसंचार विभाग से कहा है कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर सरकार से समय पर समर्थन न मिलने की स्थिति में वह वित्त वर्ष 2025–26 से आगे परिचालन नहीं कर पाएगी। वोडाफोन आइडिया में सबसे अधिक 49 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकार के पास है। स्पेक्ट्रम शुल्क और एजीआर बकाया को इक्विटी हिस्सेदारी में बदले जाने से सरकार इस कंपनी में सबसे बड़ी शेयरधारक बन चुकी है।

सरकारी कंपनी बन जाएगी आईटीसी?

सबसे बड़ा शेयरहोल्डर बेच रहा हिस्सेदारी, सस्ते में मिल रहा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयरहोल्डर्स के लिए जरूरी खबर है। आईटीसी की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको कंपनी में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में है। बीएटी दुनिया भर में सिगरेट और तम्बाकू के प्रोडक्ट बनाती है। वहीं आईटीसी सिगरेट के साथ-साथ खाने-पीने का सामान भी बनाती है। बीएटी अब आईटीसी में लगभग 2.3 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 11,600 करोड़ रुपये (1.4 बिलियन) से ज्यादा जुटाना चाहती है। पिछले साल मार्च में भी बीएटी ने आईटीसी में अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर लगभग 17,500 करोड़ रुपये (2.1 बिलियन) कमाए थे। यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉक डील में से एक थी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इस बार हिस्सेदारी बेचने के बाद आईटीसी में बीएटी की हिस्सेदारी 25.4 प्रतिशत से घटकर 23.1 प्रतिशत रह जाएगी। बीएटी का कहना है कि इस हिस्सेदारी की बिक्री से उसे ज्यादा पैसे मिलेंगे। इन पैसों का इस्तेमाल कंपनी अपने कारोबार को बदलने, कर्ज कम करने और शेयरहोल्डर्स को अच्छा रिटर्न देने के लिए करेगी। बीएटी के चीफ एग्जीक्यूटिव टेडेउ मारोको ने एक बयान में कहा कि हम आईटीसी को अपने ग्लोबल कारोबार का एक अहम हिस्सा मानते हैं। हम भारत में बिजनेस के मौकों पर आईटीसी के साथ मिलकर काम करेंगे। इसका मतलब है कि बीएटी अभी भी आईटीसी को एक महत्वपूर्ण कंपनी मानती है और भारत में उसके साथ मिलकर काम करना चाहती है।

कितने में मिल रहा है शेयर

बीएटी की सहायक कंपनी टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) आईटीसी के 290 मिलियन शेयर बेच रही है। यह आईटीसी की कुल शेयरहोल्डिंग का लगभग 2.3 प्रतिशत है। यह बिक्री भारतीय शेयर बाजारों में होगी। इस डील को गोल्डमैन सैश और सिटीग्रुप मैनेज कर रही हैं। यह पूरी तरह से सेकेंडरी सेल है। इसका मतलब है कि कंपनी नए शेयर जारी नहीं कर रही है, बल्कि अपने पुराने शेयर बेच रही है।

शेयरों की कीमत 400 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। यह आईटीसी के 27 मई के बंद भाव 433.9 रुपये से 7.8 प्रतिशत कम है। इस डील का साइज लगभग 11,613 करोड़ रुपये (लगभग 1.4 बिलियन) है। जो निवेशक ये शेयर खरीदेंगे उन्हें हाल ही में घोषित 7.9 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड नहीं मिलेगा क्योंकि स्टॉक 28 मई को एक्स-डिविडेंड हो जाएगा और ञ्ज+1 सेटलमेंट साइकिल पर काम करता है। ञ्ज+1 का मतलब है कि शेयर खरीदने के एक दिन बाद ही आपके डीमैट अकाउंट में आ जाएंगे।

सरकार की हिस्सेदारी

पहले बीएटी ने कहा था कि आईटीसी में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी रखना उसके लिए जरूरी है क्योंकि इससे उसे बोर्ड में वीटो का अधिकार मिलता है और वह कंपनी के फैसलों को प्रभावित कर सकती है। वीटो का अधिकार होने से बीएटी किसी भी फैसले को रोक सकती है। मंगलवार को बीएटी ने कहा कि इस बिक्री से मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल 2026 के अंत तक अपने कर्ज को कम करने और शेयर बायबैक प्रोग्राम को जारी रखने के लिए किया जाएगा।

कंपनी ने 2025 में शेयर बायबैक के लिए 200 मिलियन पाउंड बढ़ाने का फैसला किया है, जिससे कुल बायबैक 1.1 बिलियन पाउंड हो जाएगा। इस साल की शुरुआत में आईटीसी के होटल कारोबार को अलग कर दिया गया था और एक नई कंपनी बनाई गई थी। इस कंपनी के शेयर आईटीसी के शेयरहोल्डर्स को दिए गए थे। बीएटी ने पहले ही होटल कारोबार से बाहर निकलने का इरादा जाहिर कर दिया है।

गिग वर्कर्स को मिलेगी पेंशन, लेकिन कंपनियों का पैसा कहां से कटेगा?

नई दिल्ली, एजेंसी। जल्द ही गिग वर्कर्स की पेंशन के लिए कंपनियों के अंशदान का नियम तय होगा। कंपनियां मान तो रही हैं कि वे हर महीने पेंशन में पैसा देंगी, लेकिन अभी ये सवाल बना हुआ है कि ये पैसा कंपनी के मुनाफे से लिया जाएगा या फिर उसके कुल कारोबार (टर्नओवर) से। दरअसल, सामाजिक सुरक्षा कानून 2020 के मुताबिक, कंपनियों को अपने सीएसआर फंड में 1.5 प्रतिशत से 2 प्रतिशत तक योगदान देना होता है। अब इसी पैसे को गिग वर्कर्स की पेंशन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

सरकारी सूत्रों की मानें तो मंत्रालय मुनाफे के आधार पर अंशदान लेने के पक्ष में नहीं है। उन्हें डर है कि अगर कंपनियों की ऑडिट रिपोर्ट या बैलेंस शीट देखकर पैसा तय किया गया, तो ये व्यवस्था ठीक से काम नहीं करेगी। इसलिए ज्यादा चांस है कि अंशदान कंपनी के टर्नओवर के हिसाब से तय होगा। जैसे ही ये नियम फाइनल होगा, प्रस्ताव कैबिनेट के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। उसके बाद ही पेंशन योजना शुरू हो पाएगी।

गिग वर्कर्स की हालत पर चौंकाने वाले आंकड़े : नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि 2020-21 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे। 2030 तक ये संख्या बढ़कर 2.35 करोड़ (यानी ढाई करोड़) होने का अनुमान है। इनमें से 85 प्रतिशत वर्कर्स की उम्र 30 से 50 साल के बीच है।

पहले के मुकाबले अब गिग वर्कर्स की महीने की कमाई घटी है। लोन, वाहन की मरम्मत और पेट्रोल-डीजल के खर्चे काटने के बाद उनकी औसत आय 15,000 से 20,000 रुपये रह गई है।

भारत में बिजनस करने आ रहा दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान, अंबानी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक भारत में म्युचुअल फंड बिजनस में उतरने की तैयारी में है। जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को भारत में म्यूचुअल फंड बिजनस के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी की मंजूरी मिल गई है। यह कंपनी जियो फाइनेंस सर्विसेस लिमिटेड और ब्लैकरॉक कंपनी का सयुंक्त उद्यम है। उम्मीद की जा रही है कि अब जल्द ही कंपनी भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में कदम रखेगी। सिड स्वामीनाथन को जियोब्लैकरॉक ने कंपनी का एमडी और सीईओ बनाया गया है।

जेएफएसएल की गैर–कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि ब्लैकरॉक के पास वैश्विक निवेश विशेषज्ञता है तो जियो के पास डिजिटल–फर्स्ट इनोवेशन। ब्लैकरॉक के साथ हमारी यह साझेदारी एक सशक्त साझेदारी है। साथ मिलकर हम हर भारतीय के लिए निवेश को सरल, सुलभ और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट भारत में वित्तीय सशक्तीकरण के भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल हेड रेचल लॉर्ड ने कहा कि आज भारत में एसेट मैनेजमेंट एक खास मुकाम पर खड़ा है। जियोब्लैकरॉक सीधे निवेशकों को कम लागत पर संस्थागत गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने, भारत में अधिक लोगों को पूंजी बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद करेगा। अपने साझेदार छ्वस्नस्रु के साथ हम भारत को बचतकर्ताओं के देश की छवि से निकाल कर निवेशकों का देश बनाने में योगदान देने को तैयार हैं। ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल इंडेक्स इक्विटी के पूर्व प्रमुख रहे सिड स्वामीनाथन को जियोब्लैकरॉक की जिम्मेदारी मिली है। वह 1.25 ट्रिलियन डॉलर के एसेट मैनेज कर चुके हैं।

मिआ बाए तनिष्क की आकर्षक ऑफर्स के साथ जॉय ऑफ़ गिफ्टिंग के इस सीज़न में हर पड़ाव को स्टाइल में मनाएं

शादी हो या ग्रेजुएशन - हर पल को चमकदार बनाएं

मुंबई एजेंसी। भारत का एक अग्रणी फाइन ज्वेलरी ब्रांड मिआ बाए तनिष्क ने वेडिंग सीज़न और ग्रेजुएशन सेलिब्रेशन के लिए शुरू किया है जॉय ऑफ गिफ्टिंग फेस्टिवल। यह ऑफर सीमित समय तक ही रहेगा। इसमें मिआ बाए तनिष्क में ग्राहकों को हीरे के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 20त्न की आकर्षक छूट मिल रही है। अपनी इस शानदार ऑफर के साथ मिआ ने इस दौर को जीवन की प्रमुख उपलब्धियों के लिए कीमती उपहार देना और भी आसान बना दिया है।

शादियों के सीज़न के लिए मिआ ने पेश किया है, बहुत ही सोच-समझकर, कुशलतापूर्वक बनाए गए आभूषणों का कलेक्शन, जो उपहार देने को आसान बनाता है। दुल्हन को उसकी ज़िन्दगी के सबसे बड़े दिन पर आशीर्वाद देना हो, ब्राइड्समेड्स के लिए शानदार आभूषण चुनना हो, या जोड़े के परिवार और दोस्तों को उपहार देना हो, मिआ में आपको मिलेगा जॉय ऑफ़ गिफ्टिंग। मिआ के डिज़ाइन आधुनिक होने के बावजूद, बदलते समय के साथ अपनी सुंदरता और प्रासंगिकता बनाए रखते हैं, हर तरह के जश्न की शान बढ़ाते हैं। मिआ बाए तनिष्क के आभूषण आपके खास पल जितने ही यादगार होते हैं।

शादियों के अलावा, जॉय ऑफ गिफ्टिंग फेस्टिवल छात्रों के लिए भी एकदम सही समय पर आया है। अपने महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक पड़ाव को हासिल करने का जश्न एक बेहतरीन आभूषण के साथ मनाएं, जो न केवल आपकी सफलता का प्रतीक बनेगा, बल्कि भविष्य का वादा भी करेगा। किसी प्रियजन के लिए हो या अपने आप को पुरस्कृत करने के लिए, मिआ के कलेक्शन ग्रेजुएशन के क्षणों को चमकाने के लिए एकदम सही है।

सत्व सुकून लाइफकेयर लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 के मजबूत परिणाम घोषित किए

कंपनी के 48 करोड़ के राइट्स इश्यू ने इन परिणामों का समर्थन किया

मुंबई एजेंसी। होम डेकोर और विभिन्न सुगंध उत्पादों के विनिर्माण से जुड़ी सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड ने 1.00 प्रति राइट्स इक्विटी शेयर के नकद मूल्य पर 48 करोड़ इक्विटी शेयरों के राइट्स इश्यू की घोषणा की है, जिससे कुल 48 करोड़ की राशि प्राप्त होगी। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य कंपनी के पूंजी आधार को मजबूत करना और इसके विस्तार के अगले चरण को समर्थन देना है। यह राइट्स इश्यू पात्र इक्विटी शेयरधारकों को 9 मई, 2025 की रिकॉर्ड तिथि तक धारित प्रत्येक 2 फुल्ली पैड इक्विटी शेयरों के लिए 5 राइट्स इक्विटी शेयरों के रेशियों दिए जा रहे हैं। यह इश्यू 30 दिनों की अवधि के लिए खुला रहेगा, जो 28 मई, 2025 को शुरू होगा और 26 जून, 2026 को बंद होगा। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि इस इश्यू की समापन तिथि को बढ़ाया नहीं जा सकता है। सेबी के नियमों के अनुसार, सभी अधिकार और आवंटन प्रक्रिया केवल डीमैट रूप में ही की जाएगी। नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार आंशिक, आंशिक अधिकारों को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। हालांकि, पात्र शेयरधारक जिनके आंशिक अधिकारों की उपेक्षा की गई है, उन्हें उपलब्धता के अधीन, अपने अधिकारों से अधिक शेयरों के लिए आवेदन करने पर एक अतिरिक्त शेयर के आवंटन के लिए प्रेफरेंशियल विचार किया जा सकता है। सत्व सुकून लाइफकेयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मीत टी. ब्रह्मभट्ट ने कहा कि यह राइट्स इश्यू हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आय से हम परिचालन को बढ़ा सकेंगे, उत्पाद नवाचार को बढ़ा सकेंगे और बाजार में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर सकेंगे। पिछले एक साल में हमारा मजबूत वित्तीय प्रदर्शन मूल्य सृजन और दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डीमैट खातों में जमा राइट्स अधिकारों को स्टॉक एक्सचेंज मैकेनिज्म या ऑफ-मार्केट ट्रांसफर के माध्यम से आंशिक या पूर्ण रूप से समर्पित किया जा सकता है। बाजार आधारित निकासी की अंतिम तिथि शुक्रवार, 20 जून 2025 है। यह ध्यान देने योग्य है कि यह पूंजी निवेश ऐसे समय में किया गया है जब कंपनी मजबूत वित्तीय प्रदर्शन कर रही है। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 74.8त्न बढ़कर 84.22 लाख हुआ था, जबकि परिचालन से आय 6त्न बढ़कर 105.16 लाख हुई थी।

टाटा एआईए ने वित्त वर्ष 25 के लिए 1,842 करोड़ का बोनस घोषित किया; यह उनका अब तक का सबसे अधिक बोनस है

मुंबई एजेंसी। भारत की सबसे भरोसेमंद जीवन बीमा कंपनियों में से एक टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए अपनी सहभागी योजनाओं में 1,842 करोड़ के रिकॉर्ड बोनस भुगतान की घोषणा की है। 8.15 लाख से अधिक पॉलिसियों को इसका लाभ मिलेगा। इस वर्ष का भुगतान पिछले वर्ष के 1,465 करोड़ के बोनस से 26त्न अधिक है, यह कंपनी के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक बोनस है। अन्य सहभागी योजनाओं के अलावा, डायमंड सेविंग्स प्लान, स्मार्ट वैल्यू इनकम प्लान, वैल्यू इनकम प्लान और शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान जैसी प्रमुख सहभागी योजनाओं के लिए बोनस घोषित किया गया है। सहभागी बीमा योजनाओं को पार योजनाएं भी कहा जाता है, यह वो जीवन बीमा पॉलिसियां हैं जो बोनस या लाभांश के रूप में पॉलिसीधारकों के साथ लाभ साझा करती हैं। ये बोनस गारंटीड नहीं होते हैं, लेकिन आम तौर पर इन्हें सालाना घोषित किया जाता है, जो बीमाकर्ता के सहभागी (या लाभ के साथ) फंड के प्रदर्शन पर निर्भर करता है ।पॉलिसीधारकों के लिए इसका क्या मतलब है यह घोषणा टाटा एआईए की अपने उपभोक्ताओं के साथ साझेदारी करने और उन्हें उनके सपने पूरे करने में सक्षम बनाने की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

जितेश की पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है : टॉम मूडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जितेश शर्मा की असाधारण पारी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। कार्यवाहक कप्तान जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पहुंचा दिया। जब विराट कोहली का विकेट गिरने के बाद जितेश क्रीज पर आए, तब आरसीबी को 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इससे पहले वर्तमान सत्र में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर आकर्षक पारी खेली। मूडी ने कहा, 'मेरे लिए यह पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। हमने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ बेहतरीन पारियां देखी हैं, लेकिन यह पारी वाकई उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां पूरी तरह से प्रतिकूल थी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने पूरी चतुराई से बल्लेबाजी की। वह जिस तरह से खेल रहे थे उसे देखकर लग रहा था कि वह इससे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं।

पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर खान

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए। उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं।

भारत ने अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना) (एजेंसी)। गोलकीपर और कप्तान निधि ने लगातार चार गोल बचाए जिससे भारत ने चार देशों के जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान अर्जेंटीना को मैच 1-1 से बराबर छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराया। कनिका (44वें मिनट) ने निर्धारित समय में भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि लालरिनपुई और लालथंतलुआंगी ने शूटआउट में गोल करके टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में भारत को जीत दिलाई। अर्जेंटीना ने अच्छी शुरुआत की। मिलग्रोस डेल वैले (10वें मिनट) ने घरेलू टीम को पहले क्वार्टर में बढ़त दिलाई जबकि भारत ने तीसरे क्वार्टर में कनिका के गोल से स्कोर बराबर किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को चिली से होगा।

इंग्लैंड का टेस्ट दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी शीर्ष क्रम बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना ??है कि इंग्लैंड का आगामी 5 मैचों का टेस्ट दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए चुने गए युवा खिलाड़ियों के समूह का हवाला दिया। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टेस्ट खेलने के नए युग में कदम रखने के लिए भारत के पास क्रमशः शुभमन गिल और ऋषभ पंत के रूप में एक नया कप्तान और उप-कप्तान है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने इंग्लैंड में 19 में से केवल तीन श्रृंखलाएं जीती हैं जिसमें आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ ने टीम की कप्तानी की थी।

उन्होंने कहा, भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज हमेशा से ही टीम के धैर्य और अनुकूलनशीलता का सही माप रही है। पिछले 100 वर्षों में भारत ने इंग्लैंड की धरती पर खेली गई 19 सीरीज में से केवल 3 में ही जीत हासिल की है, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि यह प्रतियोगिता हमारे लिए कितनी चुनौतीपूर्ण रही है। एक युवा और गतिशील टीम के साथ, यह दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ का प्रतिनिधित्व करता है। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह

समूह किस तरह से इस अवसर पर आगे बढ़ता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए नए मानक स्थापित करता है।

एजबेस्टन, लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और द ओवल भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के शेष खेलों के लिए अन्य स्थल हैं। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला भारत के लिए एक नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत भी करती है। भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर इरफान पठान ने गिल की अगुवाई वाली टीम का समर्थन किया है कि वह इंग्लैंड दौरे पर मिलने वाली कड़ी चुनौतियों का सामना करेगी। पठान को प्रसारकों के कवरेज के लिए पैनलिस्ट के रूप में देखा जाएगा, जिनकी टेस्ट श्रृंखला के लिए अभियान की टैगलाइन %ग्राउंड तुम्हारा, जीत हमारी है।

पठान ने कहा, नई पीढ़ी के आगे आने के साथ, टीम इंडिया न केवल विरासत को आगे बढ़ा रही है, वे हमारे क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय लिख रहे हैं। ग्राउंड तुम्हारा, जीत हमारी, इस टीम के निडर रवैये और लचीलेपन को पूरी तरह से दर्शाता है। मुझे विश्वास है कि इस टीम में सबसे कठिन चुनौतियों का सामना करने और देश भर में प्रशंसकों की एक नई लहर को प्रेरित करने की प्रतिभा और दृढ़ संकल्प है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला में होगी क्रॉली और पोप की असली परीक्षा : ज्योफ्री बॉयकॉट

लंदन (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट इस बात से सहमत नहीं हैं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बावजूद इंग्लैंड के जैक क्रॉली और ओली पोप अपनी 'तकनीकी और मानसिक समस्याओं' से उबर चुके हैं और उनका मानना है कि उन्हें असली चुनौती अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में मिलेगी।

क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी कठिन रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे संघर्ष करते रहे, जहां उनका औसत 9 से कम रहा और वे सभी छह पारियों में मैट हेनरी के हाथों आउट हुए। पोप के लिए भी 2024 उतार-चढ़ाव भरा रहा। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेलने के बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा।

बॉयकॉट ने डेली टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, 'हम अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं कि क्रॉली और पोप ने अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं को सुलझा लिया है, जो उनके करियर को प्रभावित कर रही थीं, क्योंकि जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बहुत औसत दर्जे की थी। इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों क्रॉली, बेन डकेट और पोप ने शतक लगाए, जिससे मेजबान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पारी छह विकेट पर 565 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इंग्लैंड ने यह एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 45 रन से जीता था।

बॉयकॉट ने कहा, 'वे मध्यम गति के गेंदबाज थे, जो क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की खामी को उजागर करने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना होगा, ताकि यह देखा जा सके कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वास्तव में कोई सुधार हुआ है या नहीं। यह उनके लिए असली परीक्षा होगी और इससे हम बेहतर आकलन कर सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड को इसके बाद एशेज श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच 21 नवंबर को शुरू होगा।

सिंधु और प्रणय ने सिंगापुर ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

सिंगापुर (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और पुरुष वर्ग में एचएस प्रणय ने सिंगापुर ओपन में मंगलवार को अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये महिला एकल वर्ग के मुकाबले में सिंधू ने कनाडा की वेन यु झांग को सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। सिंधू ने 31 मिनट तक चले मुकाबले में झांग को 21-14, 21-9 से हराया। इसी के साथ भारतीय शटलर का पहले राउंड में हार का सिलसिला समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू अगले दौर में मुकाबला टोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता चीन की यू फेई से होगा। पुरुष एकल में भारत के एचएस प्रणय ने डेनमाक के रासमस गेम्के के खिलाफ वापसी करते हुए एक घंटे 12 मिनट में 21-19, 16-21, 14-21 से मुकाबला जीत लिया। एक घंटा 12 मिनट तक चले मुकाबले में पहला गेम हारने के बाद प्रणॉय ने शानदार वापसी करते हुए दोनों गेम में जीत हासिल करते हुए प्री-क्वार्टर में प्रवेश किया। इस बीच हार के साथ मालविका बंसोड़ और अनमोल खरब का अभियान समाप्त हो गया। मालविका संघर्षपूर्ण मुकाबले में थाईलैंड की सुपनिदा कटेथोंग से 21-14, 18-21, 11-21 से हारी। जबकि अनमोल को चीन की चेन यूफेई से दूसरे गेम में करीबी हार मिली। अनमोल को 21-11, 24-22 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल मुकाबले में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी चीन के चेंग जिंग/झांग ची की जोड़ी से 18-21,13-21 से हार गई।

जोकोविच ने मैकडोनाल्ड के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को अपने 2025 रौलां गैरो अभियान की शुरुआत अपने ट्रेडमार्क अंदाज में की, उन्होंने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर पहले दौर में

आत्मविश्वास और संयम के साथ प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। यह जीत जोकोविच द्वारा जिनेवा ओपन में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के ठीक तीन दिन बाद मिली। मैकडोनाल्ड के खिलाफ अपना पहला एटीपी हेड2हेड मैच खेलते हुए, जोकोविच एक घंटे, 58 मिनट के मुकाबले में पूरे नियंत्रण में थे। मैच की शुरुआत में हवा की स्थिति ने कुछ अप्रत्याशितता पैदा की, लेकिन बारिश के कारण दूसरे सेट के बीच में छत बंद हो गई। तब तक, सर्बियाई खिलाड़ी ने पहले ही गति पकड़ ली थी, उन्होंने शुरुआती सेट में 2-2 से सात में से छह गेम जीत लिए थे। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए अपने इंटरव्यू में फ्रेंच में कहा, ÷मैं इस बेहद खास और खूबसूरत कोर्ट पर हर पल का लुत्फ उठाने की कोशिश करता हूं।मैं यहां अच्छा महसूस कर रहा हूँ, जाहिर है, और भी ज्यादा क्योंकि मैं पिछले साल के ओलंपिक की यादों को फिर से जी रहा हूं, पिछली बार जब मैंने इस कोर्ट पर खेला था। वे खूबसूरत भावनाएं हैं। मैकडोनाल्ड ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संघर्ष किया और दूसरे सेट में अंतर को कम करने के लिए सर्विस का एक ब्रेक हासिल किया, लेकिन जोकोविच ने तुरंत वापसी की और इसे बंद कर दिया। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने नौ में से पांच ब्रेकपॉइंट को कन्वर्ट किया और मैकडोनाल्ड के आक्रमण को रोकने के लिए बेसलाइन से लगातार शॉट्स में गहराई बनाए रखी।

रेसलिंग की जगह ये काम करना चाहते थे जॉन सीना

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई को जॉन सीना जैसा गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) शायद कभी नहीं मिलता। एक समय ऐसा था जब जॉन सीना रेसलिंग में आने ही नहीं वाले थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई बड़े सितारे हुए हैं जिन्होंने अलग-अलग दौर में अपना नाम बनाया है। जॉन सीना भी उनमें से एक हैं। अनसीन 17 प्रोफेशनल रेसलिंग में बहुत बड़ा नाम है और डब्ल्यूडब्ल्यूई का चेहरा भी रहे हैं। लेकिन, अगर जॉन सीना ने कोई और रास्ता चुना होता तो कंपनी को ऐसा तह्रञ्ज कभी नहीं मिल पाता। दरअसल, जॉन सीना एक समय मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे। उसी समय उन्हें कुश्ती का भी ऑफर मिला।

जॉन सीना ने कैसे चुनी रेसलिंग – जॉन सीना ने स्टेफनी मैकमैहन के नए शो स्टेफनी प्लेसेस पर अपने संघर्ष के दिनों की एक कहानी बताई। उन्होंने बताया कि शारीरिक गतिविधियों में रुचि होने के बाद वे मरीन कॉर्प्स में जाना चाहते थे। उन्हें लगता था कि यह उनके लिए सही रहेगा। जॉन सीना ने मरीन में भर्ती होने का फैसला कर लिया था। लेकिन, उसी हफ्ते उनके एक दोस्त ने उन्हें ऑरेंज काउंटी में एक ट्रेनिंग सेशन के लिए बुलाया। द फेस दैट रन्स द प्लेस ने वहां जाने का

फैसला किया। रिंग देखकर उन्हें रेसलिंग से प्यार हो गया। फिर उन्होंने हफ्ते में एक नौकरी करने और वीकेंड पर रेसलिंग करने का फैसला किया। अगर जॉन सीना उस वीकेंड मरीन में भर्ती होने चले जाते, तो डब्ल्यूडब्ल्यूई को उनका एक बड़ा नाम कभी नहीं मिलता। रेसलिंग की दुनिया भी बहुत अलग होती। लेकिन, सीना ने उस ट्रेनिंग सेशन में जाने का फैसला किया और डब्ल्यूडब्ल्यूई में शामिल हो गए। 25 साल बाद, उन्हें गोट के रूप में जाना जाता है। वे 17 बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन रह चुके हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में सीना का योगदान काफी अहम – जॉन सीना की कहानी प्रेरणादायक है। यह हमें सिखाती है कि हमें अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। हमें हमेशा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। डब्ल्यूडब्ल्यूई में जॉन सीना का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। वे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं।

आईपीएल 2025: लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत पर लगा भारी जुर्माना, अन्य प्लेयर्स पर भी गिरी गाज

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत पर मंगलवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2025 मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। यह पंत का तीसरा ओवर-रेट अपराध था, पहला और दूसरा अपराध क्रमशः 5 अप्रैल और 26 अप्रैल को हुआ था और उन पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया और प्लेइंग इलेवन के अन्य सदस्यों पर या तो 12 लाख रुपए या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया।

आईपीएल के बयान में कहा गया है, चूंकि यह आईपीएल की न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित आचार संहिता के तहत उनकी टीम का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसमें कहा गया, %इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग 11 के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपए या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया।

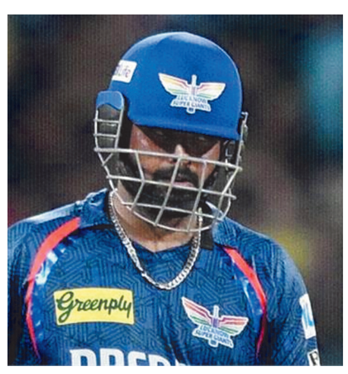

मंगलवार को पंत ने सनसनीखेज शतक के साथ आगे बढ़कर नेतृत्व किया, लेकिन सिर्फ 61 गेंदों पर उनकी नाबाद 118 रन की पारी बेकार चली गई क्योंकि रस्त्र अपने अंतिम ढ्ढक्क2025 लीग गेम में ऋ्श्वक्कसे हार गई। बल्लेबाजी करने के लिए भेजे जाने पर पंत ने अपना दूसरा आईपीएल शतक जड़ते हुए फॉर्म में वापसी की, जबकि मिशेल मार्श ने 37 गेंदों में 67 रनों की पारी खेली और रस्त्र को 227/3 पर पहुंचाया।

एलएजी के गेंदबाजों ने महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और आरसीबी को 123/4 पर सीमित कर दिया। इसके बाद जितेश शर्मा और मयंक अग्रवाल ने मैच-विजेता 107 रनों की साझेदारी करके 18.4 ओवर में लक्ष्य हासिल करते हुए लखनऊ की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। एलएसजी ने 14 मैचों में छह जीत के साथ 12 अंकों के साथ आईपीएल 2025 अभियान का समापन किया। इस बीच आरसीबी ने लीग चरण से 19 अंकों के साथ क्वालीफायर 1 के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

आईपीएल प्लेऑफ: अय्यर की रणनीति और आरसीबी की प्रतिभा के बीच होगी जंग

मुलांपुर (चंडीगढ़) (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की प्रेरक नेतृत्व क्षमता की अब तक की सबसे कठिन परीक्षा होगी जब पंजाब किंग्स गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के पहले क्वालीफायर में उत्साह से भरी एक अन्य टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की मेजबानी करेगा। शीर्ष दो में स्थान प्राप्त करने के बाद इन दोनों टीम से फाइनल में पहुंचने की उम्मीद की जा रही है क्योंकि पहले क्वालीफायर में हारने के बावजूद उन्हें खिताबी मुकाबले में जगह बनाने का एक और मौका मिलेगा।

पंजाब किंग्स ने 2014 के बाद पहली बार प्लेऑफ में जगह बनाई है। इसका श्रेय अय्यर और रिकी पोंटिंग (मुख्य कोच) की जोड़ी को जाता है जिन्होंने टीम की संस्कृति को बदलकर उसे नया स्वरूप प्रदान किया। दूसरी ओर आरसीबी को नॉकआउट चरण में कई बार हार का सामना करना पड़ा तथा इस बार वह खिताब के सूखे को खत्म करने की उम्मीद कर रही है। उनके अपने शब्दों में खिताब के दोनों दावेदारों के लिए काम अभी आधा ही हुआ है।

अय्यर-पोंटिंग की जोड़ी पंजाब किंग्स में शानदार बदलाव लेकर आई है और टीम ने लीग चरण में शुरू से लेकर आखिर तक अच्छा प्रदर्शन किया है। यह संयोजन खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सफल रहा है, जिससे यह एक मजबूत टीम बन गई है। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने अय्यर और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ियों के लिए मंच तैयार किया है। फिनिशर शशांक सिंह ने लगातार अपने खेल में सुधार किया है जबकि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस ने बल्ले से अपनी क्षमता का पता लगाकर बल्लेबाजी को और अधिक मजबूत बना दिया है।

पंजाब के लिए चिंता का विषय गेंदबाजी विभाग है, विशेषकर दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन के जाने के बाद, जो राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलने के लिए स्वदेश लौट गए हैं। यानसन ने पावरप्ले और डेथ ओवरों में महत्वपूर्ण ओवर फेंके और टीम को निश्चित रूप से उनकी कमी खलेगी। काइल जैमीसन ने आपने पहले मैच में कुछ उम्मीद जगाई है, लेकिन उन्हें प्रभाव छोड़ने के लिए बेहतर गेंदबाजी करनी होगी।

ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई भी यानसन की जगह ले सकते हैं। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल उंगली की चोट के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे। उनके इस महत्वपूर्ण मैच में वापसी करने और हमेशा सटीक गेंदबाजी करने वाले हरप्रीत बरार के साथ मजबूत जोड़ी बनाने की उम्मीद है। अर्शदीप सिंह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए लंबे समय से बेहतरीन तेज गेंदबाज रहे हैं और उन्होंने खेल के सभी चरणों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

आरसीबी को भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में कुछ खिलाड़ियों की चोट को लेकर चिंता थी लेकिन वह काफी हद तक दूर हो गई है। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है और टिम डेविड भी चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे, जिससे टीम में अधिक संतुलन आएगा। ऋ्श्वक्क पिछले कई वर्षों से अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर निर्भर रही है, लेकिन जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ियों के मध्यक्रम में अपनी क्षमता दिखाने के बाद ऐसा लगता है कि यह बदल रहा है।

जितेश ने मंगलवार रात को अपने आईपीएल करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली और प्लेऑफ में जाने से पहले उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर होगा। टीम के दृष्टिकोण से यह महत्वपूर्ण होगा कि फिल साल्ट पावरप्ले में अपनी सर्वश्रेष्ठ विस्फोटक बल्लेबाजी करें और विराट कोहली उसी तरह बल्लेबाजी करते रहें जैसे वे पूरे सत्र में करते आए हैं।

संभावित प्लेइंग 11

पंजाब किंग्स – प्रियांश आर्य, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, हरप्रीत बराड़, काइल जैमीसन, विजयकुमार विशक, अर्शदीप सिंह

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु – फिलिप साल्ट, विराट कोहली, मयंक अग्रवाल, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (कप्तान और विकेटकीपर), रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, नुवान तुषारा, सुयश शर्मा

समय – शाम 7.30 बजे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर कैंपों में लौटने लगे आतंकी, पीओके में हुए ऐक्टिव, बीएसएफ अलर्ट

जम्मू, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल ने मंगलवार को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी लॉन्चपैड्स और ट्रेनिंग कैंपों में आतंकियों की फिर से वापसी हो रही है। बीएसएफ के इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) शशांक आनंद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों से आतंकियों की घुसपैठ की संभावनाओं के इनपुट मिल रहे हैं, जिनसे सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

- **घुसपैठ की कोई तय तारीख नहीं, लेकिन तैयारी जोरों पर–** आईजी शशांक आनंद ने कहा, फिलहाल हमारे पास किसी खास दिन की जानकारी नहीं है जब आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन हमें लगातार सूचना मिल रही है कि आतंकी संगठन एक्टिव हैं। वे फिर से अपने कैंपों में लौटे हैं, ट्रेनिंग ले रहे हैं, और ऐसे रास्तों से घुसपैठ की कोशिश करेंगे जहां उन्हें सुरक्षा में ढील महसूस होगी। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों में एलओसी और आईबी पर खुफिया एजेंसियों से लगातार इनपुट मिल रहे हैं, इसलिए हर इलाके में सुरक्षा बलों को अलर्ट मोड में रहना होगा।
- **100 से ज्यादा आतंकियों का सफाया, ऑपरेशन सिंदूर की सटीक स्ट्राइक–** भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके और पाकिस्तान में मौजूद 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया। इसके अलावा पाकिस्तानी ड्रोन हमलों की कोशिशों को भी नाकाम किया गया। 13 मई को ऑपरेशन केलर के तहत चार लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को मार गिराया गया और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

- **ड्रोन हमले में तीन जवान शहीद, पोस्ट को मिलेगी वीरता की पहचान–** 10 मई की सुबह पाकिस्तान ने जम्मू के सांबा सेक्टर में बीएसएफ की पोस्ट्स पर ड्रोन के जरिए हमला किया। इस हमले में बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, कांस्टेबल दीपक कुमार और भारतीय सेना के नायक सुनील कुमार शहीद हो गए। आईजी आनंद ने कहा, हम इन शहीदों की बहादुरी को सम्मान देने के लिए दो पोस्ट्स का नामकरण उनके नाम पर करने का प्रस्ताव रख रहे हैं, और एक पोस्ट का नाम 'सिंदूर' रखा जाएगा, जो ऑपरेशन सिंदूर की याद दिलाएगा।
- **पाकिस्तान की गोलीबारी का माकूल जवाब–** उन्होंने यह भी बताया कि 7 मई को जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ था, तब यह आशंका थी कि पाकिस्तान जवाब में फायरिंग करेगा। ब्स्स्न ने इस आशंका को ध्यान में रखते हुए जम्मू के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र पर चौकसी बढ़ा दी थी। जब पाकिस्तान ने अकारण गोलीबारी की, तो ब्स्स्न ने उसका करारा जवाब दिया।

उन्होंने बताया, हमारे निगरानी उपकरणों में यह सब रिकॉर्ड हुआ है। हमने पाकिस्तान में मौजूद तीन आतंकी लॉन्चपैड्स को भी निशाना बनाकर नष्ट किया है। यह संदेश स्पष्ट है - भारत किसी भी आतंकी घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं करेगा। बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) शशांक आनंद ने कहा कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि कई 'लॉन्च पैड' नष्ट हुए हैं तथा सटीक हमलों के दौरान आतंकवादियों और पाकिस्तानी रेंजर्स में से कई की मौत हो गई। आईजी ने कहा, ''चिकन नेक क्षेत्र के सामने लश्कर-ए-तैयबा के लॉन्च पैड को 9-10 मई की रात को एक विशेष हथियार प्रणाली का उपयोग करके नष्ट कर दिया गया।''

'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया

बीएसएफ ने बताया कि उसने उन तीन 'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया, जहां से आतंकवादियों के घुसपैठ की आशंका थी। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा 60 भारतीय चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर भारी गोलीबारी और बमबारी शुरू करने के बाद हुई, जिसका मकसद कथित तौर पर 40-50 आतंकवादियों को सीमा पार घुसपैठ कराना था। बीएसएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) चित्रपाल सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''पाकिस्तान ने हमारी 60 सीमा चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की। जवाब में हमने उनकी 76 चौकियों और 42 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की।'' सिंह ने बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा सुंदरबनी सेक्टर के पास संचालित एक प्रमुख 'आतंकी लॉन्च पैड' को नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''अब उस क्षेत्र से कोई हलचल नहीं देखी गई है।''

संक्षिप्त समाचार

घरवालों से बात करने को तड़प रहा जेल में बंद तहव्वुर राणा

अदालत का खटखटाया दरवाजा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा ने अपने परिवार से बात करने की इजाजत मांगी है। इसके लिए उसने मंगलवार को नई दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर की। राणा के वकील के माध्यम से दायर आवेदन पर बुधवार को विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह के समक्ष सुनवाई होने की संभावना है। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई व्यवसायी राणा फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमले के मुख्य षड्यंत्रकारी डेविड कोलमैन हेडली उर्फ ??दाऊद गिलानी के करीबी सहयोगी राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया है। सीनियर वकील दयान कृष्णन और विशेष लोक

अभियोजक नरेंद्र मान राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (ह्ढ्ढ) की ओर से पेश हुए। कार्यवाही शुरू होने से पहले अदालत ने राणा से पूछा कि क्या उसके पास कोई वकील है। राणा ने बताया कि उसके पास कोई वकील नहीं है। इस पर अदालत ने बताया कि दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उसे वकील मुहैया कराया जा रहा है। इसके बाद वकील पीयूष सचदेवा को उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया गया।

हाफिज सईद, साजिद मीर को भी सौंपने की मांग– दूसरी ओर, इजरायल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने कहा है कि जैसे अमेरिका ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से तहव्वुर हुसैन राणा को भारत को सौंपा था, उसी तरह पाकिस्तान को प्रमुख आतंकवादियों हाफिज सईद, साजिद मीर और जकीउर रहमान लखवी को भारत को सौंप देना चाहिए। सिंह ने आतंकवाद को वैश्विक खतरा बताते हुए इसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने का भी आह्वान किया। इजराइली टीवी चैनल आई24 को सोमवार को दिए गए साक्षात्कार में सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर रोका गया है, यह खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने इस संबंध में घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी कि भारत को कार्रवाई क्यों करनी पड़ी और कहा कि यह अभियान पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी संगठनों के खिलाफ था।

सांप्रदायिक तनाव भड़काने के आरोप में पुलिस ने विहिप नेता को गिरफ्तार किया

मंगलुरु, एजेंसी। मंगलुरु में इस महीने के शुरू में एक हिन्दूवादी नेता की हत्या के बाद भड़काऊ भाषण देने, सांप्रदायिक तनाव भड़काने और सार्वजनिक शांति भंग करने के आरोप में पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ नेता शरण पंपवेल को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गत एक मई को बाजपे थाना क्षेत्र में विहिप कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के बाद उनके शव का पोस्टमार्टम ए.जे. अस्पताल के शवगृह में किया गया था। आरोप है कि अस्पताल परिसर के बाहर हिंदू संगठन के नेता शरण पंपवेल ने मीडिया से बातचीत में शेट्टी की हत्या में प्रतिबंधित संगठन पीएफआई और 'जिहादी इस्लामी आतंकवादियों' के शामिल होने का दावा करते हुए भड़काऊ बयान दिया था।

उन्होंने दो मई को जिले में बंद का आह्वान भी किया था। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि जब जनता ने बंद का समर्थन नहीं किया तो पंपवेल के बयान से भड़के उनके समर्थकों ने मंगलुरु के विभिन्न हिस्सों में तोड़फोड़ की और जबरन दुकानें एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करवाने के लिए अशांति पैदा की जिससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा, सांप्रदायिक तनाव बढ़ा और सार्वजनिक शांति भंग हुई। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद मंगलुरु पूर्व पुलिस थाने में पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की। मंगलुरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बताया कि जांच के दौरान आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए तथा शरण पंपवेल को पूछताछ के लिए दो नोटिस दिए गए लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए और उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया।

नड्डा टटोलेंगे संगठन की नब्ज! 31 मई को आएंगे जयपुर, कुछ यूं रहेगा कार्यक्रम

जयपुर, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 31 मई को जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। हालांकि, यह दौरा महज़ एक महिला केंद्रित कार्यक्रम में शिरकत तक सीमित नहीं रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार, नड्डा प्रदेश संगठन की स्थिति को भी परख सकते हैं और इसके लिए एक अहम अनौपचारिक बैठक आयोजित की जा सकती है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि नड्डा दोपहर बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सकते हैं। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया सहित अन्य प्रमुख चेहरे मौजूद रह सकते हैं। प्रदेश कार्यालय में तैयारियां तेज़ कर दी गई हैं, हालांकि अभी तक भाजपा की ओर से बैठक का कोई आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

माना जा रहा है कि यह बैठक संगठनात्मक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। नड्डा आगामी महीनों में चलाए जाने वाले विभिन्न संगठनात्मक अभियानों की रूपरेखा पर चर्चा कर सकते हैं। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी को लेकर प्रारंभिक चर्चा की भी संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर से फीडबैक लिया जाएगा कि कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद और समन्वय कैसा चल रहा है।

सूत्रों के अनुसार, नड्डा इस दौरान यह भी जानने की कोशिश करेंगे कि प्रदेश सरकार और संगठन के बीच तालमेल किस स्तर का है। हाल ही में हुई बैठकों और घटनाक्रमों के आधार पर स्थानीय स्तर पर उभरे गुटबाजी और मतभेदों की रिपोर्ट भी उनके समक्ष रखी जा सकती है। यह बैठक भले ही अनौपचारिक हो, लेकिन इसके दूरगामी राजनीतिक असर माने जा रहे हैं।

इसके अलावा, नड्डा निकट भविष्य में होने वाले निकाय चुनावों को लेकर भी नेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दे सकते हैं। यह दौरा जहां एक ओर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से जनसंपर्क की रणनीति को बल देगा, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक कसौटी पर नेताओं की भूमिका और सक्रियता को भी परखेगा। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, यह दौरा राजस्थान भाजपा के लिए आत्मविश्लेषण और सुधार की दिशा में एक निर्णायक मोड़ हो सकता है। आने वाले समय में यदि संगठन में कोई बड़ा बदलाव होता है तो उसकी झलक इस बैठक में देखी जा सकती है।

संजय राउत के बयान पर महाराष्ट्र सरकार ने जताया कड़ा ऐतराज

महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि ऐसा बयान पूरे देश का अपमान

मुंबई, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताने पर महाराष्ट्र सरकार ने कड़ा ऐतराज जताया है। महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि ऐसा बयान पूरे देश का अपमान है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कदम ने कहा, %ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताना गलत है। हमारे देश के जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया। आज तक पाकिस्तान में किसे ने ऐसी कार्रवाई नहीं की थी। पूरी दुनिया को पता है कि पाकिस्तान आतंकियों का हब है, उस पर हमला करने की हिम्मत भारत ने दिखाई। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर आप देश की बदनामी पूरी दुनिया में कर रहे हो। मुझे लगता है कि अगर आप सपोर्ट नहीं कर सकते तो कम से कम चुप बैठना चाहिए। ऐसी मानसिकता को सड़ा हुआ दिमाग ही कहेंगे। दरअसल, राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताया था। शिवसेना यूबीटी नेता का यह बयान तब आया जब भारतीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजा गया है। साथ ही, विपक्षी नेता पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे है। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक की भी मांग की है। राउत ने कहा, %ऑपरेशन सिंदूर विफल रहा। हालांकि, राष्ट्रहित में विपक्ष इस पर ज्यादा बात नहीं करना चाहता।

ऑस्ट्रेलिया की मुस्लिम सांसद फातिमा का बड़ा आरोप, शराब पिलाने का दिया ऑफर, टेबल पर चढ़कर...

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की मुस्लिम सांसद फातिमा पेमन ने संसदीय निगरानी संस्था से शिकायत की है कि उन्हें शराब पीने और नाचने के लिए कहा गया। एबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, फातिमा ने बुधवार को कथित तौर पर आरोप लगाया, मेरे एक पुरुष मित्र ने मुझे शराब पीने और मेज पर नाचने के लिए कहा।

सीनेटर फातिमा पेमन (30) ने आगे कहा कि वह शराब नहीं पीती हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके वरिष्ठ सहयोगी ने एक आधिकारिक समारोह में बहुत अधिक शराब पीने के बाद कई अनुचित टिप्पणियां कीं। फातिमा पेमन ने दावा किया कि उनसे कहा गया, चलो तुम्हारे लिए कुछ शराब लाते हैं और तुम्हें मेज पर नाचते हुए देखते हैं। मैंने आस कोवर्ज से कहा, अरे माने एक लाइन बनाई है, दोस्त। और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

आपको बता दें कि फातिमा पेमन का जन्म अफगानिस्तान में हुआ था और वह ऑस्ट्रेलिया की संसद के अंदर हिजाब पहनने वाली पहली सीनेटर हैं। स्वतंत्र सीनेटर पेमन ने 2024 में वामपंथी लेबर सरकार से नाता तोड़ लिया, उस पर गाजा में फिलिस्तीनियों की मदद करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले – पूर्व राजनीतिक कर्मचारी ब्रिटनी हिगिंस ने 2021 में आरोप लगाया था कि संसदीय कार्यालय के अंदर उनके सहकर्मी ने उनके साथ बलात्कार किया, जिसके बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए।

विदेश सचिव मिस्री अमेरिका में, रणनीतिक तकनीकी सहयोग और व्यापार वार्ता पर की चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार (भारतीय समयानुसार) को अमेरिकी अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की और इंडिया-यूएस स्ट्रैटेजिक ट्रेड डायलॉग (भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता) के शीघ्र आयोजन पर चर्चा की। इसके साथ ही महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों को लेकर गंभीर मंत्रणा की। यह मुलाकात रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों में नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच उच्च स्तरीय सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वाशिंगटन में आयोजित बैठक में मौजूदा ढांचे को मजबूत करने और दोनों देशों के बीच प्रमुख तकनीकी और व्यापार पहलों पर गति बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने एक्स को बताया, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-अमेरिका सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की। उन्होंने तकनीकी और व्यापार सहयोग को गहरा करने के लिए भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता के शीघ्र आयोजन पर भी चर्चा की।

मिस्री वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं, इस दौरान उनका ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, उनकी यह यात्रा फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद हो रही है, जहां दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका समझौता - सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को बढ़ावा देना - 21वीं सदी के लिए रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक ढांचा लॉन्च किया था। उस यात्रा के दौरान, पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त रूप से 21वीं सदी के लिए अमेरिका-भारत समझौता का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य सैन्य, वाणिज्यिक और तकनीकी क्षेत्रों में परिवर्तनकारी प्रगति को बढ़ावा देना है। जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण के बाद से यह पीएम मोदी की अमेरिका की पहली आधिकारिक यात्रा थी। उल्लेखनीय रूप से, पीएम मोदी नए प्रशासन के गठन के बाद अमेरिका में आमंत्रित किए जाने वाले शुरुआती विश्व नेताओं में से एक थे, यह यात्रा ट्रंप के शपथ ग्रहण के सिर्फ तीन सप्ताह के भीतर हुई थी। यह यात्रा राष्ट्रपति ट्रंप के हाल के दावों के बाद हो रही है जिसमें उनके प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम समझौते की मध्यस्थता का बड़ा दावा किया था। हालांकि, नई दिल्ली ने लगातार कहा है कि युद्ध विराम समझौता पाकिस्तान की शत्रुता समाप्त करने की तत्काल अपील का परिणाम था, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी हवाई ठिकानों पर भारतीय सैन्य हमलों के बाद।

नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह

मशहूर नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही कामी रीता ने मंगलवार को 31वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया। इस तरह उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

इस अभियान के आयोजक और सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा ने बताया कि कामी रीता (55 वर्षीय) ने सुबह करीब चार बजे मौसम सामान्य रहने पर 8,849 मीटर ऊंची चोटी के शिखर पर पहुंचे। वह इस बार भारतीय सेना की एडवेंचर विंग के एवरेस्ट अभियान की टीम का मार्गदर्शन कर रहे थे, जिसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज जोशी कर रहे थे।

काठमांडू पोस्ट ने मिंगमा शेरपा के हवाले से कहा, यह नई उपलब्धि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ने वाले वाले व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है, जिसके आसपास भी अभी तक कोई नहीं पहुं पाया है।

मिंगमा शेरपा ने आगे बताया कि चोटी पर पहुंचने के बाद कामी रीता सुरक्षित और स्थिर हैं। उन्होंने नीते उतरना शुरू कर दिया है और अब बेस कैंप की ओर लौट रहे हैं। हमेशा की तरह कामी ने अपने बेजोड़ कौशल और पेशेवर अनुभव को फिर से साबित किया है। हम उनकी इस महान उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं और जो विरासत वह बना रहे हैं, वह हमारे लिए गौरव का विषय है।

पिछले दो वर्षों में कामी रीता ने हर मौसम में दो बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की। इसके साथ ही उनकी सफल चढ़ाइयों की संख्या 30 हुई। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने बताया कि कामी रीता को कम उम्र से ही पर्वतारोहण का गहरा शौक था और वह बीते दो दशकों से अधिक समय से लगातार पहाड़ों पर चढ़ाई कर रहे हैं।

कामी रीता कौन हैं?: शेरपा समुदाय का गढ़ सोलुकुंभी क्षेत्र में जन्मे कामी रीता ने 1992 में अपनी पर्वतारोहण यात्रा शुरू की थी। वे एक सहायक कर्मचारी के रूप में एवरेस्ट पर जाने वाले अभियान समूह में शामिल हुए। उन्होंने पहली बार 1994 में एवरेस्ट पर चढ़ाई की। तब से लगभग हर साल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर लौटते रहे। कामी रीता के पिता पहले शेरपा पर्वत गाइडों में से एक थे। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने कहा कि कामी ने छोटी उम्र में ही चढ़ाई के लिए गहरा जुनून विकसित कर लिया था। अब दो दशकों से अधिक समय से चोटियों पर चढ़ रहे हैं।

बेल्जियम की पर्यटकों को चेतावनी: हमारी ऐतिहासिक सड़कों के पत्थर चुराकर मत ले जाइए!

ब्रुग्स एजेंसी। बेल्जियम का सुंदर और ऐतिहासिक शहर ब्रुग्स इन दिनों एक अजीब सी परेशानी से जूझ रहा है। यूरोप के सबसे खूबसूरत और आकर्षक पर्यटन स्थलों में गिना जाने वाला यह शहर अपनी मध्ययुगीन इमारतों और खास पत्थर वाली सड़कों के लिए प्रसिद्ध है। इसी ऐतिहासिक सुंदरता के चलते ब्रुग्स का केंद्र यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट भी घोषित किया गया है। लेकिन अब वही खूबसूरती शहर के लिए मुसीबत बनती जा रही है। दरअसल, पर्यटक यहां की ऐतिहासिक सड़कों से चौकोर पत्थर उखाड़कर 'स्मृति-चिह्न' के रूप में अपने साथ ले जा रहे हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, *हर महीने करीब 50 से 70 पत्थर इस तरह गायब हो रहे हैं। ब्रुग्स प्रशासन के मुताबिक, प्रत्येक वर्ग मीटर सड़क को फिर से बनाने में लगभग 225 डॉलर का खर्च आता है। हालांकि कुछ सैलानी सोचते हैं कि एक-दो ढीले पत्थर उठाने से क्या फर्क पड़ेगा, लेकिन यह काम न सिर्फ विरासत को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। इसी चिंता को लेकर स्थानीय नागरिकों और अधिकारियों ने एक जागरूकता अभियान शुरू किया है जिसमें लोगों से अपील की जा रही है कि कृपया हमारी सड़कों के पत्थर चुराकर मत ले जाइए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129